■ एमओएफएसएल की रिपोर्ट के अनुसार सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद - 12

■ सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर का उल्लेख जरूरी - 12

■ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा जीती तो घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन- 13

■ रणजी फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ जम्मू-कश्मीर बेहतर स्थिति में - 14

आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
14.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.40
सूर्यास्त 06.11

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी 10:33 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 94, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

युद्धाभ्यास

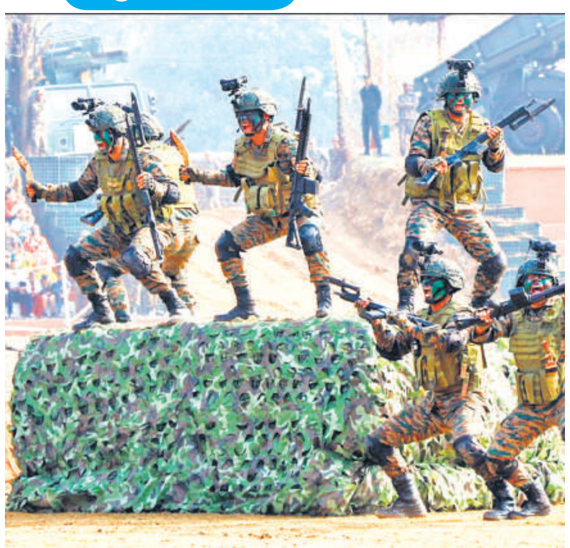

पठानकोट स्थित ध्यान चंद स्टेडियम में सेना की पश्चिमी कमान की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान भारतीय सेना के जवानों ने अपनी युद्ध क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया और दुश्मन को अपनी ताकत का एहसास कराया।

'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' अध्याय वाली पुस्तक पर प्रतिबंध

एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस, आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की उस पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम का खंड शामिल किया गया था। कोर्ट ने पुस्तक की सभी प्रतियां तुरंत जब्त करने और डिजिटल प्रतियां हटाने का निर्देश दिया। एनसीईआरटी के निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर पूछा गया कि क्यों न अवमानना और दूसरी जरूरी कार्यवाही की जाए।

कोर्ट ने इस मामले में गहन जांच की मंशा जताते हुए स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर गंभीर परिणामों

- उन बैठकों का मूल रिकॉर्ड तलब जिनमें अध्याय को विचार-विमर्श कर दी गई मंजूरी

और स्थाई प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा दुर्व्यवहार न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2(सी) के अंतर्गत आपराधिक अवमानना के दायरे में आएगा। यह जानबूझकर किया गया कृत्य पाया जाता है तो न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप के साथ संस्था को बदनाम करने का भी मामला होगा। कोर्ट ने उन बैठकों के ब्योरे का मूल रिकॉर्ड तलब किया, जिनमें आपत्तिजनक अध्याय पर विचार-विमर्श किया गया था और उसे अंतिम रूप दिया गया था।

न्यायपालिका के खिलाफ गहरी साजिश और सुनियोजित प्रयास: सीजेआई

सुनवाई के दौरान स्पष्ट रूप से नाराज नजर आ रहे सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, पुस्तक की सामग्री के प्रथम दृष्ट्या अवलोकन और निदेशक से प्राप्त प्रशासनिक प्रतिक्रिया के साथ इसे पढ़ने पर ऐसा प्रतीत होता है कि एक गहरी साजिश के तहत न्यायपालिका के संस्थागत प्राधिकार को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का एक सुनियोजित प्रयास किया गया है। सीजेआई ने कहा, उन्होंने आघात किया है। न्याय पालिका इससे आहत है। न्यायिक संस्था के प्रमुख के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं पता लगाऊं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुस्तक में शब्दों और अभिव्यक्तियों का चयन महज अनजाने में हुई गलती या त्रुटि नहीं हो सकता।

सुधारों का पुस्तक में नहीं किया जिक्र

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि पुस्तक में वर्णित विवरण में न्यायालय द्वारा शुरू की गई किसी भी परिवर्तनकारी पहल और उपायों का उल्लेख नहीं किया गया है, जिनमें न्याय तक सुगम पहुंच को सुव्यवस्थित करना और लोकतांत्रिक तानेबाने के संरक्षण में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। इस न्यायालय द्वारा अतीत में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के गबन आदि के लिए निंदा किए गए उच्च पदस्थ अधिकारियों की भारी संख्या को देखते हुए यह चुप्पी विशेष रूप से निंदनीय है।

मामले में कार्रवाई की जाएगी : प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीईआरटी की आठवीं की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल करने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है। जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं।

- पीठ ने कहा, पुस्तक में अत्यंत लापरवाही, गैरजिम्मेदाराना, अपमानजनक तरीके से लिखी बातों पर गौर करने के बजाय एनसीईआरटी निदेशक ने अपने जवाब में सामग्री का बचाव किया।
- पीठ ने कहा कि यदि यह बेरोकटोक होने दिया गया तो न्यायपालिका की शुचिता और आम लोगों के बीच उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी, इससे भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे पर 24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 23.9 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 24 करोड़ रुपये है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यात्री 22 फरवरी को टर्मिनल 3 पर पहुंचे जहां उन्हें आव्रजन क्षेत्र के ग्रीन चैनल पर रोका गया। उनके सामान की पहले एक्स-रे जांच और बाद में विस्तृत जांच की गई। तलाशी में हरे रंग के संदिग्ध मादक पदार्थ से भरी पॉलीथीन की 14 थैलियां बरामद की गई जिनमें से आठ एक ट्रॉली बैग में और छह दूसरे बैग में छिपाई गई थीं।

महाराष्ट्र में लव जिहाद कानून का मसौदा तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कथित 'लव जिहाद' के मामलों को रोकने के मकसद से प्रस्तावित कानून का एक मसौदा तैयार किया है। विधि एवं न्यायपालिका विभाग ने मसौदा कानून को अंतिम रूप दे दिया है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों की तरफ से जबरदस्ती, धोखाधड़ी या लालच देकर किए गए धर्म परिवर्तन को अपराध मानने के लिए एक सख्त कानून की मांग बढ़ रही थी। इसके जवाब में राज्य सरकार ने इस मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई थी। कई भाजपा शासित राज्यों ने पहले ही धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बना दिए हैं।

राकांपा की अध्यक्ष बनीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनके बड़े बेटे पार्थ पवार को जल्द ही राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए जाने की संभावना है। यह आधिकारिक घोषणा वर्ली में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन 2026 के दौरान की गई। राकांपा प्रमुख रहे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी की कमान संभालने के लिए सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रखा, जिसे सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। पार्टी के नए संगठनात्मक ढांचे में कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को शामिल किया गया है।

भारत-इजराइल के संबंधों का नया दौर विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

मोदी की यात्रा के दौरान कृषि, ऊर्जा और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में 17 समझौते

- सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन की दिशा में काम करेंगे दोनों देश

यरुशलम, एजेंसी

भारत और इजराइल ने बृहस्पतिवार को समय की कसौटी पर खरे साबित हुए संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाया और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और नेतन्याहू के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने व्यापार, कृषि, ऊर्जा, साइबरस्पेस और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 घोषणाएं की गईं। इनमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को इजराइल में भी लागू करने का करार भी शामिल है।

भारत और इजराइल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे के तहत सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में काम करके अपनी पहले से ही घनिष्ठ रक्षा साझेदारी का विस्तार करने का भी संकल्प लिया। साथ ही भारत और इजराइल ने आपसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा शांति पहल का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि मानवता को कभी संघर्ष का शिकार नहीं बनना चाहिए। मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि भारत का सुरक्षा हित पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से जुड़ा है।

यरुशलम में प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू की मौजूदगी में किए गए समझौतों पर हस्ताक्षर।

उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की भी घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई, क्वांटम तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की स्थापना की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इजराइल में यूपीआई के उपयोग के लिए एक समझौता हो गया है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा हुई।

मोदी की झप्पी पूरी दुनिया में अब मशहूर: नेतन्याहू

इजराइली संसद नेसेट में अपने भाषण में नेतन्याहू ने 'मोदी झप्पी' शब्द का प्रयोग किया। नेतन्याहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत रूप से गले मिलना कुछ खास है और इसे पूरी दुनिया में अब 'मोदी झप्पी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जब आप किसी को इतने करीब से गले लगाते हैं तो पता चलता है कि यह वास्तविक है। नेसेट में जोरदार तालियों के बीच नेतन्याहू ने कहा कि वह यह 'झप्पी' वापस लौटाना चाहते हैं।

भारत रवाना हुए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा समाप्त करने के बाद बृहस्पतिवार को भारत के लिए रवाना हो गए। इससे मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत-इजराइल साझेदारी आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूती रहेगी।

रणनीतिक साझेदारी का नया इतिहास रचेंगे यूपी-जापान

- यामानाशी के गवर्नर का 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी दौरे का प्रस्ताव
- ग्रीन हाइड्रोजन, उद्योग व तकनीक पर एमओयू को सीएम योगी ने बताया ऐतिहासिक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने अगस्त में 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करने का प्रस्ताव दिया, जिसका मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। इसे प्रदेश में निवेश, तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक विस्तार की दिशा में बड़ा संकेत माना जा रहा है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन, व्यावसायिक शिक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे भावी क्षेत्रों में सहयोग को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें स्वच्छ ऊर्जा नवाचार, तकनीकी आदान-प्रदान और मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया, आईआईटी कानपुर को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल न केवल राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के राष्ट्रीय लक्ष्य को भी मजबूती देगी।

योगी ने यामानाशी में फैनुक कॉर्पोरेशन का दौरा किया।

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का आधार

मुख्यमंत्री ने यामानाशी स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने पावर-टू-गैस प्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

उत्तर प्रदेश में निवेश का निमंत्रण

यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और सीखी गई तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज स्केल, स्किल और स्पीड के विकास मॉडल पर आगे बढ़ रहा है।

अनिल अंबानी से ईडी ने की नौ घंटे पूछताछ, सीबीआई ने ठोंका नया केस

नई दिल्ली। बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी बृहस्पतिवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। उनसे नौ घंटे पूछताछ के साथ उनका बयान दर्ज किया गया। इस बीच सीबीआई ने अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित धोखाधड़ी कर बैंक को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में नया मामला दर्ज किया है।

ईडी ने पूछताछ के लिए अंबानी को शुक्रवार को भी तलब किया है। यह जांच उनकी कंपनी आरकॉम द्वारा 40,000 करोड़ की बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। उधर, सीबीआई ने नया मामला दर्ज कर अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी कर ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए। सीबीआई के प्रवक्ता के मुताबिक यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत पर दर्ज किया गया है।

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने की थी सीबीआई से 2,220 करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत

घृणास्पद भाषण : असम के मुख्यमंत्री को गुवाहाटी हाईकोर्ट का नोटिस

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को कई जनहित याचिकाओं के संबंध में नोटिस जारी किया, जिनमें उन पर मियां समुदाय के खिलाफ घृणास्पद भाषण देने और सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने तीन याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता शांतनु बोरठाकुर ने बताया, प्रतिवादी को अगली तारीख से पहले नोटिस का जवाब देना होगा। कोर्ट ने कोई अन्य आदेश जारी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को शर्मा के खिलाफ कार्रवाई संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया था। इन याचिकाओं में उस वायरल वीडियो को लेकर कार्रवाई का आग्रह किया गया था, जिसमें शर्मा एक विशेष समुदाय के सदस्यों पर राइफल से निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखे थे।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर हमला 15 चौकियों पर कब्जे का किया दावा

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने गुरुवार रात डूरंड लाइन के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रामक अभियान शुरू करने की घोषणा की है। तालिबान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पुष्टि की कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की ओर से हाल ही में अफगान क्षेत्र में बार-बार हवाई हमलों और उकसावे के जवाब में की गई है।

- पाकिस्तान के हवाई हमलों के जवाब में कार्रवाई, सीमा पर भीषण जंग

अफगान रक्षा मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान की 15 अग्रिम चौकियों पर कब्जा कर लिया है। पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और पक्तिया में भारी संघर्ष की खबरें हैं। फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को मारने और कुछ को बंदी बनाने का भी दावा किया है। अफगान पक्ष ने इस अभियान में लेजर-गाइडेड सिस्टम से लैस विशेष इकाइयों का उपयोग करने की बात कही है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन हमलों को बिना उकसावे की फायरिंग करार दिया है और कहा है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी इलाकों में दो घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलाबारी जारी रही। यह संघर्ष 22 फरवरी को पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के नंगरहार और पक्तिका प्रांतों में की गई एयरस्ट्राइक के बाद भड़का है।

'द केरल स्टोरी 2' पर रिलीज से एक दिन पहले लगी अंतरिम रोक

कोच्चि, एजेंसी

केरल हाईकोर्ट ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। न्यायमूर्ति बी. कुरियन थॉमस ने फिल्म के प्रदर्शन को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने यह सुनिश्चित नहीं किया कि फिल्म सामाजिक सद्भाव को भंग न करे। हाईकोर्ट ने कहा, सीबीएफसी की ओर से प्रमाणन प्रदान करते समय कानून की स्पष्ट अवहेलना हुई है, अदालत ने कहा कि ऐसी सामग्री का प्रसार, जिसमें वैमनस्य उत्पन्न करने, कानून-व्यवस्था भंग करने और यहां तक कि सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति हो, संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में निहित वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आता है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता श्रीदेव नंबूदरी की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर दो सप्ताह के भीतर विचार कर आदेश पारित करे।

- केरल हाईकोर्ट ने कहा- फिल्म सामाजिक सद्भाव भंग न करे, ये कोशिश नहीं की गई

बड़ी राहत

डीजीसीए ने किया नियमों में संशोधन, एयरलाइन कंपनियों को 14 दिन के अंदर रिफंड करने का निर्देश

हवाई टिकट बुकिंग 48 घंटे में रद्द करने पर पूरा पैसा वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकेंगे या उसमें बदलाव कर सकेंगे। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने कुछ शर्तों के साथ टिकट किराया वापसी के नियमों में संशोधन किया है। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।

डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। डीजीसीए ने साफ किया है कि ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में भी पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। इसके अलावा, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण यात्रियों के टिकट रद्द करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। नियामक ने कहा, 48 घंटे के अंदर यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके किराये में जो अंतर है, वह देना होगा।

समय पर रिफंड न मिलने की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए ये संशोधन किए गए हैं। अनुसूचित विमानन कंपनियों को दिसंबर 2025 में यात्रियों से संबंधित कुल 29,212 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7.5 प्रतिशत रिफंड से संबंधित थीं।

घरेलू उड़ानों में 7, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में 15 दिन से कम समय होने पर राहत नहीं

डीजीसीए ने कहा, जब टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया जाता है, यह सुविधा उन उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं होगी जिनकी प्रस्थान तिथि घरेलू उड़ानों के मामलों में बुकिंग की तारीख से सात दिन से कम और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन से कम है। बुकिंग समय के 48 घंटे बाद यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा और यात्री को संशोधन के लिए टिकट रद्द कराने को लेकर संबंधित शुल्क का भुगतान करना होगा।

चिकित्सा आपात स्थिति में भी कंपनियां करेंगी पैसा वापस या देना होगा क्रेडिट का विकल्प

चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द होने पर कंपनी पैसा लौटा सकती है या 'क्रेडिट' विकल्प दे सकती हैं। यदि यात्री या उसी पीएनआर में सूचीबद्ध कोई सदस्य यात्रा के दौरान अस्पताल में भर्ती होता है तो यह नियम लागू होगा। अन्य परिस्थितियों में यात्री की फिटनेस का प्रमाण पत्र एयरलाइन के एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ/डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ से प्राप्त होने के बाद पैसे वापस किए जाएंगे।

इफ्तार
शुक्रवार
सुन्नी : 6:13
शिया : 6:22

सहरी
शनिवार
सुन्नी : 5:13
शिया : 5:05

पूर्णागिरि जनशताब्दी एक्सप्रेस का मझोला में ठहराव

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने दिखाई हरी झंडी, रेलवे स्टेशन पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, मांग पूरी होने से उत्सव सा माहौल

संवाददाता, पीलीभीत/मझोला

अमृत विचार: उत्तराखंड से सटे कस्बा मझोला (पकड़िया मझोला) के लोगों को रेल यात्रा के लिए सुविधा मिल गई। पूर्णागिरि जनशताब्दी एक्सप्रेस का मझोला रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना कराया।

बता दें कि पिछले काफी समय से क्षेत्रवासियों की ओर से पूर्णागिरि जनशताब्दी एक्सप्रेस का रेलवे स्टेशन पकड़िया मझोला में ठहराव कराने की मांग की जा रही थी। नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा के अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने इसके लिए केंद्रीय राज्यमंत्री को पत्र दिया था। उनके निर्देशानुसार रेल मंत्री से भी मुलाकात की थी। इधर, केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रयास ने इसके लिए प्रयास किए और इसके लिए अधिकारिक मंजूरी मिल गई थी। इसे लेकर गुरुवार को मझोला रेलवे स्टेशन पर समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री पहुंचे। इसकी कई दिनों से तैयारियां चल रही थी। स्थानीय नागरिक, रेलवे के अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को आगे गंतव्य के लिए रवाना कराया। उन्होंने कहा कि पूर्णागिरि एक्सप्रेस के इस ठहराव के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे और रेल मंत्रालय के सहयोग से यह संभव हो सका। इस ट्रेन का ठहराव होने से विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों के साथ ही तीर्थ यात्रियों को सीधा लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम में पहुंची स्कूली छात्राओं से भी केंद्रीय राज्यमंत्री ने संवाद किया। छात्राओं ने उन्हें स्मृति चिह्न भी भेंट किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा के चेयरमैन निशांत प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय गंगवार, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, भाजपा जिला मंत्री आयुष मिश्रा, समाजसेवी रामानंद सिंह, दीपक अग्रवाल, दिनेश पटेल, देव स्वरूप पटेल, शांति स्वरूप सोनकर आदि मौजूद रहे। इधर, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल की अगुवाई में जमा हुए क्षेत्रवासियों ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद का ढोल नगाड़ों के बीच स्वागत किया और उन्हें राधा कृष्ण का चित्र भेंट किया गया।

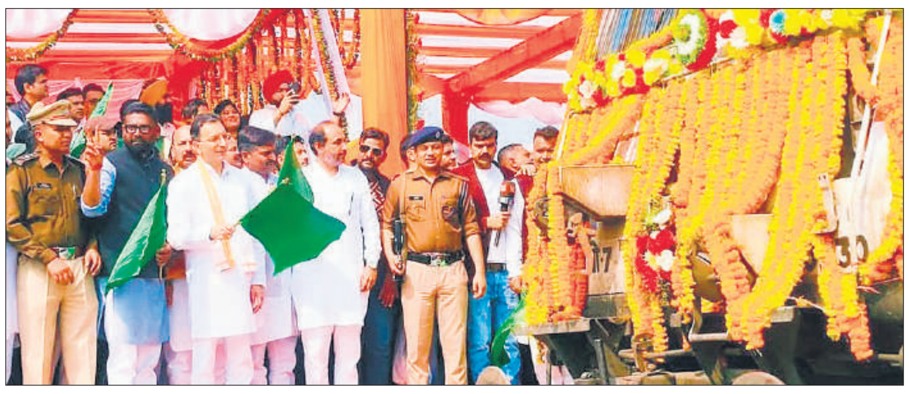

मझोला रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कराते केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद। ● अमृत विचार

5.09 करोड़ से तैयार होगी रेलमार्ग दोहरीकरण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के सहयोग से मैलानी-पीलीभीत-पूरनपुर-बरेली रेल मार्ग के दोहरीकरण की भी स्वीकृति रेल मंत्रालय द्वारा कर दी गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने के लिए 5 .09 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी दी गई है।

ट्रेन में चार और डी कोच लगाने के लिए प्रयास

इस ट्रेन में आठ डी कोच लगे हुए हैं और यात्रियों की संख्या अधिक होने के चलते अतिरिक्त चार डी कोच लगवाने के लिए पत्र रेल मंत्रालय को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की ओर से लिखा गया है। कहा कि जल्द ही कोच की संख्या बढ़ने से यात्रा और सुगम हो सकेगी।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं से वार्ता करते केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद। ● अमृत विचार

शमशान भूमि पर कब्जा, तहसीलदार से शिकायत

बीसलपुर, अमृत विचार: बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव दौलतपुर हीरा में शमशान भूमि है। जिसमें शवदाह ग्रह बना है। ग्रामीणों ने तहसीलदार को शिकायती पत्र देकर बताया कि कई दशकों से वह इसी जगह पर अंतिम संस्कार करते चले आ रहे हैं। गांव अहिरवाड़ा के मजरा दोहा के कुछ लोगों ने इस जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। कब्जा करने से रोका तो आरोपी झगड़ा करने लगे। सूचना पर यूपी 112 पुलिस पहुंची और दोनों तरफ से एक-एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। इसके बाद वह एकत्र होकर विधायक विवेक वर्मा के आवास पर पहुंचे, विधायक के न मिलने पर फोन पर वार्ता की। इसके बाद विधायक ने एसडीएम नागेंद्र पांडे से वार्ता की। ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर शिकायती पत्र सौंपा। गांव के रामविलास, मुनेश, राहुल, मनोज, योगेंद्र, भानु प्रताप, हरिओम , वीरेश, करन, गीता देवी, बिट्टो, अनीता देवी, महादेवा, मालती, रामबेटी, नन्ही देवी, उर्मिला देवी, मानती देवी, महिपाल, मुन्नालाल, सुबोध, ओम प्रकाश, विकास, बबलू, जगपाल, वीरेश पाल आदि ग्रामीण थे। उधर दूसरे पक्ष पुष्पा देवी पत्नी राजेश पाल सिंह का कहना है कि उनके पास इस नंबर का बैनामा है उन्होंने जमीन को खरीदा था।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों ने चलाया मेरा गांव मेरा तीर्थ अभियान

गजरौला, अमृत विचार: चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के बच्चों ने देवीपुरा गांव में जागरूकता अभियान चलाया। ग्रामीणों को मेरा गांव-मेरा तीर्थ अभियान के महत्व से अवगत कराया। अभियान का उद्देश्य गांव को केवल निवास स्थान न मानकर उसे एक पवित्र तीर्थस्थल की तरह सम्मान देना, संवारना और विकसित करना है। बच्चों द्वारा नशा मुक्ति पर एक नाटक प्रस्तुत कर नशे से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया। अध्यक्षता हरिओम गंगवार ने की। संयोजक प्रशांत सक्सेना, सहसंयोजक रवि प्रताप, एनसीसी कमांडेंट तनु अग्निहोत्री घोष, सुरेंद्र कुमार, वीरेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार, राजेश कुमार, विवेक, विनोद कुमार, अरविन्द कुमार आदि मौजूद रहे।

कपड़ा व्यवसायी का निधन, शोक

बिलसंडा, अमृत विचार : कपड़ा व्यवसायी कुलदीप गुप्ता का बुधवार रात निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर नगर पंचायत चेयरमैन डीके गुप्ता, डॉ. मनमीत गुप्ता, शिवसरन गुप्ता, राजेश गुप्ता, सतीश गुप्ता, रजत सागर, पवन शर्मा, जितेंद्र दुबे, सुशील शर्मा, विकास गुप्ता आदि ने परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

एसआईआर में बीएलओ का करें सहयोग

अमरिया, अमृत विचार : ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, बीडीओ दिनेश सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में एसआईआर नोटिस को लेकर आ रही समस्याओं पर चर्चा हुई। फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। बीडीओ ने बताया कि एसआईआर फॉर्म में नाम, पता और अन्य विवरण में त्रुटियों के कारण नोटिस जारी हो रहे हैं। उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ त्रुटियों के संशोधन की प्रक्रिया समझाई, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से वंचित न रह जाए। बैठक में बीएलओ का पूर्ण सहयोग करने के निर्देश भी दिए गए।

विज्ञान दिवस पर बच्चों ने वैज्ञानिकों के बारे में जाना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समाधान आईपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान के प्रति उत्साह और उमंग जागृत करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कक्षा एक से पांच तक के बच्चे शामिल हुए। 25 वैज्ञानिकों के चित्र संकलन किए।

कार्यक्रम में स्प्रिंगडेल कॉलेज, स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल, लॉर्ड कृष्णा स्कूल, गोस्वामी मांस प्राइड स्कूल, कंपोजिट विद्यालय नखासा, कंपोजिट विद्यालय अशरफ खां, मदरसा फलाहे आम, लाइंस बाल विद्या मंदिर, सुरेश शुक्ला मेमोरियल स्कूल, मदर ग्रेस पब्लिक स्कूल, उच्च प्राथमिक विद्यालय बरहा, बृजवासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रोजी फ्लावर स्कूल, जेएमबी किड्स, अवध पब्लिक स्कूल, रानी अवंती बाई जूनियर हाईस्कूल आदि से दो-दो प्रतिभागियों ने भाग लिया। बच्चों ने वैज्ञानिकों को जाना व पहचाना। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर शुभम शर्मा, शुभम, सोनिया गोस्वामी, सोमेश शर्मा, अमित शर्मा, यामिनी मिश्रा सनी दीक्षित, गीता देवी आदि का योगदान रहा।

वैज्ञानिकों के चित्र संकलन कर दिखाते बच्चे।

बच्चों को सशक्त और जागरूक नागरिक बनने को किया प्रेरित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर के एनएसएस शिविर छठे दिन स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया गया। प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उन्नति नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है। कौशल विकास के लिए युवा की थीम के तहत ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सशक्त और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। जागरुकता रैली भी निकाली गई।

मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनीता सैनी ने किशोरियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों, पोषण की आवश्यकता, स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम, ल्यूकोरिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। कहा कि सही जानकारी, संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच से किशोरियों के स्वास्थ्य संबंधी अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है। सड़क सुरक्षा विषय पर गोष्ठी भी हुई। मुख्य वक्ता यातायात पुलिस से प्रदीप सिंह रहे। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशे में वाहन न चलाने और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.मृदुला शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषय आज की आवश्यकता हैं। स्वास्थ्य एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर डॉ.अनिंका दीक्षित, शाहिद खान, डॉ.अंशिका शर्मा, डॉ.राजिया शकील, आराध्या, खुशबू, , सोनी प्रजापति, शिवानी, अनुष्का आदि मौजूद रहे।

जागरुकता रैली में शामिल गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य व अन्य।

शिविर में मौजूद विद्यार्थी। ● अमृत विचार

छठे दिन हुआ जन जागरूकता कार्यक्रम

बिलसंडा, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर में छठे दिन जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ. दिनेश चंद्रा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पण करके कराई। बौद्धिक सत्र में प्रोफेसर अनुजा अग्रवाल ने स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं को महिला सशक्तिकरण विषय पर जानकारी देकर प्रेरित किया। इस मौके पर डॉ. दिनेश कुमार, नरेंद्र कुमार बत्रा, डॉ. सतेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

छठे दिन स्वयंसेवकों ने किया पौधरोपण

- स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठे दिन पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने पौधरोपण किया।

प्राचार्य डॉ.इलयास अहमद ने स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए पेड़-पौधों का महत्व समझाया। बताया कि धरा की खूबसूरती को बनाये रखने में वन संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है। पेड़-पौधों से ही ऑक्सीजन मिलती है, जिससे जीवन संभव हो पाता है। पौधरोपण में सभी स्वयंसेवकों ने अपना योगदान देकर महाविद्यालय परिसर व आस-पास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाया। को-ऑर्डिनेटर राजपाल ने संदेश दिया कि एक पेड़ काटो तो उसके स्थान पर दो नये पेड़ लगाओ। इस मौके पर आकाश वर्मा, अयान, साहिल, सैमून फातिमा, मानसी अरोरा, यशपाल, निगार, अनस, तुषार, सत्यम कुमार, लव, ज़रनैन, अंजुम, कृतिका, दिव्यांशी, अनुष्का, सहरनुमा, प्रमोद भारती, अर्श, तारिक, हदीका ऐमन, पलक शर्मा, साक्षी, अंकिता, जैसमिन आदि मौजूद रहे।

शिविर के तहत पौधरोपण करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

शैक्षिक भ्रमण के दौरान दी गईं जानकारियां

पीलीभीत, अमृत विचार: पूरनपुर ब्लाक के पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय खासपुर के छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के द्वितीय चरण में अकाल अकादमी गोमती पुल ले जाया गया।

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं खुश नजर आए। आग बुझाने के तरीके समेत विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। फरहान अहमद, अंकुर सिंह, हरजिंदर कौर, नागेंद्र शर्मा, अमर सिंह अकाल अकादमी की तरफ से भ्रमण प्रोग्राम में कंपोजिट विद्यालय खासपुर के स्कूली बच्चों के साथ रहे। शिक्षिका पूनम रावत, अनुदेशक विनोद कुमार समेत अन्य स्टाफ ने अकाल अकादमी की हरजिंदर कौर और उनके समस्त स्टाफ का आभार जताया। प्रधानाध्यापक श्रीकृष्ण ने बताया कि स्कूल लगातार अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है।

आग बुझाने का तरीका जानते बच्चे। ● अमृत विचार

रोटरी क्लब ने होली उत्सव में मचाई धूम

होली कार्यक्रम में रोटरी क्लब पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के एक होटल में रोटरी क्लब ने होली उत्सव का आयोजन किया। पुरुष सदस्यों का गुलाल लगाकर और महिलाओं का गजरा लगाकर स्वागत किया गया।

ढोल की थाप के बीच होली उत्सव में रैपिड फायर, फिल्मी गीतों की पहचान , रंग बिरंगी हाऊजी, फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता, शालिनी गुप्ता, सदस्य अंशुल अग्रवाल , कोमल अग्रवाल, उमेश गुप्ता , पूनम गुप्ता, रचित अग्रवाल, रेनू अग्रवाल , रचित अग्रवाल, शीतल अग्रवाल आदि ने गेम्स और डांस कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना, डॉ. अनुरीता सक्सेना, कपिश अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल ने मिष्ठान वितरण किया। इस मौके पर डॉ.एसपीएस संधू, हरमेश संधू , डॉ. एसके अग्रवाल , डॉ. भारत कंचन, डॉ. आस्था कंचन, डॉ.पीएन सक्सेना, डॉ.ममता सक्सेना , डॉ.राकेश गुप्ता, मलिक मित्तल , गौरव अरोड़ा, राकेश अग्रवाल, विश्वनाथ चंद्रा, अनिल अग्रवाल, डॉ. राहुल शर्मा , संदीप पुरी , राजीव मल्होत्रा , नीना, राजीव अग्रवाल, रितु अग्रवाल , सरदार सिंह चावला, राजेंद्र सिंह छाबड़ा , डॉ. प्रांजल अग्रवाल, डॉ.नेहा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

साइबर सुरक्षा और महिला सम्मान की दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: रामलुभाई साहनी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराध से बचाव, महिला अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य अतिथि महिला थाना से दरोगा रीता कुमारी, संगीता शर्मा, ज्योति, महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन मैनेजर रीना पांडे रहे। रीता कुमारी ने महिला सुरक्षा से संबंधित कानून, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताए। जेंडर स्पेशलिस्ट जय श्री सिंह ने जेंडर समानता, डिजिटल जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार ने कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. फजलुर रहमान ने छात्राओं को तकनीक का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बरखा ने आभार जताया। छात्राओं को शपथ भीदिलाई गई।

छात्राओं को जागरूक करती महिला दरोगा रीता कुमारी।

लघु नाटिका के जरिए बताया सड़क सुरक्षा का महत्व

पीलीभीत, अमृत विचार: डिवाइन कालेज में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लघु नाटिका का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों व जनमानस को सड़क दुर्घटनाओं, यातायात नियमों के लिए जागरूक करना रहए।

सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी डॉ.हरचरन लाल के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अमित, विशाल, उपासना, खुशबू, राम सिंह, हेमंत, कविता, रतनप्रभा, प्रिया सिंह, शिवांगी वर्मा, मानसी कश्यप, अंजली, दीपा, दीपिका रावत, चित्रा तिवारी आदि ने प्रतिभाग किया।

यातायात नियमों का महत्व बताया और लोगों को जागरुक किया। प्राचार्य डॉ.नीरज कुमार जायसवाल ने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राहत पावर कॉरपोरेशन की ओर से कराए गए सर्वे में अछूते मिले गांव, नहीं है लाइन

बिजली की मूलभूत सुविधा से वंचित 117 गांव होंगे रोशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- संबंधित गांवों के 713 लोगों ने कनेक्शन के लिए किया आवेदन, अब होगा काम
- ग्रामीणों को उम्मीद बंधी अब बिजली आने से मिलेगी सभी सहूलियतें

अमृत विचार : वर्षों से अंधेरे में जीवन गुजार रहे गांवों के लिए अब रोशनी की नई सुबह आने वाली है। जिले के ऐसे 117 गांव, जहां आज तक बिजली की मूलभूत सुविधा नहीं पहुंच सकी थी, अब जल्द ही जगमगाएंगे। पावर कॉरपोरेशन की ओर से कराए गए व्यापक सर्वे में इन गांवों के बिजली लाइन से पूरी तरह अछूते होने की पुष्टि हुई है। सर्वे के बाद आगे बढ़ी प्रक्रिया में 713 ग्रामीणों ने बिजली की लाइन आने के बाद कनेक्शन लेने की बात कही है। सर्वे पूरा होने के बाद विभाग की ओर से जल्द ही धरातल पर काम शुरू कराया जाएगा।

बता दें कि जिले में तीन डिवीजन है। जिसमें शहर, बीसलपुर और पूरनपुर शामिल है। यहां 36 सब स्टेशन बने हुए हैं। जहां से पूरे जिले में बिजली सप्लाई की जा रही है। जिले में 161617 उपभोक्ता है, जहां बिजली की सप्लाई दी जाती है। सौभाग्य योजना के तहत बिजली के निःशुल्क कनेक्शन कर भले ही घर-घर बिजली पहुंचाने का दावा किया हो, मगर जिले के अभी भी कई गांवों में बिजली नहीं है। ऐसे में बिजली न होने की वजह से शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। कलीनगर तहसील क्षेत्र के जंगल से सटे गांव सेल्हा, मूसेपुर, बाग मझारा, सातझाल और रामकोट आज तक बिजली से वंचित हैं। इन गांवों के ग्रामीण अभी भी बिजली को तरस रहे हैं। इनमें अधिकतर शारदा पार के इलाके हैं। इन पांचों की कुल आबादी 1200 है। मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर यहां के लोग पहले शारदा और जंगल के बीच में बसे हुए हैं। ऐसा ही हाल पावर कारपोरेशन की सर्वे रिपोर्ट में आया है। पूरे जिले के 117 गांवों में बिजली से महरुम है। कई बार ग्रामीण कनेक्शन के लिए आगे आते है, तो गांवों में बिजली के पोल तक नहीं है। इस समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से सर्वे कराया गया। सर्वे में ऐसे 117 गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां अब तक बिजली की लाइन ही नहीं पहुंच सकी थी। इन गांवों के लोग वर्षों से लालटेन, ढिबरी और वैकल्पिक साधनों के सहारे जीवन यापन करने को मजबूर थे। रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक सर्वे में पीलीभीत डिवीजन में 59, बीसलपुर में 38 और पूरनपुर में 20 इलाके ऐसे पाए गए हैं। सर्वे में सामने आया कि अधिकतर इलाकों में एनओसी बाधा बनी, तो कहीं जिम्मेदार सक्रिय नहीं रहे। अब शासन के निर्देश पर जिम्मेदारों ने गांवों में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत 713 ग्रामीणों ने घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किए हैं। योजना के तहत पहले चरण में इन गांवों तक विद्युत लाइन बिछाने, पोल लगाने और ट्रांसफार्मर स्थापित करने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद पात्र आवेदकों को कनेक्शन दिए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि काम को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जल्द से जल्द गांवों में रोशनी पहुंच सके। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली आने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कामकाज, कृषि कार्य और छोटे-छोटे रोजगारों को नई गति मिलेगी। साधनों के विस्तार से गांवों की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

> विभाग की ओर से जिले में ऐसे गांवों को सर्वे कराकर चिन्हित किया गया है। जहां बिजली की लाइन नहीं है मगर आबादी बसी हुई है। ऐसे में शासन के निर्देश पर इन गांवों में बिजली मुहैया कराने की तैयारी की गई है। सर्वे में 117 गांव चिन्हित किए गए हैं। जहां बिजली आपूर्ति दी जाएगी। **-भविष्य कुमार सक्सेना**, अधीक्षण अभियंता

जिले में आज

- गांधी स्टेडियम में भारत नेपाल मैत्री महोत्सव दोपहर 03 बजे से।
- बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम बेहटा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।
- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- बिलगवां गांव में एनएसएस शिविर के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 11 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

पति समेत छह पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव जिरौनिया की निवासी रेखा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी आठ मई 2022 को कस्बा जहानाबाद के मोहल्ला पुरैना निवासी योगेश कुमार गौड़ उर्फ योगी पुत्र विनोद कुमार से हुई थी। पति, ससुर, सास उर्मिला देवी, देवर अमन गौड़, इज्जतनगर बरेली के हवाई अड्डे के पास के रहने वाले नंदोई दीपक पाठक, ननद सोनम पाठक अतिरिक्त दहेज में दस लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करने लगे। 20 जून 2024 को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत छह के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके तीन बच्चे हैं। वह अपने पति एवं बच्चों के साथ सिडकुल हरिद्वार में प्राइवेट कंपनी में वहीं रहकर मजदूरी करते हैं। सभी बच्चे साथ में ही रहते हैं। वहीं से उसकी 19 वर्षीय पुत्री को आठ दिसंबर 2025 को गांव उमरिया निवासी मनोज बहला फुसलाकर ले गया। वह एवं उसके पति थाना सिडकुल जाते रहे लेकिन पुलिस टालमटोल करती रही। घटना की सूचना सिडकुल पुलिस द्वारा दर्ज नहीं की। उमरिया आए तो आरोपी ने अभद्रता की।

कच्ची शराब के चार धंधेबाज गिरफ्तार

घुंघचिहाई, अमृत विचार : अवैध शराब के धंधेबाजों पर शिकंजा कसने के अभियान में छापामारी की गई। घुंघचिहाई और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम मटैना पहुंचकर ड्रोन से पड़ताल की। इसके बाद छापामारी कर चार आरोपी गांव के ही मंसाराम पुत्र प्रभुदयाल, राधेश्याम पुत्र रामचरन, राजेंद्र कुमार पुत्र नंदलाल और अन्नपूर्णा पत्नी देवेश को गिरफ्तार किया। उनके पास से 71 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। 200 ग्राम लहन नष्ट कराया गया।

रसूखदारों की कॉलोनियों में आते ही थमा बुलडोजर

सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में डीएम के निर्देश पर शुरू किया गया था अतिक्रमण हटाओ अभियान, अचानक कैसे हुआ बंद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

माधोटांडा रोडपर नए बाईसपास के पास विकसित की जा रही कॉलोनी।

अमृत विचारः नियम ताक पर रखकर अवैध तरीके से कॉलोनियों को विकसित करने वाले कॉलोनाइजर्स पर शिकंजा कसने की सख्त दावों के साथ शुरू की गई मुहिम पस्त पड़ चुकी है। दर्जनभर से अधिक कॉलोनियों को चिन्हित करने का दावा करते हुए शुरू किए गए अभियान में दो स्थानों पर छिटपुट निर्माण को ढहाया गया और फिर कुछ में राजनीतिक दबाव पड़ने पर बैकफुट पर आना पड़ा। नतीजतन अब पखवाड़ा भर का समय होने को हैं, लेकिन न तो कहीं अफसर झांकने पहुंचे न ही बुल्डोजर की गरज सुनाई दी।

बता दें कि पिछले कुछ समय में तेजी से कॉलोनियों का मकड़जाल फैलता जा रहा है। कुछ सालों में ही कई अवैध कॉलोनियों बना दी गई। शहर से सटे ग्रामीण इलाकों में गैरपंजीकृत कॉलोनाइजर किसानों से सस्ते दामों में जमीन खरीद कर उसमें प्लाटिंग कर महंगे दामों में बेचने जुट गए। अवैध कॉलोनियों के इस गोरखधंधे में सफेदपोश से लेकर रसूखदार तक शामिल बताए जाते हैं। बताते हैं कि इसी गठजोड़ से यह अवैध धंधा तेजी से पनपता चला गया। हालांकि अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान भी बीते सालों में चलाए गए लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अधिकांश में प्रशासनिक स्तर से नोटिसबाजी तक कार्रवाइयां सीमित रहीं। माधोटांडा रोड पर ही कुछ दिनों में कई कॉलोनियां बना दी गई है। बाईपास के किनारे ही कॉलोनियां स्थापित की जा रही है। जिनके वैध और अवैध होने पर सवाल बरकरार है। बीते दिनों डीएम के निर्देश पर अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा कसने के लिए अभियान शुरू किया गया। इसमें दर्जनभर से अधिक ऐसी कॉलोनियां चिन्हित की गई थी, जिनको बिना नक्शा पास कराए स्थापित कराया जा रहा था। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर की अगुवाई में शुरुआत हुई। हालांकि पहले ही दिन आधी-अधूरी तैयारियां संशय बना गई थी। पहले तो नगर पालिका की जेसीबी नहीं पहुंची। इसके बाद माधोटांडा रोड पर चिड़ियादाह गांव के पास दो स्थानों पर 10 फरवरी को पुराने छिटपुट निर्माण को ढहाया गया। आसपास की रसूखदारों की कॉलोनियों की तरफ निगाह भी नहीं डाली गई। इसके बाद 13 फरवरी को टीम को माधोटांडा रोड पर बाईपास के पास बन रही कॉलोनियों की तरफ जाना था लेकिन अचानक प्लानिंग बदली और पिंक सिटी के पीछे की तरफ एक अवैध कॉलोनी में छिटपुट निर्माण किराए पर जेसीबी मंगाकर ध्वस्त करा दिया गया। इसी के पास एक अवैध कॉलोनी की तरफ पहुंचने पर बताते हैं कि किसी की कॉल आ गई थी और टीम को बैकफुट पर आना पड़ा था। फिर अब तेरह दिन से अधिक समय बीत चुका है। इस दौरान कहीं पर भी एक ईट नहीं तोड़ी गई है। ऐसे में सख्ती के दावों पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। बकाया कॉलोनियां रसूखदारों के संरक्षण में बताई जाती है। अब पस्त पड़ी मुहिम के पीछे इसी को वजह माना जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर का कहना है कि बिना नक्शा पास कराए बनाई जा रही कॉलोनियों को लेकर अभियान शुरू किया गया है। पूर्व में कार्रवाईयां की भी गई है। अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है, जल्द शेष चिन्हित कॉलोनियों पर कार्रवाई की जाएगी।

- **दो स्थानों पर छिटपुट कार्रवाई, अन्य में घनघनाए कॉल..और पस्त पड़ी मुहिम**

अवैध कॉलोनी में पानी की पाइप लाइन, जांच फिर भी नहीं

तेरह फरवरी को सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में टीम ने पहुंचकर पिंक सिटी के पीछे की तरफ एक अवैध कॉलोनी में किए गए निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त कराया था। इस दौरान सामने आया था कि अवैध कॉलोनी में पानी की पाइप लाइन तक डाली गई थी। सिटी मजिस्ट्रेट भी इसे देख हैरान रह गए थे। उस वक्त ये आशंका जताई गई थी कि ये सरकारी विभाग की ओर से डाली गई होगी। ऐसे में साठगांठ की ओर भी इशारा हुआ। मगर जांच फिर भी इस बिंदु पर नहीं कराई जा सकी है, न ही तस्वीर पूरी तरह से साफ हो सकी। माधोटांडा रोड पर नए बाईपास के पास नियम विरुद्ध तरीके से विकसित कॉलोनियों पर विशेष फोकस किया गया था। इसके अलावा बाईपास को हरा-भरा रखने के लिए मार्ग के दोनों ओर 30-30 मीटर का दायरा ग्रीन जोन घोषित किया जा चुका है। इसे लेकर भी सिर्फ नोटिस जारी हुए थे। बताते हैं कि इस दायरे में भी कई निर्माण हो गए थे। इन पर भी सख्त चेतावनी देते हुए नोटिस तो दे दिए गए लेकिन इसके बाद कार्रवाई यहां पर भी पस्त रही। इसके अलावा शहर के बाहर की तरफ कई अन्य स्थानों पर भी तेजी से नियम ताक पर रखकर कॉलोनियां स्थापित कराने का खेल जारी है।

चचेरा भाई बन जालसाजों ने महिला से ठगे 51 हजार

पीलीभीत, अमृत विचार : एक जालसाज ने महिला का चचेरा भाई बनकर 51 हजार रुपये की ठगी कर ली। सुनगढ़ी क्षेत्र के कांशीराम कॉलोनी निवासी पुष्पा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 फरवरी को उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। इसमें कॉलर ने खुद को उनका चचेरा भाई रवि बताया जो विदेश में काम करता है। विश्वास में लेकर आरोपी ने कहा कि वह उनके लिए कीमती गिफ्ट और विदेशी मुद्रा लेकर भारत आ रहा है। अगले ही दिन ठग ने दोबारा फोन कर बताया कि उसे मुंबई एयरपोर्ट पर सीबीआई ने पकड़ लिया है और यदि टैक्स के रूप में मोटी रकम नहीं दी गई तो उसे और पुष्पा देवी दोनों को जेल भेज दिया जाएगा। डर के कारण उसने अलग-अलग किस्तों में स्कैनर कोड के माध्यम से कुल 51 हजार रुपये भेज दिए। इसमें जितेंद्र और कविता फकीर गेटकर के नाम के खाते शामिल थे। उसने बताया कि आरोपी अब भी पुलिस कार्रवाई का भय दिखाकर लगातार और रुपयों की मांग कर रहे हैं इससे उनका पूरा परिवार दहशत में है।

भाकियू ने सदर तहसील में धरना देकर की नारेबाजी, सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सदर तहसील में किसानों के उत्पीड़न के विरोध में धरना देते भाकियू कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः राजस्व प्रशासन पर किसानों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने सदर तहसील में धरना देकर नारेबाजी की। धरना स्थल पर हुई सभा में आरोप लगाया कि तहसीलदार -लेखपाल मिलकर किसानों का उत्पीड़न कर रहे हैं। दोपहर बाद एसडीएम सदर को ज्ञापन दिया। एसडीएम के आश्वासन पर धरना समाप्त कर दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ता गुरुवार को सदर तहसील पहुंचे। जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने किसानों के उत्पीड़न के विरोध में नारेबाजी कर धरना शुरू कर दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तहसील सदर में तहसीलदार व लेखपालों द्वारा किसानों को गुमराह कर प्रताड़ित किया जा रहा है। जिस कारण किसानों की जमीन के दाखिल खारिज, विरासत, जमीनों की पैमाइश और पट्टाधारकों को कब्जा नहीं मिल पा रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर दोपहर बाद एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह धरना स्थल पर पहुंची। जिलाध्यक्ष की अगुवाई में नौ सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें नौगवा पकड़िया में मोहम्मद जिलानी व मिराजुल हक का तत्काल दाखिल खारिज कराने, किसान राजवीर सिंह शर्मा के मामले में कानूनगो मान सिंह के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए टीम बनाकर जमीन की पैमाइश कराने, सदर तहसील क्षेत्र में छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गोशाला भिजवाने, किसानों के तीन वर्ष के लंबित मुकदमों को निस्तारण करने, तीन साल से जमे कर्मचारियों का दूसरी तहसील में स्थानांतरण कराने, विरासत व दाखिल खारिज के नाम पर की जा रही अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में समस्याओं का समाधान न होने पर अनश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी। एसडीएम सदर ने किसान नेताओं को समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलों, प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड-उत्तप्रदेश बलजिंदर सिंह मान, प्रदेश उपाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, नेमचंद वर्मा, गुरजीत सिंह विर्क, निर्मल भोजवाल, दशरथ सिंह, सोनू शाह, वीरपाल राजपूज, नागेंद्र कुशवाहा, पूरनलाल आदि मौजूद रहे।

- **एसडीएम सदर के आश्वासन पर धरना किया समाप्त**
- **तहसीलदार व लेखपालों पर लगाया उत्पीड़न करने का आरोप**

गोकुल प्रसाद मौर्य बने भाजपा के जिलाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गोकुल प्रसाद मौर्य।

अमृत विचारः भाजपा जिलाध्यक्ष पद पर ताजपोशी का इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। 27 दावेदारों को पछाड़ते हुए संगठन की कसौटी पर गोकुल प्रसाद मौर्य खरे साबित हुए। होली से पूर्व घोषणा हुई और अब नए जिलाध्यक्ष भाजपा गोकुल प्रसाद मौर्य होंगे।

बता दें कि भाजपा जिलाध्यक्ष पद पर संजीव प्रताप सिंह छह साल का सफल कार्यकाल पूरा कर गए। कुल 28 दावेदारों ने इस पद के लिए आवेदन किया। नामांकन कराने वालों में गुरभाग सिंह, लेखराज भारती, राजेंद्र प्रसाद कश्यप, रेखा सिंह परिहार, दीपक कुमार अग्रवाल, डालचंद्र वर्मा, आयुष मिश्रा, सुषमा देवी, अलंकार शर्मा, तुलाराम लोधी, कमलेश कुमार गंगवार, सतनाम सिंह, सोनू वाल्मीकि, रजनीश पांडेय, गोकुल प्रसाद मौर्य, दिनेश पटेल, अमित वाल्मीकि, मनोज कुमार गुप्ता, नागेंद्र प्रताप सिंह, धीरेंद्र मिश्रा , संजीव मोहन अग्रवाल, प्रफुल्ल मिश्रा, रेनू राज, हेमराज दिवाकर, संतराम राठौर, शरदपाल सिंह, महादेव गाईन, अमित अग्रवाल आदि थे। अब होली से पूर्व घोषणा हुई है। अब नए भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य होंगे। वह प्रबल दावेदारों में शुमार रहे और संगठन ने भी इन पर विश्वास जताया है। बता दें कि गोकुल प्रसाद मौर्य करीब पांच बार भाजपा के जिला उपाध्यक्ष और छह बार से सभासद भी है। डीसीडीएफ के चेयरमैन भी है।

5000 की रिश्वत लेते वनकर्मी को एंटी करप्शन ने पकड़ा

संवाददाता, माधोटांडा

एंटी करप्शन टीम की गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी वनकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रेत के ट्रकों से अवैध वसूली का खेल उस वक्त बेनकाब हो गया, जब एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई करते हुए वन विभाग के एक न्यूनतम वेतन कर्मी पर कार्यरत एक वनकर्मी को रंगे हाथों दबोच लिया। गुरुवार को माधोटांडा क्षेत्र के लालपुल के पास हुई इस कार्रवाई में आरोपी के पास से पांच हजार रुपये की रिश्वत भी बरामद की गई। ट्रक चालक की पूर्व में की गई शिकायत के बाद हुई इस गिरफ्तारी से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। पूरे महकमे में खलबली मची हुई है।

बता दें कि माधोटांडा क्षेत्र के पिपरिया संतोष निवासी फैय्याज ट्रक चलाते हैं। वह उत्तराखंड से रेता बजरी लाकर बेचते हैं। उत्तराखंड से यूपी सीमा पर घुसने के बाद महोफ रेंज के लालपुल के बॉर्डर पर कार्यरत न्यूनतम वेतन कर्मी संजीव कुमार उनसे अवैध वसूली करता है। चर्चा है कि रुपये अन्य वन विभाग के कर्मचारियों की शह पर करता था। जिस वजह से यहां से गुजरने वाले ट्रक चालक परेशान थे। इस पर मामले की शिकायत बरेली में एंटी करप्शन को दर्ज कराई गई थी। सूचना मिलने के बाद टीम ने इस पर गोपनीय जांच की। इसके बाद गुरुवार दोपहर टीम ने चेक पोस्ट पर छापा मारा और न्यूनतम वेतन कर्मी संजीव कुमार को मौके पर पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन की ओर से यह कार्रवाई ट्रैप प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में की गई। आरोपी के खिलाफ माधोटांडा थाने में तहरीर दी गई है। टीम माधोटांडा सीएचसी में मेडिकल कराने के बाद आरोपी को अपने साथ ले गई। थाना प्रभारी अशोक पाल सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, रिश्वत के साथ वनकर्मि के पकड़े जाने से कर्मचारियों में पूरे दिन हड़कंप मचा रहा।

- **गुरुवार को लालपुल से किया गिरफ्तार, पांच हजार रुपये भी बरामद**
- **पूर्व में ट्रक चालक ने दर्ज कराई थी शिकायत, महकमे में मची खलबली**

छह केंद्रों पर 2280 अभ्यर्थी देंगे दरोगा भर्ती की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एसपी व एएसपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले में उपनिरीक्षक की लिखित भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। 14 व 15 मार्च को होने वाली लिखित परीक्षा के लिए छह कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यह परीक्षा चार पालियों में कराई जाएगी। जिसमें 2280 अभ्यर्थी किस्मत आजमाएंगे। परीक्षा संपन्न कराने के लिए शिक्षा और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

बता दें कि उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस पदों पर भर्ती की लिखित परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिले में कुल छह परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय और राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज शामिल हैं। इन केंद्रों पर कुल 2280 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में 336 परीक्षार्थियों की तैनाती की गई है, जबकि शेष पांच केंद्रों पर 384-384 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दो दिनों में चार पालियों में कराई जाएगी, जिससे भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति न बने। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा से पहले आधिकारिक वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रवेश के समय एडमिट कार्ड के साथ आधार कार्ड और फोटो पहचान पत्र अनिवार्य किया गया है। साथ ही, अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर कम से कम एक घंटा पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, सुरक्षा और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए एसपी सुकीर्ति माधव और एएसपी विक्रम दाहिया ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय, राम इंटर कॉलेज में कक्षों, सीसीटीवी समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रधानाचार्यों और स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए गए।

- **राजकीय कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र, एसपी ने किया निरीक्षण**

मिलावट | **दो साल में पनीर के सैंपलों की जांच में 70 फीसदी निकले फेल, होली के बाजार में मिलावटी पनीर की भरमार**

त्योहारी सीजन में संभलकर खाएं पनीर, बीमार न कर दे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

ऐसा दिखता है पनीर।

अमृत विचारः होली पर यदि आप पनीर का स्वाद और लजीज भोजन करने की तैयारी में हैं तो सतर्क होकर खरीदने की जरूरत है। त्योहार पर अधिक मुनाफा कमाने के लालच में मिलावटखोरों ने बाजार में बड़े पैमाने पर मिलावटी पनीर खपाना शुरू कर दिया है। यह गोरखधंधा कई सालों से चल रहा है। इसकी पुष्टि खुद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की रिपोर्ट कर रही है। जिसमें पिछले दो सालों में लिए गए सैंपलों 70 फीसदी से अधिक सैंपल जांच में फेल पाए गए। होली समेत अन्य सीजन में सैंपलिंग में अरारोट सहित कई प्रकार के तत्व और फैट का कम होने की पुष्टि हो चुकी है।

होली त्योहार का समय नजदीक आ चुका है। ऐसे में मिठाई, मावा, पनीर समेत अन्य खाद्य पदार्थों की डिमांड बढ़ जाती है। इस डिमांड को पूरा करने के लिए मिलावटखोर मुनाफे के लालच में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। सरकारी सिस्टम की ढिलाई से मिलावटखोरों से शहरवासी तो जूझ ही रहे हैं, वहीं अब गांव भी इससे अछूते नहीं बचे हैं। होली पर कई दिन पहले से पनीर की डिमांड भी तेजी से बढ़ी है। बढ़ी डिमांड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार शाम 04 बजे के बाद अधिकांश पनीर की दुकानों पर शार्टेज देखी गई। इधर इसी बढ़ी डिमांड का फायदा मिलावटखोर उठा रहे हैं। जानकारों की मानें तो मिलावटखोर बढ़ी डिमांड को पूरा करने के लिए पनीर में अरारोट के साथ डिटर्जेंट पाउडर भी मिला रहे हैं। यह मिलावटी पनीर किडनी, लिवर के साथ त्वचा पर भी बुरा डाल रहा है।

> उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाईयां की जा रही है। होली के मद्देनजर सघन अभियान चलाया जा रहा है। मिलावटखोरों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।
>
> **- स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव**, प्रभारी अभिहीत अधिकारी

ऐसे करें असली नकली की पहचान

असली पनीर नरम और दानेदार होता है, जिसे मसलने पर वह आसानी से टूट जाता है और ताजी महक आती है। नकली पनीर रबर जैसा, सख्त, या ज्यादा चिपचिपा होता है और गर्म करने पर अजीब गंध छोड़ता है। पहचान के लिए उसे गर्म पानी में उबालें<bha>;</bha> अगर वह पानी में बिखर जाए तो नकली है, और अगर अपनी बनावट बनाए रखे तो असली है। वहीं पनीर के थोड़े से टुकड़े को मैश करके पानी में उबाल लें। ठंडा होने पर इसमें 2-3 बूंदें आयोडीन सॉल्यूशन डालें। अगर पनीर का रंग नीला या काला हो जाए, तो उसमें स्टार्च की मिलावट है।

दूध-पनीर की कीमतों का अंतर बयां कर रहा मिलावट की कहानी

बाजार में इन दिनों दूध की कीमत 70 रुपये से कम नहीं है। वहीं पनीर 300 से 320 रुपये प्रति किलो के बीच में मिल जाएगा। मिठाई बनाने वाले कारीगर मनोज के मुताबिक एक किलो पनीर बनाने के लिए 6 .5 लीटर से अधिक दूध की जरूरत पड़ती है। बाजार में बिक रहे दूध की बात करें तो 6 .5 लीटर दूध करीब 455 रुपये हुआ। दूध की कीमत और पनीर के रेट में अंतर मिलावट की कहानी को साफ=साफ बयां कर रहा है। त्योहार में एकाएक बड़ी मात्रा में पनीर की उपलब्धता इस बात की पुष्टि करता है कि त्योहार में मोटी कमाई के लिए धंधेबाज सक्रिय हो गए।

दो साल में 47 पनीर सैंपलों में 35 फेल

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के मुताबिक वर्ष 2024-25 में जनपद के विभिन्न प्रतिष्ठानों से पनीर के 26 सैंपल लिए गए थे। इन सैंपलों की जांच रिपोर्ट आई तो इसमें 20 सैंपल फेल पाए गए। वहीं 2025-26 में अब तक पनीर के सैंपल 21 सैंपल लिए जा चुके हैं। इनमें करीब 20 की जांच रिपोर्ट विभाग को प्राप्त हो चुकी है। सैंपलिंग रिपोर्ट में 15 सैंपल फेल पाए गए हैं। सैंपलिंग रिपोर्ट से साफ जाहिर है कि जनपद में किस हद तक मिलावटी पनीर की बिक्री की जा रही है। बेहतर यही होगा कि पनीर की खरीदारी सोच-समझकर करें।

थाना गेट पर हूटर बजाती बिना नंबर थार सीज

घुंघचिहाई, अमृत विचारः थाना गेट पर थार खड़ी कर हूटर बजाना महंगा पड़ गया। पुलिस ने कार को सीज कर दिया है। कार सवार नशे में की हालत में निकले, उन पर भी कार्रवाई की जा रही है।

घटना गुरुवार की है। एक काले की रंग की कार थाना गेट पर पहुंची। उसमें दो लोग सवार थे और नंबर भी नहीं लिखे थे। कार में हूटर बजाना शुरू कर दिया। काफी देर बाद भी जब हूटर बंद नहीं हुआ तो पुलिस पहुंची और सख्ती की। कार में सवार युवकों ने खुद को अलीगढ़ के थाना महुआ खेड़ा क्षेत्र का रहने वाला बताया। दोनों नशे की हालत में थे। जब गाड़ी के कागजात और हूटर के बारे में सवाल किए गए तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर पुलिस ने सख्ती करते हुए कार को सीज कर दिया है। इंस्पेक्टर जयशंकर सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई की जा रही है।

शासन से घनघनाया फोन तब दौड़े डीआईओएस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा में धनकुना के परीक्षा केंद्र के लिए शासन से फोन आते ही डीआईओएस मौके पर पहुंचे। सीसीटीवी जांच में परीक्षार्थी नियमों के अनुसार दूरी बनाकर बैठे नहीं मिले, जिसके बाद तुरंत सख्त कदम उठाए गए।

दो दिन पहले डीपी इंटर कॉलेज में दो कक्ष में परीक्षाएं चल रही थीं। जिसकी निगरानी शासन स्तर से हो रही है। इसी निगरानी के दौरान डीपी इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र से जुड़ी एक सूचना शासन तक पहुंची। सूचना मिलते ही शासन स्तर से अधिकारियों के फोन घनघनाने लगे और जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार सिंह तुरंत परीक्षा केंद्र की ओर रवाना हो गए। डीआईओएस के पहुंचते ही परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी की फुटेज खंगाली गई। जांच में यह बात सामने आई कि परीक्षा कक्ष में कुछ परीक्षार्थी निर्धारित मानकों के अनुसार दूरी बनाकर नहीं बैठे थे। एक बेंच पर तीन परीक्षार्थी बैठ गए थे। इस पर आपत्ति उठाई गई थी। इस पर उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक की फटकार लगाई। साथ ही मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईओएस ने तत्काल बैठने की व्यवस्था दुरुस्त कराई। इसके साथ ही संबंधित परीक्षा कक्ष में स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगा दी गई, ताकि पूरे समय सख्त निगरानी बनी रहे। केंद्र व्यवस्थापक और कक्ष निरीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो और सभी निर्देशों का पूरी तरह पालन कराया जाए। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि शासन के कंट्रोल रुम से कॉल आई थी। परीक्षार्थी पास-पास बैठे हुए थे। नकल जैसी कोई समस्या नहीं थी। सुधार करा दिया गया था।

- **सीसीटीवी में चेक करने पर हुई जानकारी, कक्ष में लगाई स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी**

न्यूज ब्रीफ

शिविर में टीकाकरण कर किया जागरूक

मझोला, अमृत विचार : स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती शिशु मंदिर में खसरा और रूबेला टीकाकरण अभियान के तहत शिविर लगा। प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने शुरुआत कराई। बच्चों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों का टीकाकरण किया। एएनएम रीता देवी, आशा गीता देवी, माधुरी, ज्योति सक्सेना आदि मौजूद रहे। इस दौरान अभिभावकों को साफ-सफाई व पोषण के प्रति जागरूक किया।

विवाहिता को घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : उत्तराखंड के जिला उधम सिंह नगर के खटीमा की रहने वाली अनीसा ने गजरौला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि उनका विवाह सात साल पहले गजरौला क्षेत्र अमखिड़िया के संजीव कुमार से हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति संजीव, ससुर मदनलाल और सास हीराकली ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि तीन वर्षीय बेटी आराध्या को भी अपशब्द कहते हुए प्रताड़ित करने लगे। विरोध करने पर उसे पीटकर घर से निकाल दिया। जिसके बाद समझौता हो गया तो वह ससुराल चली गई। मगर, आरोपियों ने दोबारा से मारपीट करते हुए घर से निकाल दिया। साथ ही बेटी को भी छीन लिया। पुलिस ने एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने दिया धरना

बोले: 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त किया जाए, गुरुवार दोपहर एक बजे के बाद बड़ी संख्या में एकत्र हुए

डीएम कार्यालय ज्ञापन देने पहुंचे शिक्षक। ● अमृत विचार

बीएसए कार्यालय परिसर में धरना देतीं शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में जिलेभर के परिषदीय शिक्षक, शिक्षिकाएं बीएसए कार्यालय में गुरुवार दोपहर एक बजे के बाद बड़ी संख्या में एकत्र हुए। शाम चार बजे तक सांकेतिक धरना दिया गया। इसके बाद कचहरी पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय में सौंपा गया। जिसमें टीईटी से मुक्ति दिलाए जाने की मांग को प्रमुखता से रखा गया।

जिलेभर के ब्लॉकों के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने टीईटी के विरोध में बीएसए कार्यालय पर धरना दिया। शिक्षकों ने सांकेतिक धरना देकर कहा कि यह न्यायसंगत नहीं है कि 15 से 20 साल नौकरी करने के बाद टीईटी परीक्षा जिसका अस्तित्व ही 2011 से हुआ है। सभी पुराने शिक्षकों पर लागू कर दिया जाए। केंद्र सरकार को शिक्षकों के साथ न्याय करते हुए संसद में कानून बनाकर 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करना चाहिए। इस आदेश को लेकर शिक्षक ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इसका शिक्षक समाज पूरी तरह से एकजुटता के साथ विरोध कर रहा है। 2011 से पहले नियुक्त शिक्षक, शिक्षिकाएं उस समय जो भी अर्ह योग्यता थी उसको पूरा करने के बाद ही शिक्षक नियुक्त किए गए थे। शिक्षकों का कहना है कि एक सितंबर 2025 से उच्चतम न्यायालय द्वारा सभी शिक्षकों पर टी ई टी की अनिवार्यता को जरूरी कर दिया गया है, जो कि शिक्षकों के साथ अन्याय है। टीईटी वापस लेने की मांग की गई। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष दयाशंकर गंगवार ने कहा कि सभी शिक्षकों का शिक्षकों का सम्मान सर्वोपरि है। उनके सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष लाल करन ने कहा कि शिक्षक अपने हकों को पाने के लिए लोगों को जागरूक करता है। उनके लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। उसकी योग्यता पर प्रश्न चिन्ह लगाया जा रहा है, जो बिल्कुल उचित नहीं। सरकार इस कानून को वापस ले और शिक्षकों को उनका सम्मान वापस दिलाए। यूटा के जिला मंत्री मोहम्मद अकरम ने इस कानून को वापस लेने की सरकार से अपील की। इस मौके पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के भद्रपाल गंगवार, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री उमेश गंगवार, विमल कुमार, नंद किशोर गंगवार, मियां मनाज़िर, अंकित भारती, चंद्रशेखर गंगवार, निरंजना शर्मा, देवेंद्र कन्हैया, सतेंद्र गंगवार, भद्र पाल गंगवार, निधि निगम, रश्मि तिवारी, अंकित भारती, नीरज पाल सिंह, जितेंद्र कुमार, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष मुकेश अवस्थी, जिला मंत्री मोईन अहमद, जितेंद्र कुमार, रोहित कुमार, पुष्पेंद्र गंगवार, के के सागर, मीना, अर्चना राणा, मुनींद्र पाल सिंह, डॉली यादव, यूटा के जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा, हेमराज भारती आदि मौजूद रहे।

कनपरी में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बिलसंडा, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन भानु की मांग पर गुरुवार को क्षेत्र के ग्राम कनपरी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि 14 आभा आईडी, 55 एक्सरे, चार आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 20 लोगों की आरबीएस, 28 ब्लड प्रेशर की जांच हुई। 16 लोगों का वैक्सीनेशन कराया गया। डॉ. गुलनार जफर, डॉ. अहद दानियाल, सीएचओ शिखा, सृष्टि सिंह, कल्पना, शेर सिंह चौहान, मुकेश कुमार, आशा विरंचा देवी, गीता देवी, दिव्यांशी वर्मा, आंगनबाड़ी चन्द्रमुखी, लैब टेक्नीशियन अजीत, सोमवीर यादव, फार्मासिस्ट भूपेंद्र सिंह, शिवम, जुगुल किशोर, भाकियू भानु से धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, महेंद्र पाल गंगवार, दीनदयाल शास्त्री, राकेश प्रताप यादव, गया प्रसाद, अनिल शर्मा, लक्ष्मी कांत मौर्य, नन्हेलाल आदि मौजूद रहे।

शिविर में मरीजों की जांच करती टीम।

452 पीपीई किट, 30 आयुष्मान कार्ड बांटे

● केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने महिलाओं को मिली सिलाई मशीनें भी बांटीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड देते केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा व अन्य।

अमृत विचार: नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के तहत गांधी प्रेक्षागृह में गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा रहे।

केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने सफाई कर्मचारियों के सम्मान सुरक्षा को संचालित नमस्ते योजना की जानकारी दी। कहा कि योजना के तहत अब तक 89248 सीवर सेप्टिक टैंक वर्कर्स का सत्यापन किया जा चुका है। 87037 सीवर सेप्टिक टैंक वर्कर्स को पीपीई किट्स प्रदान किए जा चुके हैं। 74647 वर्कस का आयुष्मान कार्ड के तहत स्वास्थ्य बीमा किया गया है। इसके अतिरिक्त देश में 187120 वेस्ट पिकर की प्रोफाइलिंग हुई है। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 92 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मी व 452 वेस्ट पिक्रस प्रोफाइलिंग में मान्य हो चुके हैं। इस दौरान 452 लाभार्थियों को पीपीई किट, 30 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड और कौशल विकास प्रशिक्षण पाने वाले 20 लाभार्थियों को सिलाई मशीन वितरित की गई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी का कथन है कि स्वतंत्रता से भी महत्वपूर्ण है स्वच्छता। हमारे सफाई मित्र नगर को स्वच्छ बनाने में भरपूर सहयोग कर रहे है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत, नगरपालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल, एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, एएसपी विक्रम दहिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, ईओ संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : न्यूरिया क्षेत्र के गांव अनवरगंज निवासी जगजीवन राम की ओर से कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें उसने कुछ माह पहले गांव के ही विजयपाल, रामपाल, धर्मपाल, सोमपाल और राहुल लाठी-डंडे व फावड़ा लेकर उनकी जमीन पर आ गए और वह पिलर लगाने लगे।

विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला कर दिया। वह जान बचाकर घर भागे, तो आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की। बीच-बचाव करने आए मुन्ना लाल और गजेंद्र सिंह को भी पीटा। आरोप है कि घटना के बाद थाना न्यूरिया पुलिस से शिकायत की तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा पुलिस ने शांति भंग में चालान कर दिया। अब कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है।

कार पर पलटी गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्राली, बची जनहानि

कार पर पलटी गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली। ● अमृत विचार

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● बीसलपुर रोड पर आसाम चौराहे के पास हुआ हादसा

अमृत विचार: बीसलपुर रोड पर आसाम चौराहे के पास बुधवार देर रात गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली नौगवां पकड़िया निवासी किसान नेता धर्मेंद्र सिंह चौहान की कार पर पलट गई।

हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि हादसे के वक्त कार के भीतर कोई मौजूद नहीं था। बताते हैं कि गन्ना लदी दो ट्रैक्टर-ट्रालियां बीसलपुर रोड पर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में तेज रफ्तार से दौड़ रही थीं। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़ी कार पर पलट गई। हादसे के चलते मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने ओवलोडिंग पर रोकथाम लगाने की मांग की। इस दौरान करीब पौन घंटे तक आवागमन बाधित रहा। पुलिस ने पहुंचकर वाहनों को हटवाया, तब जाकर आवागमन सुचारू हो सका।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के पेट्रोलियम व्यवसायी अधिवक्ता अमित जायसवाल की कार में ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार अमित और उनके भांजे क्रिश सवार थे। वह एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। बताते हैं कि टक्कर लगते ही एयरबैग खुल गए थे। जिसकी वजह से मामूली चोट आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। चालक भी हत्थे चढ़ गया। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बिजली गुल होने से उपभोक्ता परेशान

बीसलपुर, अमृत विचार: क्षेत्र की बिजली व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार रात को आपूर्ति घंटों ठप रहने से उपभोक्ता परेशान रहे। करीब एक माह से व्यवस्था चरमराई हुई है। कभी लोकल फाल्ट तो कभी ओवरलोड से ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं। जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज के पास स्थित ट्रांसफार्मर भी आए दिन फुंक जाताहैं। अवर अभियंता प्रमोद कुमार का कहना है कि आपूर्ति सुचारू रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। ओवरलोडिंग के चलते दिक्कत रही है।

भूगोल व कृषि-भौतिकी के पेपर से 60 गैरहाजिर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गुरुवार को यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं संपन्न हुईं। पहली पाली में हाईस्कूल के पंजाबी विषय और इंटरमीडिएट की कृषि भौतिकी व कृषि जंतु विज्ञान का पेपर कराया गया। दूसरी पाली में सिर्फ इंटर के भूगोल विषय का पेपर हुआ। पहली पाली में हाईस्कूल पंजाबी विषय के लिए कुल 10 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, इनमें से नौ छात्र उपस्थित रहे और एक छात्र ने परीक्षा छोड़ दी। इसी तरह इंटरमीडिएट की पहली पाली में कृषि भौतिकी एवं कृषि जंतु विज्ञान के लिए कुल 572 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 549 छात्र शामिल हुए। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट भूगोल विषय के पेपर में कुल 893 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें 857 ने परीक्षा दी। जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन ढंग से संपन्न हुई। सचल दस्तों ने विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दो केंद्रों पर कराई गई भूगोल की परीक्षा

पीलीभीत, अमृत विचार : जिले में गुरुवार को सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10 की भूगोल विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राओं की उपस्थिति शत-प्रतिशत रही। शहर के लायंस बाल विद्या मंदिर केंद्र पर भूगोल विषय के लिए कुल सात छात्र पंजीकृत थे और सभी छात्रों ने परीक्षा दी। वहीं, पूरनपुर क्षेत्र के लकी चिल्ड्रन जूनियर हाई स्कूल केंद्र पर कुल पांच छात्र पंजीकृत थे, वहां भी सभी परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दोनों ही केंद्रों पर भूगोल की परीक्षा के दौरान एक भी छात्र अनुपस्थित नहीं रहा।

बाल कल्याण योजनाओं की जानकारी दी

● कलीनगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कलीनगर तहसील में कर्मचारियों को शपथ दिलाते एसडीएम प्रमेश कुमार।

अमृत विचार: नगर पंचायत कलीनगर में वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। समिति सदस्यों को योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन कर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार गुरुवार को नगर पंचायत कलीनगर में वार्ड कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक हुई। जिसमें संरक्षण अधिकारी रमनदीप कौर दने समिति सदस्यों को बताया गया कि समिति के माध्यम से जनपद के जरूरतमंद बच्चों को योजनाओं से अवगत कराना एवं लाभ प्राप्त करना है। परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह द्वारा चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में बताया एवं दत्तक ग्रहण अभिकरण के बारे में जानकारी दी गई। सभी सदस्यों को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताते हुए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ दिलाई गई। इसके अलावा एसडीएम कलीनगर प्रमेश कुमार की अध्यक्षता में सभी कर्मचारियों बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ ली गई। केंद्र प्रशासिका तृप्ति मिश्रा द्वारा ग्राम देवीपुरा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन से राहुल एवं संजय द्वारा विकासंड मरौरी के प्राथमिक विद्यालय कल्लिया, कंपोजिट विद्यालय संडा, बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। ग्राम बिलगवां में सुवर्णा पांडेय द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम किया और शपथ ली गई।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

पीटीआर: मॉक ड्रिल में आग बुझाने का किया अभ्यास

● माला रेंज में क्षेत्रीय वनाधिकारी के नेतृत्व में हुई फायर कंट्रोल मॉकड्रिल, बताए टिप्स

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

माला रेंज में मॉक ड्रिल के दौरान आग बुझाने का अभ्यास करते वनकर्मी।

अमृत विचार: गर्मी के सीजन में जंगलों में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए वन महकमा अलर्ट हो गया है। फायर सीजन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। कंट्रोल रूम की स्थापना की जा चुकी है। सभी रेंजों में आग पर काबू करने के लिए फायर कटिंग का कार्य चल रहा है। इधर जंगल में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाने के लिए माला रेंज में फारेस्ट फायर कंट्रोल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान वनकर्मियों ने जंगल में लगी पर काबू पाने के तौर-तरीकों का अभ्यास किया। वहीं वन अफसरों ने वनाग्नि के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

गर्मी में सूखे पत्तों से भरे जंगलों में आग की एक छोटी से चिंगारी भी भीषण रूप धारण कर लेती है। जंगलों में लगने वाली से केवल वन संपदा ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है। जंगलों में 15 फरवरी से 15 जून तक फायर सीजन रहता है। इस दौरान जंगलों में आग की घटनाएं अकसर प्रकाश में आती रहती है। जंगलों में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं। पीटीआर के प्रभारी डीएफओ भरत कुमार डीके के निर्देश के बाद सभी रेंजों में आग से बचाव के संबंधित कार्य तेजी से चल रहे हैं। मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना के साथ कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। पीटीआर की महोफ रेंज, माला, दियोरिया, हरीपुर एवं बराही रेंज में फायर लाइन कटिंग का कार्य चल रहा है। वन अफसरों के मुताबिक फायर लाइन कटिंग के बाद कंट्रोल बर्निंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि जंगल में आग लगने पर उस पर तत्काल काबू में किया जा सके।

इधर प्रभारी डीएफओ के निर्देश पर गुरुवार को माला रेंज में क्षेत्रीय वनाधिकारी रॉबिन सिंह की देखरेख में फारेस्ट फायर कंट्रोल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान वनकर्मियों में जंगल में लगी आग पर काबू पाने का अभ्यास किया। क्षेत्रीय वनाधिकारी ने वनकर्मियों को वनाग्नि के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से रूबरू कराया। मॉक ड्रिल के दौरान माला रेंज का स्टाफ मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल के बच्चों ने वार्षिकोत्सव में मचाई धूम

कार्यक्रम की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय सिरसा में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सुंदर सुंदर भजनों पर अपनी प्रस्तुति दी। कक्षा आठ के बच्चों को फेयरवेल पार्टी भी दी गई। प्रधानाध्यापिका रेखा रानी गिराह ने सभी को उपहार देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर अनुराधा जोहरी, साधना सक्सेना, मिथलेश गंगवार, मोहम्मद वली खां, नाजिया अली तबस्सुम, अर्शी इकबालआदि मौजूद रहे।

होली आते ही बाजारों में उमड़ने लगी भीड़, समस्या बना जाम

शहर में कई मार्गों पर निकलना हो रहा दूभर, पुलिस ने बढ़ाई ड्यूटी, छह स्थानों पर सिपाही-होमगार्ड्स किए गए तैनात

इफ्तार
शुक्रवार
सुन्नी : 6:09
शिया : 6:11

सहरी
शनिवार
सुन्नी : 5:06
शिया : 5:08

न्यूज ब्रीफ

सेमरई में श्रीराम महायज्ञ कन्या भोज आज

केशवापुर, अमृत विचार : सदर ब्लाक के सेमरई गांव में दुर्गा मां के मंदिर पर श्रीराम महायज्ञ में यज्ञाध्यक्ष शिवशरण मिश्र ने हवन-पूजन कराया। खुटार शाहजहांपुर के कथा व्यास विभू तिवारी ने श्री रामचरितमानस के महत्व को सुनाया। कोटरा नीमगांव के कथाव्यास पं. मर्दुलेश अवस्थी ने राम नाम की महिमा को श्रोताओं को सुनाया।आयोजकों ने बताया कि आज शुक्रवार इस अनुष्ठान की पूर्णाहुति के साथ कन्याभोज कराया जायेगा।

मारपीट में मां, बेटी घायल, रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बहेरवा निवासी शिवानी पुत्री पप्पू ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 25 फरवरी सुबह सात बजे वह घर में झाड़ू लगा रही थी। तभी गांव निवासी सागर, मजनू पुत्र कृपाल, विजय पुत्र रमेश और कृपाल पुत्र जगमोहन हाथों में लाठी डंडा लेकर आए और गालियां देने लगे। विरोध किया तो उसे मारा पीटा। मां बीच बचाव को आई तो उन्होंने उसे भी पीटा।

लखीमपुर शहर में सदर चौराहे से मां संकटा देवी मंदिर मार्ग पर लगा जाम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- त्योहार पर भी पुलिस जाम से नहीं निपट पा रही

अमृत विचार: होली का त्योहार करीब आते ही बाजारों में भीड़ उमड़ने लगी है, जिससे जाम लगने लगा है। हालांकि पुलिस ने भी जाम वाले स्थानों को चयन कर छह जगह नई तैनाती की है। इन स्थानों पर होमगार्ड्स व सिपाहियों की तैनाती की है। साथ ही अधिकारियों को भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए गए हैं। दूसरी ओर रोडवेज बस अड्डे पर जाम से बचाव के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए हैं।

तीन और चार मार्च को होली है। इसको देखते हुए बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। ग्रामीण इलाकों से भी खरीदार आने लगे हैं। इससे शहर की मेन रोड, संकटा देवी चौराहा से लेकर सदर चौराहा तक, हीरालाल धर्मशाला चौराहा, रेलवे स्टेशन के सामने और मेला मैदान चौराहे पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। शुक्रवार को रेलवे स्टेशन के सामने ओवरब्रिज से संकटा देवी चौराहे तक कई बार जाम लगा। इसी तरह मेला मैदान चौराहा से इमली चौराहे की ओर, हीरालाल धर्मशाला चौराहे से सदर चौराहा व हमदर्द चौराहे तक दोपहर बाद जाम लगता रहा। वर्तमान में 15 स्थानों पर यातायात पुलिस की ड्यूटी रहती है। सीओ सिटी विवेक तिवारी ने बताया कि त्योहार के कारण भीड़ बढ़ेगी। इसके मद्देनजर उन्होंने जाम लगने वाले छह स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस ड्यूटी लगा दी है। साथ ही वह खुद और प्रभारी निरीक्षक भ्रमणशील रहकर चेकिंग करते रहेंगे। इसके अलावा एकल मार्ग व्यवस्था को पहले से अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। सड़कों पर वाहन खड़े करके खरीदारी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। शहरवासियों से भी अपील है कि बाजार में चौपहिया और दुपहिया वाहन ले जाने से बचें और यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग करें।

> होली पर बाजारों में भीड़ बढ़ने पर यातायात व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त जवानों को भी तैनात किया जाएगा। साथ ही पुलिस अधिकारी पेट्रोलिंग कर चेकिंग करते रहेंगे। जनमानस से भी सहयोग की अपेक्षा है।
> -डॉ. ख्याति गर्ग, एसपी।

इन स्थानों पर रहेगी अतिरिक्त ड्यूटी

- हमदर्द चौराहा से सदर चौराहा
- हीरालाल धर्मशाला और रेलवे स्टेशन के सामने ओवरब्रिज के पास
- मेला मैदान चौराहा
- संकटा देवी चौराहा से सदर चौराहा
- रोडवेज बस अड्डे के सामने
- सौजन्या चौक व डॉन बास्को के पास

गोला के बाजारों में होली की रौनक, दुकानदारों के खिले चेहरे

गोला में अलीगंज रोड पर लगी जाम। ● अमृत विचार

गोला में अलीगंज रोड पर दुकान से कचरी, पापड़ खरीदते लोग। ● अमृत विचार

गोला में नानक पुलिस चौकी के पास रोड तक लगी दुकानें और खड़े ई रिक्शा।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- ग्रामीणों की आवक अधिक होने से लगने लगा जाम

होली के त्योहार को लेकर यहां की बाजारों में रौनक है। इससे जहां दुकानदारों के चेहरे खिले हैं, वहीं सड़कों पर जाम लग रहा है। होली के त्योहार को अब पांच दिन शेष हैं, जिसके चलते नगर के सभी प्रमुख मार्गों, मेला मैदान, तीर्थ बाजार में रौनक देखने को मिल रही है। साथ ही दुकानदारों के चेहरों पर भी खुशी दिख रही है।

नगर की सब्जी मंडी, लखीमपुर रोड, मोहम्मदी रोड, खुटार रोड, अलीगंज रोड सहित मोहल्ले में स्थित दुकानों में होली के त्यौहार की रौनक देखने को मिल रही है, वहीं अब पिचकारी से लेकर होली के सामान के लिए भी बाजार में लोग खरीदारी करने में जुटे हैं। होली और रमजान के चलते बाजार में पूरे दिन चहल पहल रहती है। व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ेगी। होली और रमजान का त्योहार साथ में होने के चलते दुकानदारों ने आवश्यक सामग्री मंगाकर दुकानों पर सजा दी है। दुकानों पर बादाम, काजू, चिप्स और पापड़ का स्टॉक लग गया है। थोक और फुटकर किराना व्यापारी अजय तिवारी, रवींद्र वर्मा, नितेश शुक्ला, रजनीश वर्मा आदि का कहना है कि होली और रमजान में बिक्री में अभी और इजाफा होगा। नानक चौकी के निकट दुकान लगाएं पिचकारी के विक्रेता रमेश, हरिओम गुप्ता का कहना है कि इस बार का सीजन पिछले कुछ वर्षों की तुलना में अधिक फायदेमंद साबित होगा। वहीं नगर के सभी प्रमुख चैराहों, तिराहों पर जाम की स्थिति भी बन रही है। जाम में राहगीर, छोटे-बड़े वाहन चालक, दुकानदार और स्कूली बच्चे फंसकर परेशान हो रहे हैं।

महिला की मौत, इलाज में लापरवाही का आरोप

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मितौली क्षेत्र के गांव तेंदुआ की रहने वाली थी महिला

अमृत विचारः थाना मितौली क्षेत्र के गांव तेंदुआ अपने मायके में करीब 15 दिनों से रह रही एक महिला की बुधवार की शाम सीएचसी मितौली में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की बड़ी बहन ने ससुरालियों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर घर से भगाने और इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। गांव तेंदुआ निवासी सतीश ने अपनी 22 वर्षीय बेटी सोनी की शादी करीब डेढ़ साल पहले थाना खीरी क्षेत्र के गांव पहाड़ खां पुरवा निवासी महेश के बेटे अंकित उर्फ सुलेन्द्र के साथ की थी। बताते हैं कि सतीश ने अपनी हैसियत के अनुसार बेटी को दान दहेज दिया था, लेकिन ससुराली मिले दान दहेज से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में आए दिन शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। इसी बीच करीब एक माह पहले सोनी ने एक पुत्री को जन्म दिया। बड़ी बहन अनामिका ने बताया कि पुत्री का जन्म होने के बाद ससुराली सोनी को और प्रताड़ित करने लगे। उसका ठीक से उपचार भी नहीं करा रहे थे। इससे पिता सोनी को घर ले आए थे। बुधवार को सोनी तबीयत खराब हुई और सीएचसी मितौली में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गन्ना भुगतान को लेकर चीनी मिल पर किसानों का फूटा गुस्सा, प्रदर्शन

- गोष्ठी का बहिष्कार, भुगतान न होने, महंगे बीज और आधार कार्ड की शर्त पर भड़के किसान

संवाददाता, संपूर्णानगर

विरोध प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

गोष्ठी में खाली पड़ीं कुर्सियां। ● अमृत विचार

अमृत विचारः स्थानीय किसान सहकारी चीनी मिल में गुरुवार को आयोजित किसान गोष्ठी उस समय हंगामे में बदल गई। जब बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने गोष्ठी का विरोध करते हुए बहिष्कार कर दिया। किसानों ने गन्ना भुगतान में देरी, महंगे बीज और नई शर्तों को लेकर जमकर प्रदर्शन किया।

किसानों का आरोप था कि गोष्ठी की सूचना अधिकांश किसानों को नहीं दी गई और केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही बुलाया गया। उन्होंने मुख्य गन्ना अधिकारी पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि गोष्ठी पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं की गई। किसानों ने यह भी कहा कि मीडिया को भी कार्यक्रम से दूर रखा गया, जिससे शंकाएं और बढ़ गईं। गन्ना भुगतान को लेकर किसानों में खासा रोष देखने को मिला। किसानों का कहना था कि होली का त्यौहार नजदीक है और गन्ने की बुवाई का समय भी चल रहा है, लेकिन चीनी मिल की ओर से अब तक भुगतान नहीं किया गया है। ऐसे में किसानों को महंगे दामों पर गन्ना बीज खरीदना पड़ रहा है, साथ ही खाद, दवाई और मजदूरों की मजदूरी का खर्च भी उठाना है। भुगतान न होने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। आरोप लगाया कि मिल प्रबंधन गन्ना बीज को महंगे दामों पर उपलब्ध करा रहा है। किसान नेता जगपाल सिंह ने कहा कि हाल ही में मिल की ओर से यह निर्देश जारी किया गया है कि गन्ना तुलवाने के समय किसान आधार कार्ड की प्रति साथ लाएं। किसानों ने इस शर्त का विरोध करते हुए कहा कि यदि आधार कार्ड से किसी प्रकार का दुरुपयोग या धोखाधड़ी होती है तो इसकी जिम्मेदारी मिल प्रशासन को लेनी चाहिए। कई किसान बाहर प्रदेशों में रहते हैं या जमीन महिलाओं के नाम है, ऐसे में हर बार आधार कार्ड की प्रति उपलब्ध कराना व्यावहारिक नहीं है। किसानों के विरोध के दौरान गोष्ठी स्थल पर रखी कुर्सियां खाली हो गईं और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया, जिसके बाद किसी तरह गोष्ठी की औपचारिकता पूरी की गई। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र गन्ना भुगतान नहीं किया गया और समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे आगे और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

शिव मंदिर कॉरिडोर: वीआईपी मार्ग के चौड़ीकरण पर सख्ती

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

कार्यदायी संस्था के लोगों से नक्शे को समझतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

- सात दिन में हो कार्य प्रगति, फिर चेक करने आएंगी डीएम

अमृत विचारः निर्माणाधीन छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर के कार्यों की प्रगति परखने गुरुवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कॉरिडोर के बाहर नालों के चौड़ीकरण, मंदिर परिसर में समतलीकरण और वीआईपी मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर सख्ती दिखाई। उन्होंने कहा कि सात दिन में ये कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। सात दिन बाद वह फिर चेक करेंगे। इस दौरान विधायक अमन गिरि व पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कॉरिडोर जनआस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। विधायक अमन गिरि ने भी कार्यों में तेजी लाने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में जल निकासी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता पाई गई। इस पर डीएम ने नगर पालिका परिषद, गोला गोकर्णनाथ को जलभराव की समस्या से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कॉरिडोर में नवनिर्मित मंदिरों में पुराने मंदिरों की मूर्तियों की स्थापना का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा कराने को कहा गया। मंदिर परिसर में समतलीकरण का कार्य आगामी सात दिनों में पूर्ण कराने की हिदायत दी गई, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में असुविधा न हो। कॉरिडोर से जुड़े वीआईपी मार्ग के चौड़ीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि मार्ग चौड़ा होने से यातायात सुगम होगा और तीर्थ क्षेत्र की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी। इसके अतिरिक्त मंदिर परिसर के बाहर स्थित नालों के चौड़ीकरण के लिए जल निगम एवं लोक निर्माण विभाग को प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी सहित नगर पालिका, जल निगम, लोक निर्माण विभाग एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कैंप में 300 लोगों ने उठाया लाभ

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः नगर के एक हॉस्पिटल संचालक डॉ. कौशल वर्मा ने ग्राम पंचायत भैठिया स्थित हॉट बाजार में शिविर लगाकर 300 लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं। शिविर में नेत्र, बीपी, शुगर, रक्त, हीमोग्लोबिन, हड्डियों की जांच के साथ दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की गईं, जिसमें क्षेत्र के कई गांवों के 300 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ पाया है। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह, ज्ञानचंद, इं अभिषेक वर्मा, कृष्ण कुमार वर्मा, कैलाश वर्मा, सुशील वर्मा, करन मौर्य, आशीष पटेल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

बुजुर्ग को बचाने के प्रयास में पलटी गन्ना भरी ट्राली

लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर पलटी गन्ना भरी ट्राली। ● अमृत विचार

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर हुआ हादसा, चालक सुरक्षित

अमृत विचारः लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर पड़रिया तुला कस्बे में गुरुवार की शाम लखहा गांव से गुलरिया चीनी मिल जा रही गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली एक बुजुर्ग को बचाने के प्रयास में पलट गई। इस घटना में चालक सुरक्षित बच गया, हालांकि लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर गन्ना बिखर जाने से कुछ समय यातायात बाधित रहा।

किसान प्रेम प्रकाश अपनी गन्ने से लदी ट्रॉली लेकर कस्बे के पास से गुजर रहा था। अचानक सामने एक बुजुर्ग के आ जाने पर चालक ने उन्हें बचाने के लिए तेजी से ब्रेक लगाई। इससे गन्ने से भरी ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह राजमार्ग पर पलट गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर गन्ना बिखर गया, जिससे सड़क पर जाम लग गया। सूचना मिलने पर पड़रिया तुला चौकी की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले जाम खुलवाने और यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया, जिसके बाद पलटी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली को हटाने का काम शुरू किया गया। कुछ समय तक आवागमन बाधित रहने से गन्ना लदे वाहनों और बाजार जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि कस्बे में अक्सर बुजुर्गों को सड़क पार करने में दिक्कत होती है, इसलिए यहां स्पीड ब्रेकर या चेतावनी बोर्ड लगाए जाने चाहिए।

आस्था श्रद्धालुओं के लिए बनेगी आकर्षण का केंद्र बन रही शिव की नगरी

सप्त ऋषियों के साथ लगाई जा रहीं शिव की मूर्ति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

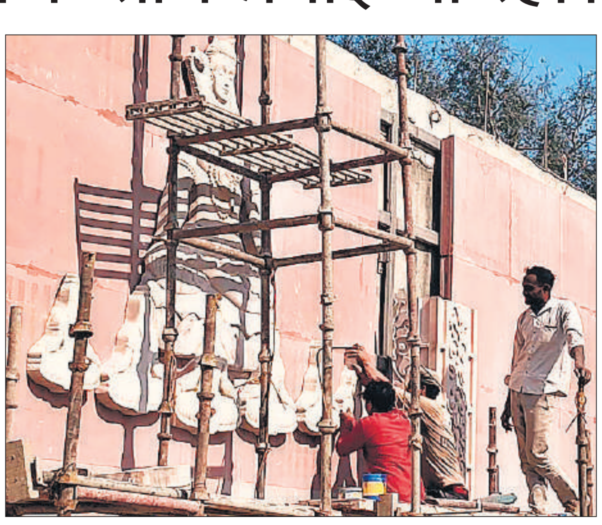

रिटेनिंग वॉल पर भोलेनाथ की प्रतिमा के साथ सप्त ऋषियों की मूर्ति लगाते कारीगर।

- छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण का कार्य प्रगति पर

अमृत विचारः छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर में निर्माण का कार्य प्रगति पर है। मुख्य प्रवेश द्वार के निकट बनी रिटेनिंग वॉल पर भगवान भोलेनाथ की भव्य प्रतिमा के साथ सप्त ऋषियों की मूर्ति लगाई जा रही है, जो श्रद्धालुओं, पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण में रिटेनिंग, बाउंड्रीवॉल, तीन मंजिला दो यात्री हाल, 108 स्तंभों पर टिकने वाला परिक्रमा पथ का निर्माण उस पर राजस्थान से आए सीएनसी पत्थर लगाए जाने के साथ गोकर्ण परिक्षेत्र की गलियों में कोबाल् स्टोन लगाए जाने, कानपुर धर्मशाला में कैफेटेरिया, कनड्यूट लाइट्स आदि कार्य होने के साथ ही स्टेशन रोड स्थित मुख्य प्रवेश द्वार के निकट बनी रिटेनिंग वॉल पर गुरुवार को भगवान भोलेनाथ की भव्य प्रतिमा के साथ सप्त ऋषियों की मूर्ति लगाई जा रही है। रिटेनिंग वॉल पर भगवान भोलेनाथ, आदि गुरु शंकराचार्य, सप्त ऋषियों की भव्य मूर्तियां लगने से पौराणिक शिव मंदिर की भव्यता बढ़ेगी और दूर दराज से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिक रूप से जुड़ सकेंगे।

शिव मंदिर कॉरिडोर बन जाने के बाद नगर को एक नई पहचान मिलने के साथ ही धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ेगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

जमानत पर छूटे आरोपियों पर धमकाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 2019 में गोली मारकर हुई थी युवक की हत्या

अमृत विचारः थाना मैगलगंज क्षेत्र के गांव अलियापुर निवासी मुन्नेलाल हत्याकांड में जमानत पर छूटे आरोपियों पर पीड़ित परिवार और गवाहों को धमकाने का आरोप है। पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव अलियापुर निवासी विजय प्रकाश शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2019 में उनके बड़े भाई मुन्नेलाल शुक्ला की गांव के ही शुभम शुक्ला, सत्यम शुक्ला, अंशुल शुक्ला और श्रवण शुक्ला ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सभी आरोपियों के खिलाफ मैगलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है और गवाही की प्रक्रिया चल रही है। आरोप है कि जमानत पर रिहा होने के बाद आरोपी पक्ष लगातार मुकदमे में सुलह-समझौते का दबाव बना रहा है। साथ ही गवाहों को डरा-धमकाकर बयान बदलने के लिए बाध्य करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपियों द्वारा कई बार बाहरी व्यक्तियों को साथ लेकर घर के आसपास गुटबंदी की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने आशंका जताई है कि आरोपी किसी भी समय कोई अप्रिय घटना घटित कर सकते हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई राणा प्रताप सिंह को सौंपी है।

स्व. रविकांत शर्मा
(एडवोकेट)

दसवां संस्कार/त्रयोदशी/श्राद्ध

मेरे पूज्य पिताजी **श्री रविकांत शर्मा (एडवोकेट)** का आकस्मिक गोलोकवास दिनांक 17.02.2026, दिन मंगलवार को हो गया। जिनका दसवाँ संस्कार दिनांक 27.02.2026, दिन शुक्रवार को अपराह्न 03:00 बजे से 04:00 बजे तक स्थान :- राम स्वरूप बाग, निकट गढ़ी, पुलिस चौकी में सम्पन्न होगा। **त्रयोदशी/श्राद्धः**- दिनांक 28.02.2026, शनिवार, ब्रह्मभोज :- अपराह्न 12:30 बजे, प्रसादी:- अपराह्न 01:00 बजे, स्थान :- निज निवास, 78, सिद्धार्थ नगर, निकट हार्ट मैन कॉलेज रोड, बरेली।

शोकाकुल परिवार :-
पत्नी श्रीमती अनीता शर्मा, पुत्र प्रियंक कांत वशिष्ठ, मयंक कांत वशिष्ठ, भाई :- शशि कांत शर्मा एडवोकेट, शचि कांत शर्मा, शरद कांत शर्मा, (पूर्व प्रधानाचार्य श्री विष्णु इण्टर कालेज) कमल कांत शर्मा, नवनीत कांत शर्मा एडवोकेट। भतीजे सुरेश चन्द्र शर्मा, नीरज, नितिन,शान्त, रितेश,प्रियदर्शी हिमांशु वशिष्ठ एडवोकेट हाई कोर्ट, समग्र, शुभम शुभांकर, शुभ्रम शोभनम, अर्पित, प्रफुल्ल
एवं समस्त वशिष्ठ परिवार
मो. 9411920098, 9456625579, 9410404091

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026
खीरी

पिकअप की टक्कर से किशोर की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः कोतवाली गोला क्षेत्र की नानक चौकी के आगे अपने दो बच्चों और पत्नी के साथ ससुराल से बाइक पर सवार होकर खुटार स्थित घर लौट रहे परिवार को पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में किशोर की मौत हो गई, जबकि पत्नी और एक बच्चा और युवक घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शाहजहांपुर जिले के थाना खुटार क्षेत्र के खुटार निवासी कलीम मंगलवार को गोला अपनी ससुराल आए थे। बताते हैं कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे वह अपने 10 वर्षीय बड़े बेटे हसनेन, छह वर्षीय हसन और पत्नी के साथ बाइक से घर वापस लौट रहे थे। नानक चौकी के आगे पिकअप की टक्कर से हसनेन की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। हसन की हालत गंभीर होने डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया, जबकि पत्नी और कलीम का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा हे।

कालीचरण की तलाश में उतारा डॉग स्क्वायड

15 दिनों से लापता है जहाननगर निवासी कालीचरण, गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म, पुलिस अलर्ट

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के जहाननगर गांव निवासी कालीचरण के रहस्यमय तरीके से लापता होने के 15 दिन बाद पुलिस ने जांच की रफ्तार तेज कर दी है। गुरुवार दोपहर सीतापुर से पहुंची डॉग स्क्वायड और फील्ड यूनिट की टीम ने गांव में कई संदिग्ध स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। खेत, बाग, खाली पड़े मकान और आसपास के इलाकों को बारीकी से खंगाला गया, लेकिन कालीचरण का कोई सुराग नहीं लग सका है।

औरंगाबाद पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव जहाननगर निवासी कालीचरण (48) 12 फरवरी की रात संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने एक महिला पर घर बुलाने का आरोप लगाते हुए डीएम और एसपी को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच की मांग की थी। मामले में कार्रवाई न होने से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कुछ दिन पूर्व मैगलगंज थाने का घेराव भी किया था। पुलिस ने उन्हें जल्द बरामदगी का आश्वासन दिया था, जिसके बाद अब सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। गुरुवार को डॉग स्क्वायड टीम ने सबसे पहले कालीचरण के घर और आसपास के मकानों में जांच की। इसके बाद टीम सरदार धर्म सिंह के झाले पर पहुंची, जहां डॉग रोली ने क्षेत्र में सूंघकर संभावित सुराग तलाशने की कोशिश की। हालांकि समाचार लिखे जाने तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लग सकी थी। पुलिस ने कालीचरण की तलाश में पम्पलेट भी छपवाए हैं और सर्विलांस टीम को सक्रिय कर दिया है। मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान डॉग स्क्वायड टीम से शिव प्रताप मौर्या, सहायक सचिन कुमार और डॉग रोली मौजूद रहे। फोरेंसिक टीम में परविंदर चौधरी, प्रभात और मनोज कुमार शामिल रहे। चौकी

फार्म हाउस पर छानबीन करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

● **जहाननगर गांव से 15 दिन से रहस्यमय तरीके से लापता है कालीचरण, पुलिस हुई सक्रिय**

प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं गांव में कालीचरण की गुमशुदगी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जारी हैं और परिजन अब भी उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

बोरिंग के पास घूम रही डॉग रानी। ● अमृत विचार

श्री हरिद्वारी वैश्य समिति पीड़ित का बनी सहारा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः श्री हरिद्वारी वैश्य समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने अपने सदस्यों और पदाधिकारियों के सहयोग से समाज के पीड़ित को इलाज के लिये आर्थिक मदद भेजी है।

नगर के मोहल्ल सर्वादय नगर बांकेगंज रोड निवासी आशीष कुमार गुप्ता का एक्सीडेंट 22 नवंबर 2022 को हुआ था, जिसमें वह गंभीर घायल हो गए थे। जिनका इलाज दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल मे चल रहा है। पीड़ित ने समिति के पदाधिकारियों सहित सदस्यों से अनुरोध किया कि पूर्व में इलाज में आप सभी ने जो सहयोग मुझे दिया है, उसका शुक्रगुजार हूं। अब अंतिम ऑपरेशन का खर्चा करीब एक लाख 80 हजार रुपए का है, जो आयुष्मान कार्ड से प्राप्त हो जाएगा। ऑपरेशन में लगने वाले इंजेक्शन और दवाइयां बाहर से लिखी गई है। जिसका खर्च करीब 5200 रुपए है, जिसके लिए मैं असमर्थ हूं।

दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती आशीष गुप्ता। ● अमृत विचार

● **इलाज के लिये आर्थिक मदद को आगे आए समाजसेवी**

समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस प्रकरण का संज्ञान में लेते हुए समिति अध्यक्ष की अगुआई में पदाधिकारियों द्वारा एकत्र किये गये 5200 रुपए की सहायता राशि पीड़ित के खाते में बार कोड के माध्यम से भेज दी गई है। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित आशीष कुमार गुप्ता की पूर्व में भी कई बार धनराशि के रूप में आर्थिक सहायता की जा चुकी है।

पिकअप की टक्कर से युवक गंभीर घायल

संवाददाता, मझगई

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के गांव मुर्गहा निवासी खजांची लाल के घर बुधवार को मुंडन संस्कार का कार्यक्रम था। कार्यक्रम में शामिल होने आई गुलरा गांव की जलिया देवी को खजांची लाल गुरुवार सुबह बाइक से उनके गांव छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खजांची लाल का दाहिना पैर टूट गया। बाइक पर सवार जलिया देवी को हल्की चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-

● **मझगई क्षेत्र में तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह**

तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी पलिया भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद खजांची लाल की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का धरना, टीईटी अनिवार्यता का विरोध

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्य किए जाने के विरोध में गुरुवार को बीएसए कार्यालय परिसर में शिक्षकों ने धरना-प्रदर्शन किया। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आयोजित धरना-प्रदर्शन में जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, ब्लॉक प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। शिक्षकों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रभारी तहसीलदार मुकेश कुमार को सौंपा।

सुबह से ही शिक्षक बीएसए कार्यालय परिसर में एकत्रित होने लगे। हाथों में मांगों से जुड़े बैनर और तख्तियां लिए शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों ने उस समय लागू नियमों एवं चयन प्रक्रिया के अंतर्गत अपनी सेवाएं प्राप्त की थीं। ऐसे में वर्षों बाद उन पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि उनके अधिकारों का हनन भी है। शिक्षिका प्रतिभा यादव ने कहा कि पुराने शिक्षकों ने लंबे समय तक विद्यालयों में सेवाएं दी हैं और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि सेवा में रहते हुए नई शर्त लागू करना न्यायोचित नहीं है। सरकार को चाहिए कि 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से पूर्ण रूप से मुक्त किया जाए। वहीं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजीव त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक संगठनों ने पहले भी इस संबंध में शासन-प्रशासन को अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और व्यापक किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी। अन्य वक्ताओं ने भी कहा कि टीईटी को पूर्व प्रभाव से लागू करना उचित नहीं है। शिक्षकों ने यह भी मांग की कि इस संबंध में स्पष्ट शासनादेश जारी कर भ्रम की स्थिति समाप्त की जाए। धरने के अंत में शिक्षकों ने संबंधित अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी अनिवार्यता से छूट देने की मांग की गई। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन शिक्षकों ने साफ कर दिया कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

प्रभारी तहसीलदार मुकेश कुमार को ज्ञापन देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

बीएसए कार्यालय गेट पर प्रदर्शन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

● **2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को छूट देने की मांग, आंदोलन तेज करने की चेतावनी**

सबसे पुराना स्थापित 1960
गुप्त रोगी रोजाना मिलें
हर जगह से परेशान रोगी मिले
नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी
बिना ऑपरेशन दर्द रहित उपचार
बबासीर
खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर
कांच का बिना ऑपरेशन
इलाज दर्द रहित
उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
निकट जिला पंचायत चौपुला
कुतुबखाना रोड, बरेली
मो. 9259082174

गन्ने की उन्नत खेती करने की विधियां बताईं

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः बजाज हिन्दुस्थान शुगर लि चीनी मिल के अधिकारियों ने क्षेत्र के गांव गनेशपुर में किसान मेला एवं गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को उननतिशील खेती करने के लिये प्रेरित किया।

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोश मधुकर ने बसन्तकालीन गन्ना बुवाई में कृषकों को उन्नतशील गन्ना प्रजातियाँ को० 0118, 15023 एवं कोलख० 14201 तथा निचले क्षेत्र के लिए को० 98014 व कोलख० 94184 की बुवाई करने हेतु प्रेरित किया। हरियाणा 119, कोशा० 91269 एवं पीबी० 95 जैसी अनामित व अस्वीकृत प्रजातियों की बुआई कदापि न करने की सलाह दी। डॉ. सरनाम सिंह ने सन्तुलित खाद एवं वैज्ञानिक विधि से खेती के तरीके बताये।

डॉ. प्रदीप बिसेन ने कीट, बीमारी से बचाव के यांत्रिक, जैविक एवं रासायनिक तरीकों को विस्तार से बताया। वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना पीएस चतुर्वेदी ने किसानों को गन्ना बुवाई के समय बीज के चुनाव में सावधानी बरतने तथा बीज के रूप में गन्ने के ऊपरी दो तिहाई हिस्से की बुवाई करने तथा 04 फिट की दूरी पर ट्रेंच विधि से गन्ना बोने से होने वाले लाभ की जानकारी दी।

साथ ही यह भी बताया कि मिल गेट एवं क्रय केन्द्रों पर खुली खरीद की जा रही है, जिन कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना अवशेष है, वह अपना गन्ना मिल गेट/क्रय केन्द्रों पर अपना कोड नं. देकर पर्ची प्राप्त कर गन्ना आपूर्ति कर लें। गन्ना समिति के उपाध्यक्ष संतोष वर्मा, संचालक श्याम सिंह, संजय सिंह, योगेश वर्मा, पूर्व संचालक वीरेन्द्र वर्मा, प्रगतिशील कृषक राजेन्द्र शर्मा, सहायक महाप्रबन्धक गन्ना ओडी शर्मा, प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र, संजीव चौधरी सहित मिल व समिति के गन्ना विकास कार्यकर्ता, किसान मौजूद रहे।

गनेशपुर की गोष्ठी में मौजूद किसान। ● अमृत विचार

● **स्वीकृत प्रजाति का ही गन्ना बोने पर जोर**

बेटी बचाओ पर हुए कार्यक्रमों ने मोहा मन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः तिकुनिया स्थित आरएन इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने बेटी बचाओ और महाभारत पर आधारित कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर अभिभावकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान जगतार सिंह ने फीता काटकर किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रथम प्रस्तुति गणेश वंदना रही, जिसे सिता साह के निर्देशन में तैयार किया गया था और इसने सभी को भावविभोर कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय अवस्थी एवं उपप्रधानाचार्य विक्रांत दीक्षित द्वारा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की गई। मंच संचालन सलमान इदरीशी ने किया। कभी तू छलिया लगता है पर नृत्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर आधारित नृत्य-नाटिका, गिद्दा नृत्य, छोटे-छोटे सपने तथा महाभारत पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूल प्रबंधक शिव कुमार गर्ग के साथ उनके छोटे भाई अजय गर्ग व परिवार के सदस्य शुभम गर्ग और कार्तिक भी मौजूद रहे। प्रबंधक शिव कुमार गर्ग ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजनों का संकल्प दोहराया। इस दौरान शशांक दीक्षित, शैलेश शुक्ला, अर्चना शाक्य, अपराजिता मौर्य, सृष्टि गुप्ता, दीक्षा शर्मा सहित समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मां सरस्वती वंदना पेश करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

● **आरएन इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न**

मारपीट, जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव बरगिउया में हुई मारपीट, जान से मारने की धमकी देने की आठ के नामजद सहित कई अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्षेत्र के गांव बरगदिया निवासी मंजू देवी पत्नी शिवशंकर लाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 24 फरवरी मंगलवार की शाम विपक्षी गांव निवासी रामकुमार उर्फ गुड्डू, सूरज, सुशील, मुन्ना पुत्र रामस्वरूप धारदार हथियार लेकर पुरानी रंजिश के चलते उसके घर में घुस आये। गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। घर से उनके पति को भी उठाकर बाहर ले गए, मारा पीटा, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए हैं। आरोप है कि विपक्षियों ने उनको धमकाते हुए कहा जैसे उनके बड़े बेटे को नहर में डुबोकर मारा है, वैसे ही उन्हें भी मार देंगे। चार नामजद सहित अन्य पर रिपोर्ट दर्ज की है।

भाईचारे के साथ मनाएं होली, जबरदस्ती रंग किसी को न लगाएं

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः गुरुवार शाम थाना परिसर में होली, रमजान और गुरमत समागम को लेकर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने की। इसमें भानपुरी, खजुरिया, गोविंदनगर, रानीनगर, कृष्णानगर, विशेनपुर सहित विभिन्न ग्राम प्रधानों व सम्पूर्णानगर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में 42 स्थानों पर होलिका दहन का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्थल पर विवाद की आशंका हो तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। सभी समुदायों से अपील की गई कि होली, रमजान और गुरुद्वारा में होने वाले गुरमत समागम को आपसी सहयोग और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि किसी पर जबरदस्ती रंग न लगाया जाए। यदि बच्चों द्वारा अनजाने में रंग लगा भी दिया जाए तो उसे आपसी समझदारी से लें। बैठक में उपस्थित लोगों ने होली के दौरान सड़कों पर तेज रफ्तार, बुलेट बाइकों से पटाखे जैसी आवाज निकालने, ट्रैक्टर पर बड़े साउंड सिस्टम लगाने और बाइक पर चार सवारी बैठाकर घूमने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। इस पर थाना प्रभारी ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और किसी प्रकार की सिफारिश स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में दरोगा अवधेश रावत, अमर पाल, किरनपाल के अलावा व्यापार मंडल अध्यक्ष इस्तियाक खान, महामंत्री कुलदीप बरार, इंद्रजीत सूरी, प्रभुनाथ, कमरुद्दीन कादरी, अब्दुल बहाव, जितेंद्र यादव, विनीत जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

थाना संपूर्णानगर में बैठक को संबोधित करते थाना प्रभारी कृष्ण कुमार।

थाना सिंगाही में बैठक को संबोधित करते प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह।

● **तेज रफ्तार और हुड़दंग पर सख्ती के निर्देश**

शराब पीकर हुडदंग किया तो खैर नहीं

सिंगाही , अमृत विचार :सिंगाही थाना परिसर में भी रंगों के पर्व होली और रमजान ईद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इंस्पेक्टर मनीष कुमार सिंह ने की। इंस्पेक्टर ने बताया कि थाना क्षेत्र में 64 स्थानों पर होलिका दहन होगा और सभी जगह पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। होली के दौरान शराब पीकर हुड़दंग करने, झगड़ा-फसाद करने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले अराजकतत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद कय्यूम, प्रभात शुक्ला, रामनरेश गुप्ता, शिवराज कनौजिया, केडी वर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे। सभी ने त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने में प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

न्यूज ब्रीफ

दहेज हत्या में पति-सास गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में विशाल और उसकी मां फूलमती निवासी दुबहा थाना मोहम्मदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

महिला से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खमरिया क्षेत्र के ईश्वरापुरवा मजरा समरदाहरी निवासी रुबीना ने बताया कि वह अपनी बेटी को आवाज दे रही थीं। इसी बात को लेकर गांव की ही कुछ महिलाओं और युवकों ने रंजिश मान ली। आरोप है कि शाहजहां, मानू और रुकमान ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला का मेडिकल परीक्षण कराया है।

युवक को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ के गांव राजापुर निवासी अनुज वर्मा ने बताया कि मिल में आपूर्ति कराने के लिए उन्होंने ट्रॉली में गन्ना भरवाया था। आरोप है कि जब ट्रैक्टर ट्रॉली निकाली जा रही थी, तभी गन्ना गांव के ही अमर सिंह की दीवार में रगड़ गया। इसी बात को लेकर अमर सिंह और उनके पुत्र विनय सिंह ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

संपूर्णानगर, अमृत विचार : पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अरुण निवासी गोडियाना त्रिकोलिया, नीरज चौहान निवासी लालपुर ढाका थाना पलिया और सचिन निवासी त्रिकोलिया थाना संपूर्णानगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपी न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे। इस पर अदालत ने वारंट जारी किया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

विवाहिता से मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला सुनगढ़ी निवासी प्रीति कुमारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह 25 अप्रैल 2024 को जीतू से हुआ था। आरोप है कि पति जीतू, ससुर राम स्वरूप, सास वीरवती, जेठ बंटी और जेठानी छमा संतुष्ट नहीं थे और लगातार 10 लाख रुपये नकदी और कार की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ आए दिन मारपीट की जाती थी और 19 जनवरी 2026 को आरोपियों ने मारपीट कर दी। मारपीट में उसका हाथ भी टूट गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जाली मरम्मत से थमेगा मानव-वन्यजीव संघर्ष

दुधवा की सीमा पर तीन किमी सुरक्षा बाड़ दुरुस्त, महाराजनगर, मोतीपुर में हमलों के बाद हरकत में वन विभाग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

भैरमपुर के निकट जंगल में सुरक्षा जाली दुरुस्त करते मजदूर। ● अमृत विचार

सुरक्षा जाली के एंगल को जोड़ता मिस्त्री।

- नाली पटने और तार फेंसिंग क्षतिग्रस्त होने से बढ़ी थीं घटनाएं
- खेतों में वन्य जीवों की घुसपैठ रोकने में मिल सकेगी कामयाबी

अमृत विचार: बेलरायां क्षेत्र में जंगल से सटे गांवों में बढ़ रही मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने ठोस कदम उठाया है। दुधवा नेशनल पार्क की सीमा से लगी सुरक्षा जालियों और तारबाड़ की व्यापक मरम्मत कराई गई है, जिससे अब वन्य जीवों के जंगल से बाहर निकलने की संभावना काफी हद तक कम हो गई है।

दुधवा नेशनल पार्क प्रशासन ने वर्षों पहले जंगली जानवरों को बाहर आने से रोकने के लिए पार्क की सीमा पर गहरी नाली खुदवाई थी, लेकिन समय के साथ लकड़कट्टों ने कई स्थानों पर नाली पाटकर रास्ते बना लिए। इससे न सिर्फ जंगल में पेड़ों का अवैध कटान बढ़ा, बल्कि शिकारियों की गतिविधियां भी तेज हो गईं। नाली पाटे जाने से वन्य जीवों की आवाजाही भी आसान हो गई और वे खेतों व आबादी की ओर आने लगे। करीब एक वर्ष पहले पार्क प्रशासन ने तार फेंसिंग कराई थी, ताकि वन्य जीवों की घुसपैठ रोकी जा सके और वन संपदा सुरक्षित रहे। मगर कई जगह यह तारबाड़ वन्य जीवों द्वारा तोड़ दी गई, जबकि कुछ स्थानों पर लकड़कट्टों और शिकारियों ने इसे काटकर रास्ता बना लिया। परिणामस्वरूप तेंदुआ, नीलगाय, जंगली सूअर, हाथी सहित अन्य वन्य जीव खेतों से लेकर गांव की बस्तियों तक पहुंचने लगे और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ गईं। पिछले महीनों में महाराजनगर में बाघ और तेंदुए के हमलों की दो घटनाएं तथा मोतीपुर में एक घटना सामने आई, जिसने वन विभाग को गंभीर कदम उठाने के लिए मजबूर किया। इसके बाद वन क्षेत्राधिकारी नार्थ भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में भैरमपुर से महाराजनगर गांव तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी सुरक्षा बाड़ की मरम्मत कराई गई है। कई स्थानों पर जालियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं, खंभे झुक गए थे और तारबाड़ टूट गई थी। इन खामियों का फायदा उठाकर जंगली जानवर जंगल से निकलकर गांवों और खेतों तक पहुंच जाते थे। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहता था और फसलें भी बर्बाद हो रही थीं। रात में किसानों को खेतों की रखवाली करनी पड़ रही थी, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा था। अब सुरक्षा बाड़ मजबूत होने के बाद ग्रामीणों ने राहत महसूस की है। उनका कहना है कि लंबे समय से टूटी जालियों के कारण आर्थिक नुकसान के साथ-साथ जान-माल का खतरा बना रहता था। मरम्मत के बाद स्थिति में सुधार की उम्मीद जगी है। वन विभाग का मानना है कि इस पहल से मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में कमी आएगी और जंगल तथा गांव के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मजबूत की गई जाली नियमित निगरानी का आश्वासन

वन विभाग की टीम ने क्षतिग्रस्त हिस्सों को हटाकर नई और मजबूत जाली लगाई है। टूटे खंभों को बदला गया और तारबाड़ को कसकर दुरुस्त किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अब सुरक्षा जाली का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। जहां भी कमजोरी पाई जाएगी, तुरंत मरम्मत कराई जाएगी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध कटान की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

1,398 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, 32 गैरहाजिर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गुरुवार को जिले के 129 परीक्षा केंद्रों पर यूपी बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय से पहले ही परीक्षार्थियों की आवाजाही शुरू हो गई थी। प्रशासन की सतर्क निगरानी के बीच परीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। गुरुवार की परीक्षा में कुल 1,430 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,398 ने परीक्षा दी, जबकि 32 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्रथम पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 1,416 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 1,385 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 31 अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई और सभी को निर्धारित नियमों का पालन कराते हुए परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।

वहीं प्रथम पाली में हाईस्कूल के एक विषय की परीक्षा भी आयोजित हुई, जिसमें कुल 14 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 13 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। परीक्षा को निष्पक्ष एवं नकलविहीन बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई।

इसके अलावा स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट और सचल दल लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि गुरुवार की परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई, बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं।

उपस्थिति का विवरण

इंटरमीडिएट (प्रथम पाली)
पंजीकृत – 1,416
उपस्थित – 1,385
अनुपस्थित – 31

हाईस्कूल (प्रथम पाली)
पंजीकृत – 14
उपस्थित – 13
अनुपस्थित – 01

संस्कृति के संगम में लोकसंस्कृति की दिखी अनुपम झलक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

महोत्सव में एकांकी प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

- दुधवा टाइगर रिजर्व के चंदन चौकी में गूंजा भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026

अमृत विचार: भारत और नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत का अनुपम उत्सव, भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026 दुधवा टाइगर रिजर्व के चंदन चौकी में उल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। संस्कृति-पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने सीमाओं से परे मित्रता, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक शोभा यात्रा से हुई, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। दीप प्रज्वलन के साथ मंचीय कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ और इसके बाद लोक संस्कृति की रंगीन झलकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर जादू कला से लेकर लोक गायन और थारू लोक नृत्य तक विविध प्रस्तुतियों ने तालियों की गूंज से प्रेक्षागृह को भर दिया। हर्ष अग्निहोत्री की जादू प्रस्तुति ने आश्चर्य का वातावरण बनाया, वहीं दीपिका मिश्रा का लोक गायन, गौरी शंकर का लोक गायन, सुप्रिया भारती का गायन एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त राकेश उपाध्याय के द्वारा निमिया के डार, होली उलरारा जैसे अन्य धुनों की मधुरता बिखेरी।

स्वधा मिश्रा के बधावा लोक नृत्य तथा प्रेरणा कठारिया, लक्ष्मण प्रसाद राणा एवं दुधवा थारू मयूर मंडली निर्मला दल की प्रस्तुति ने भारत-नेपाल की सांस्कृतिक निकटता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि नेपाल भाषा विधि संयोजक कमल राना, एसडीएम न्यायिक आरती यादव, ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र शुक्ला, तहसीलदार ज्योति वर्मा, जितेंद्र सिंह परिहार आदि मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में बनाए गए चित्रों को देखते अतिथिगण। ● अमृत विचार

चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

लखीमपुर खीरी : भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के तहत राजरानी माता शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, बेहजम में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर रंगों, उत्साह और रचनात्मकता से सराबोर नजर आया। मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष करूणाकांत शुक्ला रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह मौजूद रहे, जबकि स्वतंत्र कलाकार संजीव गुप्ता बतौर अतिथि रहे। विद्यालय के व्यवस्थापक उमेश कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य आलोक कुमार सैनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य संतोष मिश्रा, कला शिक्षक अभिषेक गुप्ता आदि मौजूद रहे। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

बैक गियर में दौड़ी कार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- अस्पताल रोड पर हुआ हादसा, मची भगदड़

अमृत विचार: जिला अस्पताल रोड पर खीरी सांसद के कार्यालय के निकट गुरुवार को एक कार बैग गियर में दौड़ पड़ी। इस दौरान कार की चपेट में आने से कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होते होते टल गया। इस मामले में अभी तक किसी ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है।

हादसा गुरुवार की दोपहर हुआ। जिला अस्पताल रोड शहर की प्रमुख रोड है। इस मार्ग पर काफी भीड़भाड़ रहती है। खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा के संसदीय कार्यालय के निकट उस समय अफरा तफरा मच गई, जब एक गैराज में खड़ी कार उल्टा दौड़ पड़ी। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक कार कुछ बाइकों को टक्कर कारने के बाद अचानक रूक गई। इससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यह तो गनीमत रही कि कार की चपेट में कोई पैदल राहगीर नहीं आया, अन्यथा बड़ी अनहोनी घट सकती थी। बताते हैं कार एक दवा व्यापारी की थी, जिसे उसका बेटा बाहर निकाल रहा था। अचानक बैक गियर डालते ही कार पीछे की ओर भाग पड़ी। इस संबंध में शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह कहना है कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। यदि कोई शिकायत मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड बैठक में कुंभी मिल की गैरहाजिरी पर नाराजगी

संवाददाता, मैगलगंज

बैठक में मौजूद संचालक व कर्मचारी। ● अमृत विचार

- सहकारी गन्ना समिति मैगलगंज की बोर्ड बैठक
- खाद गोदाम और एजीएम की तैयारियों पर चर्चा

अमृत विचार: मैगलगंज स्थित सहकारी गन्ना समिति मैगलगंज की प्रबंध समिति की बैठक गुरुवार को समिति परिसर में आयोजित हुई, जिसमें कुंभी चीनी मिल के किसी अधिकारी के न आने पर कड़ी नाराजगी जताई गई। बैठक में चीनी मिल को नोटिस देने का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने की। बैठक में गत वर्ष की कार्यवाही की समीक्षा की गई। दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 तक हुए आय-व्यय का अवलोकन कर अनुमोदन पर विचार किया गया। साथ ही अपर गन्ना आयुक्त के निर्देशों के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट की रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा हुई। प्रबंध समिति ने औरंगाबाद खाद गोदाम को पुनः चालू करने तथा मितौली खाद गोदाम को कब्जा मुक्त कराने के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। आगामी एजीएम की बैठक को लेकर भी चर्चा की गई और उसे और अधिक व्यापक रूप से आयोजित करने का सुझाव रखा गया।

बैठक में डीसीएम अजबापुर चीनी मिल की ओर से रीजनल हेड रमेश चौधरी उपस्थित रहे। वहीं कुंभी चीनी मिल का कोई प्रतिनिधि बैठक में नहीं पहुंचा, जिस पर बोर्ड सदस्यों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। समिति की ओर से कुंभी चीनी मिल को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष बृजेश सिंह, गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर, अमित सिंह, चंद्रशेखर सिंह, मुन्नालाल पाल, प्रतिनिधि अमृतेश अवस्थी, प्रतिनिधि सत्येंद्र यादव, हर्ष वर्मा, सचिव नंदलाल सहित तमाम संचालक और समिति कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेमी ने रोकी दुल्हन की कार, किया शादी का दावा

संवाददाता, धौरहरा

- आर्य समाज विवाह के दस्तावेज सामने आने से हड़कंप

अमृत विचार: सिसैया-ईसानगर रोड पर उस समय फिल्मी अंदाज में ड्रामा हो गया। जब एक युवक ने दुल्हन को ले जा रही कार को ओवरटेक कर बीच सड़क पर रोक लिया। युवक ने खुद को दुल्हन का प्रेमी बताते हुए आर्य समाज मंदिर में विवाह के फोटो और दस्तावेज दिखाए। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी पक्षों को कार्यालय ले जाया गया, जहां देर शाम तक चली पंचायत के बाद समझौता हो गया।

पढ़ुआ थाना क्षेत्र के एक गांव से बारात दुल्हन को विदा कराकर ईसानगर क्षेत्र के एक गांव जा रही थी। दोपहर करीब दो बजे सिसैया-ईसानगर मार्ग पर इमिलिया के पास एक युवक बाइक से कार के आगे आ गया। ओवरटेक कर कार रुकवाते ही कार का दरवाजा खोलकर दुल्हन को उतारने की कोशिश करने लगा। घटनाक्रम से बारातियों में अफरा-तफरी मच गई। युवक का दावा था कि युवती उसकी प्रेमिका है और दोनों ने आर्य समाज मंदिर में विवाह किया है। उसने फोटो और संबंधित प्रपत्र भी दिखाए। स्थिति बिगड़ती देख बारातियों ने यूपी-112 पर सूचना दी। पुलिस सहमति न बनने पर सभी पक्षों को पीआरवी से धौरहरा स्थित क्षेत्राधिकारी कार्यालय ले गई। आहत वर पक्ष ने दुल्हन को अपनाने से इनकार कर दिया। वहीं युवती ने प्रेमी के साथ जाने से मना करते हुए दूल्हे के साथ ही जाने की इच्छा जताई। दिनभर क्षेत्राधिकारी धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह ने समझाने का प्रयास किया। सीओ ने बताया कि लड़का-लड़की दोनों बालिग हैं। युवक द्वारा विवाह के फोटो और दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे, जबकि युवती के परिजनों ने उसकी शादी ननिहाल पक्ष में तय कर दी थी। किसी भी पक्ष ने पुलिस कार्रवाई की इच्छा नहीं जताई और आपसी सहमति से समाधान निकालने पर सहमति बनी।

शाम तक चली पंचायत के बाद युवती को मायके भेज दिया गया, जहां दोनों पक्षों के बीच सुलह हो गई। इसके बाद दोबारा बारात आई और विधिवत विदाई के बाद दुल्हन दूल्हे के साथ रवाना हो गई। घटना को लेकर क्षेत्र में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

गोष्ठी में निपुण भारत मिशन पर जोर

गोष्ठी में मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, खमरिया

- शैक्षिक गुणवत्ता, उपस्थिति व डीबीटी क्रियान्वयन पर मंथन

अमृत विचार: कस्बे के बीबीएलसी इंटर कॉलेज परिसर में गुरुवार को ब्लॉक ईसानगर क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ अखिलानंद राय ने की।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित इस ब्लॉक स्तरीय गोष्ठी में धौरहरा विधायक मुख्य अतिथि विनोद शंकर अवस्थी रहे। साथ ही क्षेत्रीय ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष, अभिभावक एवं शिक्षक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

वक्ताओं ने निपुण भारत मिशन के तहत विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को निपुण बनाने, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष बल दिया। साथ ही डीबीटी और कायाकल्प योजना के 19 बिंदुओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई। विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को निपुण लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि विद्यालयों को किसी प्रकार की समस्या आती है तो उन्हें अवगत कराया जाए, समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। एसआरजी अनुपमा मिश्रा ने शैक्षिक नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान शिक्षक लालता बाजपेई, प्रदीप वर्मा, राजेश यादव, रमेश चंद नागर, दुर्गेश श्रीवास्तव, महेश विश्वकर्मा, रजतमणि कश्यप, प्रदीप अवस्थी, गंगेश्वर दयाल मिश्रा, मनोज कुमार, सर्वेश जायसवाल, अनिल कटियार, रविंद्र कुमार, दिनेश कुमार भास्कर, अरुण आदि मौजूद रहे।

भाजपा संविधान का मूल ढांचा बदलना चाहती है

संवाददाता, पलिया कलां

- कांग्रेस पदाधिकारियों ने की प्रेसवार्ता, संघर्ष का ऐलान

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए भाजपा पर संविधान के मूल ढांचे को बदलने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन कर संगठन को मजबूत कर रही है।

स्थानीय एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने कहा कि भाजपा संविधान की मूल भावना से छेड़छाड़ करना चाहती है। आरोप लगाया कि मनरेगा का नाम बदलकर गरीबों के वास्तविक अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। यूजीसी से जुड़े निर्णयों के माध्यम से सवर्ण वर्ग के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। साथ ही, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ सरकार द्वारा दुर्भावनापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। शिक्षक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अमित राय और महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर अनामिका यादव ने कहा कि सरकार मूल समस्याओं से ध्यान हटाने का काम कर रही है। किसान कांग्रेस के अध्यक्ष बृज मौर्य ने पलिया की स्थानीय समस्याओं को उठाने का आश्वासन दिया। पत्रकारों ने शारदा से सिल्ट हटाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने, थारू आदिवासियों पर वन विभाग द्वारा दर्ज मुकदमों तथा एक विद्यालय में छात्राओं से छेड़खानी के मामलों पर विपक्ष की सक्रियता पर सवाल उठाए। अंत में पदाधिकारियों का स्वागत नगर के अमर गुप्ता, आबिद हुसैन खां, रामू त्रिवेदी एडवोकेट, शुभम अग्निहोत्री, उमेश मिश्रा, रामचंद्र सिंह, आदिल खान, राजन यादव और आकिब आदि ने किया।

पत्रकारों से वार्ता करते उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री के पुत्र प्रवेन्द्र पुत्र अशोक से उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर उससे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **चन्द्रकली पत्नी रामलाल निवासी ग्राम बरकलीगंज थाना कैण्ट जिला बरेली**

सूचना
मैंने अपने पुत्र माधव पाठक को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **आलोक पाठक पुत्र जितेन्द्र पाठक निवासी ग्राम नूरपुर पिनौनी थाना- इस्लामनगर तह. बिल्सी जिला बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड 689801492198 में मेरा नाम हरि नंदन (Hari Namdan) दर्ज था। किन्तु अब मैने अपने आधार कार्ड में संशोधन करवाकर अपना सही नाम हरि नन्दन (Hari Nandan) दर्ज करा लिया है। जो वास्तविक व सही नाम है। **हरिनन्दन पुत्र श्री हेतराम निवासी मोहम्मदी पुठी सराय जिला बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं. U3541146 में मेरा नाम भूलवश Jasvindar Kaur दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम Jasvinder Kaur है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी Jasvinder Kaur ही दर्ज है। **जसविन्दर कौर पत्नी सवेंदर सिंह निवासी पोस्ट आफिस जटपुरा, जिला पीलीभीत।**

आवश्यकता है
प्राचार्य / असि. प्रो. एलएल.बी. व बी.ए. एलएल.बी. विधि, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी व इतिहास विषयों के लिए। इच्छुक अभ्यर्थी 7 दिन के अन्दर अपने सम्पूर्ण शैक्षिक अभिलेखों सहित बायोडाटा भेजें।
योग्यता व वेतन UGC मानकानुसार।
E-mail: lbslaw50@gmail.com
एल.बी. एस. कॉलेज ऑफ लॉ
नवाबगंज (बरेली) मो. नं. 9412360790

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

लखीमपुर की कमान अरविंद गुप्ता को

लखनऊ, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को संगठन पर्व के तहत बचे हुए 14 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी। इसके साथ ही प्रदेश में सभी जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा की प्रक्रिया पूरी हो गई है। लंबे समय से अपने खास को जिलाध्यक्ष बनाने की पेशबंदी में घोषणा अटकी हुई थी। प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि संगठनात्मक ढांचा अब पूरी तरह तैयार हो गया है, जिससे आगामी चुनावी रणनीति को और धार मिलेगी। घोषित जिलाध्यक्षों में शामली से रामजी लाल कश्यप, अमरोहा से उदय गिरी गोस्वामी, सहारनपुर जिला से अजीत सिंह राणा, बागपत से नीरज शर्मा, पीलीभीत से गोकुल प्रसाद मौर्य, लखीमपुर से अरविंद गुप्ता आदि को कमान सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं में समन्वय बनाना प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

हादसे के बाद नहर में डूबने से एक की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया क्षेत्र के गांव करगैना पीरा निवासी अर्जुन और रूपलाल शनिवार को बाइक से गांव मधवापुर स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरी करने जा रहे थे। पौटा डाम के पास नहर पुलिया के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया की दीवार से टकराई। रूपलाल बाइक से उछलकर नहर के गहरे पानी में जा गिरे और अर्जुन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की। रूपलाल की तलाश शुरू की। पानी का बहाव बंद कराया। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला जा सका। अर्जुन को पुलिस ने अस्पताल भर्ती कराया।

अग्निवीर भर्ती रैली 11 से, 12 जिलों के हजारों अभ्यर्थी होंगे शामिल

अग्निपथ योजना के तहत जाट रेजिमेंट में होने वाली भर्ती रैली को तैयारियां तेज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जाट रेजिमेंट केंद्र परिसर सभागार में तैयारियों के संबंध में संयुक्त बैठक आयोजित

अमृत विचार : जाट रेजिमेंट केंद्र परिसर में 11 से 23 मार्च तक अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। इसमें बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर सहित 12 जनपदों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। भारतीय सेना की अग्निपथ योजना के अंतर्गत होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। जाट रेजिमेंट केंद्र परिसर के सभागार में गुरुवार को तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। इसमें हजारों नौजवानों के बरेली आने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके मद्देनजर रणनीति बनायी गयी। एडीएम सिटी ने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने और प्रत्येक व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने कहा कि अभ्यार्थियों की सुविधा के ध्यान में रखते हुए पेयजल, अस्थायी शौचालय, विश्राम स्थल, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था कराएं। भीड़ नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखें। परिवहन विभाग को यातायात सुचारु रखने और जाम की स्थिति से निपटने के लिए समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम को तैयार रहने के निर्देश दिए। नगर विकास से संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई। सेना के अधिकारी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण माहौल से संपन्न कराई जाएगी। अभ्यार्थियों से समय पर पहुंचने, आवश्यक दस्तावेज साथ लाने और अफवाहों एवं दलालों से दूर रहने की अपील की गई हैं।

बैठक में सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक, पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष शिवम सहित जिला प्रशासन व सेना के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर चल रही तैयारियों का भी निरीक्षण किया। अग्निवीर भर्ती रैली में बरेली, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, सीतापुर, संभल, पीलीभीत, हरदोई, फर्रुखाबाद और बदायूं के हजारों अभ्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है।

ये अग्निवीर भर्ती रैली का शेड्यूल

अग्निवीर भर्ती रैली के कार्यक्रम के अनुसार 11 मार्च को अग्निवीर (टेक्निकल) सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए और 12 मार्च को अग्निवीर (ट्रेड्समैन आठवीं एवं दसवीं) सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए एवं अग्निवीर (क्लर्क/ एसकेटी) सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए होगी। इसके साथ 13 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और लखीमपुर खीरी, 14 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) शाहजहांपुर और सीतापुर, 15 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) संभल और पीलीभीत, 16 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) हरदोई, 17 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) फर्रुखाबाद, 18 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बदायूं व 19 मार्च को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बरेली जिले के अभ्यर्थियों के लिए रैली आयोजित की जाएगी।

अभ्यर्थी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर साथ रखें

सेना भर्ती के निदेशक ने अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि सभी अभ्यर्थी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर साथ रखें एवं सभी जरूरी कागजात अवश्य लेकर आएं। किसी कारणवश किसी भी अभ्यर्थी का उन्हें पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजा गया रैली एडमिट कार्ड यदि डाउनलोड नहीं हो रहा है तो वह सेना भर्ती कार्यालय बरेली में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच संपर्क कर सकता है।

फिर सपा में शामिल हो सकते हैं हेमराज वर्मा, लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात करते पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा।

- सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संग मुलाकात का फोटो वायरल राजनीति गरमाई
- 2012 में बरखेड़ा से चुनाव जीतकर खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री बने थे हेमराज वर्मा

अमृत विचार: विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पीलीभीत में राजनीतिक समीकरण बदलना शुरू हो गए हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बसपा के दिग्गज नेताओं में शुमार पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। अब एक और पूर्व मंत्री समाजवादी पार्टी में वापसी की तैयारी लगभग तय कर चुके हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लखनऊ में हुई पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा की मुलाकात ने खलबली मचा दी है। माना जा रहा है कि जल्द ही उनकी सपा में वापसी की औपचारिक घोषणा बाकी है। फिलहाल दोनों की मुलाकात का फोटो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद राजनीति गरमा गई है।

बता दें कि सत्ताधारी भाजपा हो या फिर अन्य विपक्षी दल। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए राजनीतिक दलों में तैयारियां तेज हैं। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को एकजुटता और सक्रियता का पाठ पढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में जिले की चार विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। आगामी चुनाव को लेकर दावेदारों की लंबी फेहरिस्त अभी से है। भाजपा में नए जिलाध्यक्ष की घोषणा का इंतजार है। इसे लेकर 28 दिग्गज दावेदार है। वहीं, विपक्षी दल तराई के जनपद में खोई सियासी जमीं पाने की जुगत में लगे हुए हैं। बसपा के दिग्गज नेता पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू बीते दिनों समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। इसके बाद अब पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा की सपा में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। उन्होंने लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की है। बता दें कि हेमराज वर्मा 2012 में सपा से विधानसभा बरखेड़ा सीट से चुनाव लड़े थे। भारी मतों से जीत दर्ज कर विधायक बने और खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री बनाए गए थे। तीन साल पहले 2023 में वह सपा छोड़, भारतीय जनता पार्टी में चले गए थे। इसके बाद से वह भाजपा में ही थे। अब उनकी सपा में वापसी की चर्चाएं तेज हो चुकी है। इसे आगामी विधानसभा चुनाव में दावेदारी से जोड़कर ही देखा जा रहा है। उनका अखिलेश यादव से मुलाकात करने का फोटो भले गुरुवार शाम को तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हो, लेकिन बीते दो दिन से इससे जुड़ी चर्चाओं का बाजार गरमा गया था। फिलहाल राज्यमंत्री हेमराज वर्मा की सपा में वापसी की अधिकारिक घोषणा का इंतजार है। पूर्व मंत्री ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से हुई मुलाकात को स्वीकारने के साथ ही वापसी की ओर भी इशारा कर दिया है। फिलहाल अब विधानसभा चुनाव की तैयारी करने वाले दावेदारों में भी खलबली मच गई है।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया

कॉन्क्लेव में शामिल अतिथिगण। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के बीएमआईएलएल द्वारा 25 फरवरी को विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार, सभी कॉलेजों के प्रधानाचार्य, विभागाध्यक्ष और कैंपस कैटलिस्ट् विशेष रूप से उपस्थित रहे और सक्रिय रूप से सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की टीम बनाकर केस स्ट्डी गतिविधियां आयोजित की गईं तथा जागरूकता बढ़ाने के लिए क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई। साथ ही विश्वविद्यालय के सभी प्रतिनिधियों ने मिलकर विभिन्न नीतियों का निर्माण एवं रूपरेखा तैयार की जिन्हें आगामी समय में प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एमबीबीएस एवं आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों को अवसर प्रदान किया गया कि वे अपने नवचारों एवं परियोजनाओं को सभी के समक्ष प्रस्तुत करें।

विशिष्ट अतिथि हसन खिमजी ने टीम को आगे बढने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अपने अनुभव और व्यवसायिक दृष्टिकोण से टीम को नवाचार, नेतृत्व तथा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

जिपं अध्यक्ष पति व व्यापारी के बीच गहराया विवाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- व्यापारी ने परिवार समेत मिल के बाहर दिया धरना, लगाए आरोप

अमृत विचार: पूरनपुर के एक व्यापारी और जिपं अध्यक्ष पति के बीच राइस मिल के सौदे को लेकर पिछले काफी समय से चल रहे विवाद में एक बार फिर हंगामा हो गया। व्यापारी ने परिवार मिल पर अवैध तरीके कब्जा करने, धमकाने समेत अन्य संगीन आरोप लगाए। राइस मिल के बाहर ही परिवार समेत धरना दिया।

बता दें कि पूरनपुर के रहने वाले व्यापारी भीमसेन अग्रवाल ने बीते दिनों मुख्यमंत्री से की गई शिकायत में बताया था कि जिला पंचायत अध्यक्ष, उनके पति आदि को उन्होंने अपनी एक राइस मिल का सौदा किया था। एग्रीमेंट का समय बीतने के बाद 2.38 करोड़ रुपये बैंक में जमा किया गया, जिसमें 14 माह का ब्याज बैंक का शामिल था। अभी भी बैंक का बकाया, बिजली बिल, मंडी और जीएसटी का करीब चार करोड़ का बकाया है। आरोप था कि बिना रुपये दिए रजिस्ट्री कराने के लिए प्रताड़ित कराया जाता रहा। इसके बाद शिकायतें चली लेकिन विवाद का कोई पूर्णतया हल नहीं निकला। इसी विवाद को लेकर गुरुवार को हंगामा हो गया। व्यापारी के पुत्र संजीव अग्रवाल समेत परिवार के अन्य लोगों ने मिल के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि उन्होंने अपनी राइस मिल पांच करोड़ रुपये में जिपं अध्यक्ष के पति को पांच करोड़ रुपये में बेची थी। उन्होंने मिल का एक साल का एग्रीमेंट कराया लेकिन रजिस्ट्री नहीं कराई। फिर रुपये बाद में लेने की बात कहकर समय मांगते रहे। गुरुवार को पिता जब मिल से सामान निकालने आए तो आरोप है कि वहां मौजूद नौकर ने अंदर से ताला लगा लिया। कई बार शिकायत की गई लेकिन सुनवाई नहीं हुई। कहा कि अपनी मिल पर हमने अपने ताले लगा दिए। अब अगर ये टूटते हैं तो संबंधित लोग जिम्मेदार होंगे। वर्तमान में ये प्रापर्टी दस करोड़ की है। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया। मामला चर्चा का विषय बना रहा। इसके वीडियो भी वायरल होते रहे।

जिपं अध्यक्ष पति बोले: हमें बैंक ने दी संपत्ति इनसे कोई लेना-देना नहीं

इधर, जिला पंचायत अध्यक्ष के पति भाजपा नेता गुरभाग सिंह का कहना है कि उन पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। ये राइस मिल पंजाब नेशनल बैंक ने हमें थी। संबंधित व्यापारी पर कर्ज बहुत है। बैंक ने जितना लोन बताया, उतना हमारी ओर से जमा किया जा चुका है। जिस दिन एग्रीमेंट की तिथि आई तो ये टालमटोल करने लगे। ऐसे में फिर रेट बढ़ा दिए। लगातार टालमटोल करते रहे। अन्य लोगों का भी संबंधित परिवार पर कर्जा है। हमारा चार करोड़ में सौंदा तय हुआ, उसी के स्टांप भी लगे थे। हमें बैंक ने संपत्ति दी है, बैंक को कहेअनुसार रुपये दे दिए गए। इनका एक अन्य घर आदि संपत्ति भी नीलाम हो चुकी है। मेरे पास बैंक लोन के कागज, खाते में दिए गए रुपये के स्टेटमेंट आदि सब प्रमाण है। अब बेईमानी करने की कोशिश की जा रही है। इस संपत्ति को लेकर हमारा लेनदेन बैंक से था, इनसे नहीं।

बीसी सखी बन 584 महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

विकास भवन में चयन समिति के समक्ष साक्षात्कार देती आवेदक। ● अमृत विचार

- विकास भवन में 51 ग्राम पंचायतों में बीसी सखी के लिए हुआ साक्षात्कार

अमृत विचार: ग्रामीण अचंलों की महिलाएं अब सिर्फ घरों के रसोई घर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब वे विभिन्न रोजगारों से जुड़कर खुद को आत्मनिर्भर बना रही है। जनपद में 584 महिलाएं बीसी सखी बनकर गांव में ही रोजगार पा चुकी है। इसी कड़ी में अब 51 और महिलाएं बीसी सखी बनने जा रही है। गुरुवार को विकास भवन में 51 ग्राम पंचायतों के लिए महिला बीसी सखी बनने के लिए साक्षात्कार देने पहुंची। सफल आवेदकों को प्रशिक्षण के बाद बीसी सखी बनाया जाएगा।

जनपद के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए रोजगार के मौके लंबे अरसे तक सीमित ही रहे हैं। मगर, अब सरकार की महत्वाकांक्षी बीसी सखी योजना ने उनके जीवन में नई रोशनी भर दी है। जनपद में अब तक करीब 584 महिलाएं बीसी सखी बनकर रोजगार प्राप्त कर चुकी है। सभी बीसी सखी डिजिटल और वित्तीय सेवाओं की पहुंच ग्रामीणों तक सहजता से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सरकार से प्रत्येक बीसी सखी को छह माह तक चार हजार रुपये मानदेय और उसके बाद कमीशन पर काम करती हैं।

बैंक सखी की महिलाओं का काम तीन दिन बैंक व तीन दिन गांवों में रहकर काम करना होता है। बीसी सखी घर-घर जाकर बैंकिंग लेनदेन, खाता खोलने, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने आदि काम करती हैं। इधर गुरुवार को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बीसी सखी के लिए 51 ग्राम पंचायत के सापेक्ष साक्षात्कार का आयोजन विकास भवन में किया गया। सीडीओ की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष पहुंचकर आवेदकों ने साक्षात्कार दिया। इसे लेकर विकास भवन में चहल-पहल रही। उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह ने बताया कि साक्षात्कार में सफल आवेदकों के प्रशिक्षण के बाद पदस्थापित करने की कार्रवाई की जाएगी।

बेटे ने पिता को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : जहानाबाद क्षेत्र के गांव भौना निवासी नेमचंद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को बेटा सचिन कुमार बेवजह गाली देने लगा। विरोध किया तो आरोपी, शेर सिंह, और वेद प्रकाश ने मारपीट की। किसी तरह लोगों ने उन्हें आरोपियों से छुड़वाया। पुलिस ने मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

होली पर शहर में जलापूर्ति रहेगी बेहतर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रंगों के त्योहार होली को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने शहर में पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता को लेकर विशेष तैयारी शुरू कर दी है। पालिका प्रशासन ने दावा किया है कि इस बार त्योहार के दौरान नागरिकों को पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए नियमित जलापूर्ति के साथ अतिरिक्त समय में भी पानी उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है, ताकि लोग बिना किसी परेशानी के होली का आनंद ले सकें।

इरा श्रीवास्तव।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि शहर में रोजाना की तरह सुबह और शाम जलापूर्ति जारी रहेगी। इसके अलावा होली के दिन 4 मार्च को दोपहर में भी अतिरिक्त जलापूर्ति कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक विशेष रूप से पानी छोड़ा जाएगा, जिससे रंग खेलने के बाद लोगों को साफ-सफाई में किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया गया है। विशेष रूप से बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया है, ताकि पंपिंग स्टेशनों का संचालन निर्बाध रूप से चलता रहे और शहर के सभी इलाकों तक पर्याप्त पानी पहुंच सके। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि यदि किसी मोहल्ले में किसी कारणवश जलापूर्ति प्रभावित होती है, तो वहां तत्काल टैंकर भेजकर पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए नगर पालिका ने पहले से ही 10 पानी के टैंकर तैयार रखे हैं, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर तुरंत प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी समस्या की सूचना पालिका को दें, जिससे त्वरित समाधान किया जा सके।

होलिका दहन स्थलों पर सफाई और लकड़ी की विशेष व्यवस्था

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने बताया कि होली पर्व को लेकर शहर के सभी होलिका दहन स्थलों पर विशेष साफ-सफाई कराई जा रही है। इन स्थानों के आसपास चूना डलवाकर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही होलिका दहन के लिए आवश्यक लकड़ी की व्यवस्था भी नगर पालिका की ओर से की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास भी साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिससे त्योहार के दौरान शहर में स्वच्छता और व्यवस्था बनी रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं०: IZN-EnHM-ERW-PH-42-T-2-25 के अर्न्तगत निम्नलिखित कार्य के लिए, सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :- कार्य का नाम : डेवलेपिंग एन इको पार्क ऐट कासगंज कोचिंग डिपो इन द एरिया ऑफ 3500 sqm एंड नियर ए.आर.टी. क्रेन शेड इन द एरिया ऑफ 1460 sqm, इन इज्जतनगर डिवीजन।, कार्य की अनुमानित मूल्य (रू०) : 44,23,131.61, बयाना राशि (रू०) : 88,500.00, निविदा प्रपत्र की लागत- शून्य, कार्य की अवधि- स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 10 महीने (पार्क बनाने तथा पौधारोपण कार्य हेतु 04 महीने और मेन्टीनेन्स कार्य हेतु 06 महीने)। ई-निविदा बंद करने की तिथि एवं समय : दिनांक 19.03.2026 को समय 15:00 बजे। ● निविदाकर्ता 19.03.2026 को समय 15:00 बजे तक अपनी ई-निविदाएँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। ● कृपया संपूर्ण विवरण देखने और ई-निविदा अपलोड/जमा करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक इजी० (ईएनएचएम), इज्जतनगर

मुजाधि/यॉंत्रिक - 146

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत

पत्रांक- 2056/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक: 24 फरवरी 2026

ई-निविदा शुद्धि पत्र

कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत की ई-निविदा सूचना संख्या- 1995/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 10.02.2026 एवं कार्यालय पत्रांक 2019 दिनांक 17.02.2026 द्वारा दिनांक 26.02.2026 तक आमंत्रित ई-निविदाओं को कतिपय कारणोंवश समयवृद्धि करते हुये दिनांक 02.03.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमत्रित किया जाता है, जिन्हें दिनांक 24.02.2026 से 02.03.2026 को अपरान्ह 02 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर अपलोड किया जा सकता है, जिन्हें दिनांक 02.03.2026 को ही अपरान्ह 03:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत में गठित समिति द्वारा ऑनलाइन खोला जायेगा। समस्त ठेकेदारों/फर्मों को सूचनार्थ।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, पीलीभीत

कार्यालय ग्रा.प. उल्ला विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा 23.02.2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत उल्ला विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 01.03.2026 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	मॉडर्न शॉप (उचित दर विक्रेता) निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	रविंद्र के घर से महेश के खेत तक सीसी इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो.सं.-2 बरेली में स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं.-सी-663 श्री राज कुमार पुत्र स्व. श्री खुशी राम को आवंटित किया गया था। श्री राज कुमार पुत्र स्व. श्री खुशी राम द्वारा अपने पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 11.02.1998 को निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह को कर दिया गया। अब श्रीमती जगरानी द्वारा अवगत कराया गया है कि काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में नहीं प्रस्तुत कर पा रही हूँ। इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूँ तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये है।

अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र नगर यो.सं.-2, बरेली में स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं. सी-663 का अन्तरण श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह के पक्ष में किया जाना है। दु.आ. वर्ग सं. सी-663 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी व्यक्ति/ऋणदायी संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते है। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तद्नुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से-सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1536/141सी0(ई0टेण्डर)-3/26 दिनांक: 20.02.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 28.02.2026 से दिनांक 07.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 07.03.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	ग्राम पंचायत बल्लिया में गठिया रामापुर बरकतपुर तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	56.50	4.20	60.70	5.04	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
3	ग्राम बारा में श्री रामदेव वर्मा के प्रतिष्ठान से ग्राम तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26)		96.80	7.26	104.06	7.21	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	ग्राम पंचायत हथौड़िया स्थित कृष्ण बिहार कॉलोनी में शारस्वत श्रीवास्तव के मकान से राजीव सक्सेना के मकान तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26)		66.30	1.66	67.96	5.40	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
5	सतवां बुजुर्ग रिंग रोड से पी0के0 सिंह फार्म हाउस तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025-26)		108.00	8.10	116.10	7.81	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-247017 दिनांक 25.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहजहांपुर

पत्रांक- मु.चि.अ./एन.एच.एम./नगरीय-पॉलीक्लीनिक/2026/9842 दिनांक: 26 फरवरी 2026

चयन विज्ञप्ति (नगरीय पॉलीक्लीनिक हेतु विशेषज्ञ चिकित्सक इम्पैनलमैंट विषयक)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जनपद शाहजहांपुर में पॉलीक्लीनिक हेतु 02 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का चयन किया जाना है। जहां विशेषज्ञों को इम्पैनल करते हुये कार्य लिया जायेगा। जिस हेतु विशेषज्ञों द्वारा किये गये ओ.पी.डी. हेतु रू. 5,000/- प्रति विशेषज्ञ प्रति दिवस प्रत्येक माह के 25 कार्य दिवसों हेतु देय होगा। इस प्रकार प्रति दिन 02 विशेषज्ञों द्वारा पॉलीक्लीनिक पर अपना योगदान दिया जायेगा। जो विशेषज्ञ चिकित्सक (ओब्स एण्ड गायनी, जर्नल फिजिशियन, पीडियाट्रीशियन, डर्माटोलॉजिस्ट, ऑर्थोपैडिक, सर्जन, ऑप्थार्मोलॉजिस्ट, ई.एन.टी. सर्जन, साइकाइट्रिस्ट) पॉलीक्लीनिक में कार्य करने हेतु इच्छुक हो, उक्त कार्य करने हेतु अपना सहमति पत्र (वांछित अभिलेखों सहित) कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर में 14 मार्च 2026 (शनिवार) तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें (अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर में सम्पर्क करें।)

मुख्य चिकित्साधिकारी, शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

हर जिले में विकसित होंगे 100 मॉडल तालाब

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के हर जिले में 100-100 तालाबों को 'मॉडल तालाब' के रूप में विकसित किया जाएगा। इन तालाबों को ग्रे वाटर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा, जिससे जल गुणवत्ता सुधरेगी और मच्छरजनित बीमारियों में कमी आएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब केवल जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि भू-जल रिचार्ज, सिंचाई, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लेकिन बीते वर्षों में प्लास्टिक अपशिष्ट और घरेलू ग्रे वाटर (स्नान, रसोई व कपड़े धोने से निकला पानी) सीधे तालाबों में जाने से जल प्रदूषण बढ़ा है, जिसका सीधा असर ग्रामीण स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ा है। इसी चुनौती को देखते हुए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायती राज विभाग ने मॉडल तालाब विकसित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह के अनुसार, चयनित तालाब के चारों ओर नो-प्लास्टिक जोन घोषित किया जाएगा और ग्राम पंचायत से प्लास्टिक न फेंकने का प्रस्ताव पारित कराया जाएगा। तालाब में गिरने वाली नालियों पर प्लास्टिक ट्रैप जाली और फिल्टर चैंबर लगाए जाएंगे। वहीं, ग्रे वाटर के उपचार के लिए नालियों के अंतिम सिरे पर बायो-फिल्टर सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें कंकड़, रेत और केली-केना जैसे पौधों का उपयोग होगा। इससे पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध होकर तालाब में पहुंचेगा।

सीधे जनता से हो जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर से कराने के साथ इसबार जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव सीधे जनता से कराने की मांग उठाई। उनका कहना है कि मतदान बैलेट पेपर से होने पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके। उन्होंने यूजीसी के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'बांटो और राज करो' की राजनीति कर रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को सांसद संजय सिंह ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जनता की सीधी भागीदारी नहीं है, जिससे जनादेश कमजोर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के दुरुपयोग के जरिए जिला पंचायत चुनावों को प्रभावित करती है। अगर सरकार वास्तव में लोकतंत्र में विश्वास रखती है, तो जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता से कराए और बैलेट से मतदान सुनिश्चित करे।

अफसरों की गोपनीय रिपोर्ट होगी डेटा आधारित

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए इसे पूरी तरह डेटा आधारित बनाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब केवल सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि लंबित मामलों, नए वादों और निस्तारित प्रकरणों की संख्या (डेटा) को एसीआर का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा। शासनादेश के अनुसार यह व्यवस्था भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा/पीसीएस) के सभी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों को अब स्पैरो पोर्टल पर अपनी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि के लिए स्व-मूल्यांकन करते समय यह डेटा अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। मुख्य सचिव ने आदेश में कहा है कि रिपोर्टिंग अधिकारी, समीक्षा अधिकारी, स्वीकृति अधिकारी तीनों को अधिकारी द्वारा दर्ज किए गए लंबित, नए और निस्तारित मामलों के डेटा को संज्ञान में लेते हुए ही अपना मूल्यांकन करना होगा।

सिंगापुर से जापान तक 'महाराज' का डंका

अभूतपूर्व सफलता से भरा रहा योगी का दौरा, 1.5 लाख करोड़ के एमओयू, 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर और जापान का चार दिवसीय विदेश दौरा निवेश, तकनीक और वैश्विक साझेदारी के लिहाज़ से अभूतपूर्व रूप से सफल रहा। इस दौरान हुए उच्चस्तरीय निवेश संवादों में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1.5 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जबकि 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह दौरा वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जापान दौरे के दौरान कृषि मशीनरी, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव सामने आए। जापान में जिन प्रमुख कंपनियों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए, उनमें कुबोटा कॉरपोरेशन, स्पार्क मिंडा (टोयो डेन्सो के सहयोग से), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री और नागासे एंड कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बी 2जी (सरकार से सरकार) बैठकों में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, रैपिडस कॉरपोरेशन, मारुबेनी कॉरपोरेशन, सुमितोमो रियलिटी एंड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और एमयूएफजी बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों ने सहभागिता की। इन कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को एशिया का उभरता हुआ निवेश केंद्र बताते हुए राज्य में दीर्घकालिक निवेश में रुचि जताई।

जापान दौरे की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की गई। यह केंद्र यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी अनुसंधान और कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी।

'जापान सिटी' और ऑटो क्लस्टर की योजना

- यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ में 'जापान सिटी' विकसित की जाएगी, जहां जापानी कंपनियों के लिए विशेष औद्योगिक वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही ऑटो ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए डेडिकेटेड ऑटो क्लस्टर और आरएंडडी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। 'इन्वेस्ट यूपी' में जापान डेस्क को और मजबूत किया जाएगा, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एल-जीरो सीरीज मैग्लेव ट्रेन की यात्रा और फानुक कॉरपोरेशन के रोबोटिक्स व फैक्ट्री ऑटोमेशन संयंत्र का भी दौरा किया। फानुक ने उत्तर प्रदेश में निवेश और एमएसएमई सेक्टर के तकनीकी उन्नयन में सहयोग की इच्छा जताई।

सिंगापुर में भी मिला निवेशकों का भरोसा

- सिंगापुर में आयोजित इन्वेस्टर रोड शो के दौरान एमआरओ, कार्गो हब, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, स्किलिंग और फिनटेक क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी। विशेष रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को एमआरओ और कार्गो हब के रूप में विकसित करने पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि प्रदेश का वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य अब ठोस धरातल पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत में दुनिया की अत्याधुनिक सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव हाई-स्पीड ट्रेन की सवारी की, जो परीक्षण के दौरान 500 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार हासिल करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी तेज गति के बावजूद ट्रेन बेहद स्थिर, सुरक्षित और आरामदायक रही।

निवेश प्रस्तावों से 5 लाख से अधिक रोजगार की उम्मीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरा रोजगार, निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस विदेश यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को कुल 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और लगभग 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और करीब 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, जबकि सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी समझौतों और प्रस्तावों को इन्वेस्ट यूपी और अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से लागू करेंगे, ताकि रोजगार सृजन का लाभ शीघ्र जमीन पर दिख सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा केवल समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्किलिंग और औद्योगिक निवेश के जरिए प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का माध्यम बनेगी। जापान और सिंगापुर दोनों देशों ने युवाओं के प्रशिक्षण, कौशल विकास और एमएसएमई सेक्टर में तकनीकी सहयोग के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, जिससे निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप मिलेगा और रोजगार सृजन की प्रक्रिया तेज होगी।

आईटीबी बर्लिन में दिखेगी यूपी पर्यटन की सशक्त मौजूदगी

- 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत के वैश्विक उत्सव में उत्तर प्रदेश का भव्य प्रदर्शन
- एडवेंचर, वेलनेस, मेडिकल से लेकर लग्जरी टूरिज्म तक दिखेगा यूपी पर्यटन विजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विश्व पर्यटन उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित मंच आईटीबी बर्लिन में उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध पर्यटन सर्किट और आधुनिक पर्यटन संभावनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 3 से 5 मार्च तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन वैश्विक पर्यटन विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं से सीधा संवाद करेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 का आयोजन बर्लिन एक्सपो सेंटर सिटी, मेसे डैम-22 में किया जाएगा। वर्ष 1966 से आयोजित हो रहा आईटीबी बर्लिन इस बार अपने 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उत्सव मना रहा है। मंत्री ने कहा कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अपने पर्यटन विजन और निवेश संभावनाओं के साथ दुनिया से संवाद करेगा। उन्होंने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 की थीम "डिस्कवर द स्टोरीज बिहाइंड 60 इयर्स ऑफ लेगेसी" रखी गई है, जो वैश्विक पर्यटन उद्योग की यात्रा, नवाचार, साझेदारी और भविष्य की दिशा को एक साथ प्रस्तुत करती है। यह थीम अतीत की विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाले वर्षों की रूपरेखा तय करने का भी संदेश देती है।

बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार प्रदर्शनी

- आईटीबी बर्लिन-2026 में प्रदर्शनी को पारंपरिक पर्यटन तक सीमित न रखकर एडवेंचर टूरिज्म, बिजनेस ट्रैवल, एलजीबीटीक्यू ट्रैवल, लग्जरी ट्रैवल, मेडिकल टूरिज्म और ट्रैवल टेक्नोलॉजी जैसे विविध सेगमेंट्स में विभाजित किया गया है। इसका उद्देश्य बदलती वैश्विक प्राथमिकताओं और यात्रियों की नई अपेक्षाओं को मंच प्रदान करना है। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन का भव्य पवेलियन इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। पवेलियन में अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में साइनेज, रचनात्मक डिस्प्ले, वीवीआईपी लाउंज, हस्तशिल्प, कलाकृतियां और ओडीओपी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन विभाग की वेबसाइट्स, मोबाइल एप्लीकेशन, पर्यटन सर्किट, वेलनेस और मेडिकल टूरिज्म की भी व्यापक प्रस्तुति की जाएगी।

11 करोड़ नकद, जेवर, महंगी घड़ियां और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज मिले

बसपा विधायक पर एक हजार करोड़ की टैक्स चोरी करने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बलिया के रसड़ा से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके नजदीकियों कि ठिकानों पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। सूत्रों का दावा है कि अभी तक 11 करोड़ से अधिक नकद बरामद हुए हैं, वहीं काफी मात्रा में जेवर, महंगी घड़ियों के साथ ही लेनदेन और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। विधायक द्वारा किए कारोबार में करीब एक हजार करोड़ रुपए के टैक्स चोरी की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अधिकारिक तौर पर पुष्टि नही की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस का कड़ा पहरा रहा।

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के विपुलखंड स्थित आवास के साथ ही बलिया, कौशांबी, सोनभद्र के ठिकानों के साथ ही मिजार्पुर और प्रयागराज में सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार की रात करीब 11 बजे विधायक के लखनऊ स्थित आवास से तो कार्रवाई समाप्त कर दी गई, लेकिन विपुलखंड में ही स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कारपोरेट आफिस में पहुंच कर टीम ने जांच शुरू कर दी। बलिया स्थित विधायक के गांव खनवर स्थित आवास के साथ ही रसड़ा स्थित होटल स्काई के अलावा विधायक के खास लोगों में शुमार भूपेन्द्र सिंह और प्रवीण सिंह के यहां पर छापेमारी की गई। सोनभद्र में साईराम इंटर प्राइजेज के साथ ही ठेकेदार के फैजी के ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी रही। इसके अलावा सोनभद्र में अन्य खनन कारोबारी जो कि किसी न किसी रूप में विधायक से जुड़े रहे उन सभी के यहां पर भी छापेमारी जारी रही।

भाजपा के छापे सरकारी डकैती होते हैं

- बसपा प्रमुख मायावती और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बाद अब अखिलेश यादव भी बसपा विधायक के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाए गए पैसों को लूटने के काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हैं, वहीं एजेंसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई ह्दयहीन हैं, इसलिए संवेदनहीन भी हैं।

डायरी खोलेगी सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के यहां छापे में नकदी, जेवर के साथ ही कथित तौर पर एक डायरी भी मिली है। डायरी में जहां शासन और प्रशासन के कई बड़े अफसरों को लेन-देन का ब्यौरा है, वहीं कई नौकरशाहों की ब्लैक मनी भी खनन और ठेकों में एडजस्ट करने के दस्तावेज भी मिले हैं। साफ है कि डायरी में एक तरह से सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच दर्ज है। उधर डायरी मिलने की खबर फैलने के साथ ही कई अफसरों और सफेदपोशों की बैचेनी बढ़ती जा रही है।

विधायक उमाशंकर सिंह ने जब से सियासत में कदम रखा, तब से उनके रसूख के साथ ही संपत्ति भी अमरबेल की तरह बढ़ती रही। विधायक बनने के बाद तो संपत्तियों में काफी इजाफा होता रहा। उनके रसूख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भले ही वह बसपा से तीन बार के विधायक हैं, लेकिन सत्ता चाहे सपा की रही हो या फिर भाजपा की। उनसे संबंधित कंपनियों को सड़क निमार्ण के साथ ही खनन के ठेके भी मिलते रहे हैं। यहां तक कि नियमों को ताक पर रखकर भी ठेके दिए जाते रहे। सपा सरकार में जहां वह एक कद्दावर मंत्री के ठेकों में पार्टनर रहे, वहीं अगस्त 2025 में उमाशंकर सिंह से जुड़ा पत्थर खनन का मामला सामने आया था। उमाशंकर की पत्नी की कंपनी छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन ने सोनभद्र में खनन का पट्टा लिया था। कंपनी ने 3,000 रुपए प्रति घनमीटर के रेट से पत्थर खनन का का पट्टा लिया था, जबकि रायल्टी दर 160 रुपए प्रति घनमीटर थी। आरोप लगा था उमाशंकर की पत्नी की कंपनी ने 33,604 घनमीटर गिट्टी का अवैध खनन किया था। यदि नीलामी की दर से वसूली होती तो कंपनी को करीब दस करोड़ की धनराशि सरकारी खजाने में देनी होती। इससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान पुहंचा। अब सवाल यह है कि यह रेट और रायल्टी के खेल बिना किसी आला नौकरशाही और कद्दावर सफेदपोश के वरदहस्त बगैर नहीं सकता। इसी तरह के कई अन्य मामले हैं, जोकि विवादों में रहे। उमाशंकर सिंह से जुड़े नेताओं और अफसरों को खुद के घिरने की चिंता सता रही है। यही कारण हैं कि छापे के दूसरे दिन भी छात्र शक्ति कंपनी के कारपोरेट आफिस के बाहर महंगी गाड़ियों से लोग आते रहे। बाहर से ही छापे की अपने तरीके से जानकारी ली और चलते बने।

विधायक के बेटे ने कहा: हम पूरा सहयोग कर रहे हैं

- विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने गुरुवार को चुप्पी तौड़ी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि कल गोमतीनगर आवास पर इनकम टैक्स विभाग की ओर से जांच की गई। उनके पिता, वह स्वयं और परिवार के अन्य सदस्य विभाग के अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। इनकम टैक्स अधिकारी भी पूरी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं।

छापे के पीछे कौन

- **अमृत विचार :** विधायक के साथ ही मैनेजमेंट में माहिर माने जाने वाले उमाशंकर सिंह के यहां छापा पड़ा है तो तमाम सवाल उठ रहे हैं। इसमें अहम सवाल यह है कि आखिरकार बसपा बसपा विधायक के यहां आयकर के छापे के पीछे कौन हैं? ऐसी कौन सी बड़ी शक्ति है, जिसके इशारे पर बसपा प्रमुख मायावती के सबसे खास रहे विधायक के यहां कार्रवाई हुई। वह भी जब विपक्ष बसपा को कथित तौर पर भाजपा की बी टीम बताता रहा है। हालांकि सरसरी तौर पर पत्थर खनन में कैग की रिपोर्ट और विजीलेंस की जांच को ही छापे के पीछे असल वजह माना जा रहा है, लेकिन लोगों के गले से यह बात नहीं उतर पा रही है।

मानचित्र स्वीकृति से बढ़ी जिला पंचायतों की आय

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में जिला पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास असर दिखाने लगे हैं। ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया को सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू किए जाने से जिला पंचायतों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 से जनवरी 2026 तक जिला पंचायतों द्वारा 2883 मानचित्र स्वीकृत किए गए, जिससे 57.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सरकार के निर्देश पर जिला पंचायतों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृति को अनिवार्य कर दिया है। पहले बड़ी संख्या में लोग बिना स्वीकृति के निर्माण करा लेते थे, जिससे न केवल नियोजन प्रभावित होता था बल्कि पंचायतों को राजस्व की हानि भी होती थी।

असाध्य रोगियों के मुफ्त इलाज को 30.11 करोड़ मंजूर

- चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को धन आवंटित
- उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य, सख्त शर्तों के साथ आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 में असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 30.11 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को दी गई है।

शासन ने उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य करते हुए सख्त शर्तों के साथ धन खर्च करने का आदेश दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग विशेष सचिव कृतिका शर्मा की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत 2210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य शीर्ष के तहत "असाध्य रोगों के इलाज हेतु निःशुल्क चिकित्सा सुविधा" मद में स्वीकृत की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह धन केवल निर्धारित मदों में और नियमों के अनुरूप ही व्यय किया जाएगा। शासनादेश में यह भी उल्लेख है कि इससे पूर्व सरोजनी नायडू चिकित्सालय, आगरा अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज प्रसूति चिकित्सालय, कानपुर संक्रामक रोग चिकित्सालय, कानपुर तथा मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर आदि के लिए वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, विद्युत देय और जल प्रभार मदों से पुनर्विनियोग कर धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, जिसके उपरांत कुल व्यवस्था को असाध्य रोगियों के उपचार से जोड़ा गया है। कहा गया है कि अगली किश्त तभी जारी होगी, जब उपयोगिता प्रमाणपत्र और लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जाएगी।

इन संस्थानों को मिली धनराशि

- हृदय रोग संस्थान, कानपुर – 19 .86 करोड़
- डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ – 6 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, आगरा – 4 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर – 25 लाख

50 हजार का इनामी गो-तस्कर वाराणसी से गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी गो-तस्कर को वाराणसी के लोहता से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व एफआईआर दर्ज की गई थी। तभी से फरार चल रहा था। आरोपी पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था। एसटीएफ के मुताबिक बुधवार देर रात को विशेष ऑपरेशन के दौरान आरोपी मो. अशरद को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़ा गया गो-तस्कर मो. अशरद वाराणसी स्थित सिगरा के लहंगपुरा का रहने वाला है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व गो-तस्करी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बुधवार देर रात को सूचना मिली कि मो. लोहता के धमरियों मैदान के पास है। वह भागने की तैयारी कर रहा है। टीम ने घेराबंदी कर रात 10 बजे दबोच लिया। वह क्षेत्र में लोगों को धमकाने व मारपीट करने के मामलों में आरोपी है।

सांझी रेखा | राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह ने आटा और मंदिरों के चढ़े फूलों ने तैयार किया हर्बल गुलाल

अयोध्या व काशी में मक्का के गुलाल से खेली जाएगी होली

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : अयोध्या और वाराणसी में मक्का का आटा और मंदिरों में चढ़े फूलों के अर्क से बने शुद्ध हर्बल गुलाल से होली खेली जाएगी। इससे त्वचा खराब नहीं होगी और आंख व मुंह में जाने पर स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचेगा। बच्चे हो या बुजुर्ग सभी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। गुलाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखनऊ के चिनहट की ग्राम उत्तरधौना में संचालित ''सांझी रेखा'' स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने नाबार्ड के सहयोग से प्रशिक्षण पाकर इसे तैयार किया है।

इनके हर्बल गुलाल हरा, पीला और गुलाबी तीन रंग में उपलब्ध हैं। तीनों ही मक्का के आटे में फूल व सब्जियों से निर्मित किए गए हैं। इनमें हरा रंग देने के लिए आटा में धनिया और पालक के पत्ते मिलाए गए हैं। जबकि पीला रंग का गुलाल आटा में गेंदा के फूल की पंखुड़ी से तैयार किया है और गुलाबी गुलाल चुकंदर व गुलाब के फूल की कलियों से बनाया है। शुद्धता के साथ सुगंध भी लोगों को प्राकृतिक है।

- खराब नहीं होगी त्वचा, आंख व मुंह में जाने पर नहीं होगा नुकसान

गुलाल की कीमत (रुपया प्रति किलो)

- गुलाल-थोक – 350-400
- गुलाल-फुटकर – 500
- गुलाल-200 ग्राम – 100

चिनहट के उत्तरधौना में सुखाया जाता गुलाल और टोकरियों में रखा तैयार गुलाल।

> एक तरफ महिलाओं ने स्वास्थ्य को देखते हुए हर्बल गुलाल बनाया है तो दूसरी तरफ इस कार्य से उन्हें रोजगार मिला है। लोग इस हैंडमेड सामग्री को खरीद कर उत्पादन को बढ़ावा दें।
>
> **-अजीत कुमार सिंह,** जिला विकास अधिकारी, लखनऊ

मंदिरों से एकत्र किए फूल महिलाएं लाईं सब्जियां

- समूह की अध्यक्ष वंदना सिंह ने बताया कि इस कार्य में 18 समूह की महिलाएं जुड़ी हैं। मक्का किसानों से खरीदकर आटा बनाया है, जबकि फूल मंदिरों के चढ़े हुए एकत्र किए हैं। महिलाएं खेती-बाड़ी से जुड़ी हैं, इनके द्वारा धनिया, पालक, चुकंदर एकत्र किया गया है। कोषाध्यक्ष सोनी सिंह बताती हैं कि 40 फीसद तक बचत होती है। एक स्टॉल में चार से पांच हजार की बिक्री हो रही है।

सात क्विंटल तक भेजी गुलाल की खेप

- 20 क्विंटल उत्पादन लक्ष्य के सापेक्ष 15 क्विंटल तक गुलाल तैयार किया है। इसमें अयोध्या, वाराणसी के खासकर काशी और मिर्जापुर में सात क्विंटल गुलाल बिक चुका है और भी मांग आई है। इसके अलावा अंबेडकर नगर, बस्ती, सोनभद्र, लखीमपुर, हरदोई व कानपुर से मांग आने पर खेप भेजी जा रही है। लखनऊ में भी महिलाएं स्वयं थोक व फुटकर स्टॉल लगाकर बिक्री कर रही हैं। 28 फरवरी से विकास भवन, कलेक्ट्रेट, विश्वविद्यालय समेत अन्य सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जाएंगे।

होली में खपाने के लिए जा रही शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली में खपाने के लिए बिहार शराब ले जा रहे तीन तस्करों को एसटीएफ ने बलिया के बैरिया दबोच लिया। उनके पास से 471 पेटी शराब, बियर, पिकअप, तीन मोबाइल व नकदी बरामद की गई है। यूपी से बिहार भेजने के लिए तस्करों ने गंगा नदी के रास्ते का प्रयोग किया।

एसटीएफ के डिप्टीएसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक यूपी से बिहार शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। होली में बड़े पैमाने पर तस्करी का इनपुट मिला था। विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुरुवार सुबह 4.30 बजे बलिया के बैरिया स्थित पूर्वी भवन टोला गंगा किनारे बंधे के पास से दो पिकअप वाहन रोककर तलाशी ली। इस दौरान अंदर भारी मात्रा में शराब व बियर की पेटियां मिलीं। एसटीएफ ने मौके से बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद निवासी धर्मजीत भारती, कोतवाली नगर बहादुरपुर का पिंटू प्रसाद और बैरिया चिरैया मोड़ निवासी करन बहादुर साह उर्फ घुरघुर को गिरफ्तार किया।

नाव से गंगा पार ले जाते थे शराब

पिंटू प्रसाद | करन कुमार साह | धर्मजीत भारती

- एसटीएफ के डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनका गिरोह गंगा नदी के रास्ते शराब की तस्करी करता है। शराब बलिया के बैरिया इलाके में पहुंचने के बाद नाव से गंगा नदी पार कराकर बिहार पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार बैरिया क्षेत्र के चिरैयामोड़ स्थित एक लाइसेंसी गोदाम से शराब अवैध रूप से उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे गिरोह के सदस्य बिहार पहुंचाते थे। तीनों आरोपियों के खिलाफ बैरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज किया गया है। वहीं आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। संतोष सबसे बड़ा धन है। वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। –महात्मा बुद्ध

पाठ्यपुस्तक और प्रतिष्ठा

यदि किसी संवैधानिक संस्था- विशेषकर न्यायपालिका को त्रुटिपूर्ण या भ्रामक तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया जाए, तो उसका प्रभाव केवल अकादमिक नहीं, संस्थागत विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। कैशोर्य में स्थापित धारणा दीर्घकालिक होती है। अतः कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी संदर्भों पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और असाधारण कड़ा रुख पूरी तरह सही है, हालांकि इस कठोर प्रतिक्रिया को देख कर यह प्रश्न स्वाभाविक है कि एनसीईआरटी द्वारा अतीत में इतिहास, राजनीति, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में हुए विवादित बदलावों पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले कर ऐसी त्वरित कारगुजारी क्यों नहीं की? संभवतः न्यायालय सामान्यतः नीतिगत-शैक्षिक सामग्री में हस्तक्षेप से बचता है पर संविधान-विरोध या गंभीर विधिक उल्लंघन के मामले में अधिक सक्रिय रहता है।

न्यायालय द्वारा आपत्तिजनक सामग्री पर रोक, पुनर्मुद्रण रोकना और डिजिटल प्रसार पर प्रतिबंध तकनीकी युग में पूर्णतः लागू करना कठिन अवश्य है, पर यह स्पष्ट संदेश देता है कि संस्थागत प्रतिष्ठा से समझौता नहीं होगा, हालांकि दीर्घकालिक समाधान सेंसरशिप नहीं, बल्कि गुणवत्ता-नियंत्रण और संतुलित अकादमिक विमर्श है। जाहिर है पुस्तक के उक्त अध्याय में न्यायपालिका के मात्र दोषों का उल्लेख हो और राजनीति व व्यवस्थापिका की समांतर चर्चा न हो, तो यह संतुलनहीनता है। यदि देश में भष्टाचार चहुंओर है, तो लोकतंत्र की तीनों शाखाओं में उसकी व्याप्ति को समग्रता में पढ़ाया जाना चाहिए। न्यायपालिका की ऐतिहासिक उपलब्धियों मौलिक अधिकारों की रक्षा, जनहित याचिकाएं, आपातकालीन दुरुपयोग पर अंकुश का उल्लेख न होना, अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है। एनसीईआरटी का यह कहना कि त्रुटि 'अनजाने' में हुई, सहज स्वीकार्य नहीं। पाठ्यपुस्तक निर्माण बहु-स्तरीय प्रक्रिया है। लेखन, समीक्षा, संपादन, विशेषज्ञ समिति और उच्चस्तरीय स्वीकृति। यदि इन सबके बाद भी तथ्यात्मक या संदर्भगत भूल रह गई, तो जानबूझकर की गई क्यों न मानी जाए। सार्वजनिक खेद स्वागतयोग्य है पर इसकी आड़ ले, दायित्व से बचने की बजाए पारदर्शी जांच, जिम्मेदारी तय करने और सुधारात्मक उपाय लागू होने चाहिए। दोष केवल एनसीईआरटी तक सीमित नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्रालय और व्यापक नीतिगत ढांचा भी इसके लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। पाठ्यक्रम परिवर्तन अक्सर राजनीतिक-सामाजिक विमर्श से प्रभावित होते हैं, ऐसे में पारदर्शिता और बहु-विचारधारात्मक समीक्षा अत्यंत अनिवार्य है। यदि यह सिद्ध हो कि प्रकाशन न्यायपालिका को कलंकित करने के उद्देश्य से जानबूझकर किया गया, तो यह गंभीर कदाचार है। तथ्यों का विकृतिकरण, शिकायतों की संख्या को संदर्भ-विहीन प्रस्तुत करना या पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणियों को गलत अर्थ में उद्धृत करना, ये सब संस्थागत अवमानना की सीमा तक जा सकते हैं और भारी सज़ा की वजह बन सकते हैं, पर आपराधिक अवमानना तब बनती है जब न्याय के प्रशासन में बाधा उत्पन्न हो या न्यायालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य स्पष्ट हो, किंतु इसके लिए दुर्भावना और आशय का प्रमाण आवश्यक है।

प्रसंगवश

अल्फ्रेड पार्क के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

भारतीय इतिहास के आकाश में 27 फरवरी का दिन उस नक्षत्र की याद दिलाता है, जिसकी चमक से ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आंखें चौंधिया गईं थीं। यह दिन उस महामानव के बलिदान का साक्षी है, जिसने अपनी प्रतिज्ञा को अपने प्राणों से भी ऊंचा स्थान दिया। चंद्रशेखर आजाद, एक ऐसा नाम, जिसके स्मरण मात्र से धमनियों में रक्त का संचार तीव्र हो जाता है और हृदय में राष्ट्र भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ता है। आजाद केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, एक ऐसी जलती हुई मशाल थे, जिसने गुलामी के घोर अंधकार में करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। उनका संपूर्ण जीवन एक ऐसी महागाथा है, जिसका प्रत्येक अध्याय साहस, त्याग और स्वाभिमान की स्याही से लिखा गया है।

मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का बचपन अभावों की गोद में बीता। उनके पिता एक साधारण किसान थे, जो कड़ी मेहनत से परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन उस बालक की आंखों में नियति ने कुछ और ही स्वप्न सजो रखे थे। वे बचपन से ही निडर और साहसी थे, अन्याय को सहना उनके स्वभाव में नहीं था। जब 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन की पुकार काशी की गलियों में गूंजी तो 14 वर्ष का यह बालक अपनी पढ़ाई छोड़कर राष्ट्र की वेदी पर आ खड़ा हुआ।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

काशी की तंग गलियों में हाथ में तिरंगा लिए जब वह बालक अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध गर्जना कर रहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा किशोर आगे चलकर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला देगा। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। उस कचहरी का दृश्य आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। मजिस्ट्रेट ने जब रौब से नाम पूछा तो बालक ने निर्भय होकर उत्तर दिया, 'आजाद'। पिता का नाम पूछने पर कहा, 'स्वतंत्रता' और निवास का पता बताया, 'जेलखाना'। मजिस्ट्रेट इस धृष्टता पर तिलमिला उठा और उसने 14 साल के उस कोमल शरीर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई।

सरेआम उस बच्चे को निर्वस्त्र कर टिकटी से बांध दिया गया। भारी और मोटे बेंत का हर प्रहार उसकी खाल उधेड़ रहा था। पीठ से खून के फव्वारे छूट रहे थे, लेकिन उस बालक की आंखों में दर्द नहीं, बल्कि एक अलौकिक गर्व था। हर कोड़े की मार पर वह पूरी ताकत से चिल्लाता था, 'वंदे मातरम!', 'भारत माता की जय!' 15 कोड़े पूरे होने तक उसका शरीर मांस का लोथड़ा बन चुका था, हड्डियां दिखाई देने लगी थीं, लेकिन उस वीर ने एक भी आंसू नहीं गिराया। जेल के डॉक्टर जब घावों पर दवा लगाते तो वह बच्चा दर्द से तड़पता जरूर था पर उसके होंठों पर मुस्कान और हृदय में प्रतिशोध की ज्वाला थी। इसी दिन से वह दुनिया के लिए 'आजाद' बन गए।

असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से आजाद का मोहभंग हुआ और वे सशस्त्र क्रांति की ओर मुड़ गए। उनकी क्रांतिकारी यात्रा का एक स्वर्णिम पड़ाव 'काकोरी कांड' था। नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के पास सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को लूटकर क्रांतिकारियों ने फिरंगियों को सीधी चुनौती दी। इस कांड के बाद कई साथी पकड़े गए, लेकिन अपनी चतुराई और वेश बदलने की कला में माहिर आजाद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर बच निकले। संगठन बिखर चुका था पर आजाद का हौसला नहीं। 1928 में उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे युवा मेधावियों के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' की नींव रखी। आजाद इस संगठन के सेनापति थे। भगत सिंह जैसे प्रखर बुद्धिजीवी भी उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते थे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आतंकवाद से निपटने के लिए भारत का 'प्रहार'

विवेक सक्सेना
अयोध्या

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी नीति जारी की है। इसे आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस के तहत सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को अपनी पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति, 'प्रहार' जारी कर राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक बदलाव किया है। ये नीति ऐसे समय में जारी की गई है, जब देश सीमापार प्रयोजित आतंक, ड्रोन आधारित हमले, हथियारों की तस्करी, साइबर हमले और आतंकियों के स्लीपर सेल आदि गंभीर चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि 'भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता है।' देश लंबे समय से सीमा पार से 'प्रायोजित आतंकवाद' से प्रभावित रहा है, जिसमें 'जिहादी आतंकी संगठन और उनके फ्रंटल संगठन' हमलों की प्लानिंग करते रहते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

डार्क वेब और क्रिप्टो-फाइनेंसिंग जैसे आधुनिक खतरे भी देश के लिए बड़ी चुनौती हैं। यह नीति जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर सुरक्षा को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे की रक्षा करने पर जोर देती है। इसमें अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकी समूहों का नाम लेते हुए कहा गया है कि उन्होंने स्लीपर सेल के जरिए भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की है, जबकि दूसरे देशों से काम करने वाले हिंसक अतिवादियों ने आतंवाद को बढ़ावा देने की साज़िशें रची हैं।

पहलगाम में आतंकियों के हाथों हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया।

'प्रहार' का अर्थ है 'स्ट्राइक्स', जो भारत के 'जीरो-टॉलरेंस' दृष्टिकोण को एक मजबूत और सक्रिय ढांचा प्रदान करता है। यह नीति सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आतंकी संगठन जिस तरह लगातार संगठित हमले और गतिविधियां कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह समय की मांग है कि इससे सख्ती से निपटा जाए और इसके लिए रणनीतियों में भी एक समन्वय हो। यही वजह है कि सात मुख्य स्तंभों पर आधारित 'प्रहार' में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में तालमेल बैठाने पर भी खासा जोर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने एफआईआर दर्ज करने से लेकर मुकदमा चलाने तक, जांच के हर स्तर पर कानूनी जानकारों को शामिल करने का सुझाव दिया है, ताकि अपराधियों के खिलाफ केस मजबूत हो सके।

इस नीति में आतंकवादी हमलों को होने से पहले ही रोकना। खतरे के अनुरूप त्वरित और कठोर जवाब। पूरे सरकारी दृष्टिकोण के साथ आंतरिक क्षमताओं को एक साथ लाना। विधि के शासन का पालन करते हुए कार्रवाई करना। कट्टरपंथ के कारणों को समाप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय और खुफिया जानकारी साझा करना। 'संपूर्ण-समाज' दृष्टिकोण के माध्यम से सुरक्षा को मजबूत करने पर खासा जोर दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि विदेश में मौजूद ग्रुप हमले करने के लिए लोकल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इलाके की जानकारी पर ज़्यादा निर्भर हो रहे हैं।

'प्रहार' नीति न केवल आतंकवाद को एक आपराधिक कृत्य मानती है, बल्कि उसे एक व्यापक 'शत्रुतापूर्ण नेटवर्क' के रूप में देखती है। यह नीति 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी निर्णायक कार्रवाइयों के बाद के सुरक्षा परिदृश्य के अनुकूल है, जो पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद को कड़ी चुनौती देती है। भारत अब अपनी सुरक्षा नीति में रक्षात्मक से आक्रामक प्रतिरोध की ओर मजबूती से बढ़ गया है। यह नीति आतंकवाद के खिलाफ मोदी की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी अपने सिद्धांत और उसके तीन स्तंभ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है। भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें। भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा।

इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। आतंकवादियों को शरण देने, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि नीति का वास्तविक परीक्षण इसके क्रियान्वयन से ही होगा।

किसी भी नीति की सफलता व्यक्ति या संस्था विशेष पर ही निर्भर नहीं करती है। इसके लिए देश की सभी खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस व अर्धसैनिक बलों इत्यादि के बीच उचित समन्वय, संसाधन के साथ-साथ तकनीकी क्षमता का विस्तार और दृढ़ इच्छा शक्ति भी नियमित बेहद जरूरी होगी। इसकी सफलता अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन, आधुनिक तकनीक में निवेश और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर निर्भर करेगी। ऐसा होने के बाद ही 'प्रहार' सही मायने में देश को आतंकवाद से मुक्त कराने की दिशा में मजबूत और कारगर साबित होगा। भविष्य की दिशा 'प्रहार' राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सीमा-पार कार्रवाई को वैध बनाती है और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाती है। यह पूर्व-सक्रिय रणनीति से भारत को मजबूत बनाएगी, लेकिन क्षमता निर्माण और कानूनी सुधार आवश्यक हैं।

आमने सामने

लिखित उत्तर और मंत्री की तरफ से दिया गया जवाब अलग-अलग है। मंत्री बहुत सज्जन, सीधे हैं और बाड़मेर के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन बाड़मेर जाते हैं, तो इन्हें काम नहीं करने दिया जाता। गृह क्षेत्र पाली में रहते हैं, तो वहां भी इन्हें काम नहीं करने दिया जाता।

–हरीश चौधरी
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। कांग्रेस की सरकार के समय जो दावे आए थे, उनमें से 21 के क्लेम का निस्तारण हमारी सरकार ने किया। आपकी तो पूरी योजना ही फेल हो गई। हम तो 42 लाख पशुओं के बीमा करेंगे।

–जोराराम कुमावत
पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार

कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ सारनाथ की खोज बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसका श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने ले लिया।

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थस्थल सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी, हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिलीं, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखी हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है।

अब तक इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता था। पर यह पूरा सच नहीं है, दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी, जिसके पश्चात् इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरंभ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईटों और पत्थरों के अंबार का पता चला।

उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली।

बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाए गए थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियां और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में विसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया। बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पाई गई थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था।

यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन् 1026) का दिनांकित शिलालेख है, हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गांव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर खोजा था, जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था।

उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अंदर पाई गई हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित करा दिया। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिंदू परंपराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अंदर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था।

बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग छह फीट की ऊंचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के संबंध में कुछ बातें स्पष्ट हैं- पहला, यह अनजाने में हुई थी और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर संभव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो।

दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था, जहां से वे कालांतर में गायब हो गए। बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर अपने मूल स्थान पर छोड़ दिया गया और अन्ततः कनिंघम द्वारा बाहर निकाला गया। बाबू जगत सिंह ने कभी भी स्तूप को पूर्णतः नष्ट नहीं किया। स्तूप के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व को समझने के बाद उन्होंने इस स्थल की सुरक्षा की। मोटी आवरण वाली दीवार के अंदर मूल स्तूप का एक बड़ा हिस्सा वैसे ही छोड़ दिया गया था। समय के साथ आवरण दीवार के अंदर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

रटने की पीड़ाभरी परंपरा

आप कहती हैं कि आप गलत बोल रहे हैं.. 'मेरा बेटा ख़ुद कोटा जा कर पढ़ना चाहता था, इसलिए मैं उसे कोटा ले कर गई पढ़ाने। मेरा बेटा ख़ुद JEE क्रैक करना चाहता था। खूब पढ़ना चाहता था, मैंने दबाव नहीं डाला कभी।'

ये स्टेटमेंट आपका भ्रम हैं। आपकी अपनी लालसाएं हैं, जिन्हें आप अपने बच्चों पर थोप कर उन्हें अपना बताती हैं। आपका ये स्टेटमेंट बिलकुल वैसा ही है, जैसे मुस्लिम घरों में पैदा हुई लड़की कहती है कि 'हिजाब पहनना मेरी पसंद है। हिजाब मेरा प्राइड है और मुझे किसी ने कभी हिजाब या बुरका पहनने के लिए दबाव नहीं बनाया।'... ऐसे ही आपका बेटा कोटा में पढ़ना चाहता है। बिलकुल ऐसे ही जैसे वो हिजाब पहनना चाहती है।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

हिंदू घरों में पैदा हुई लड़कियां हिजाब क्यूं नहीं पहनने को लालायित रहती हैं, क्या आपने कभी सोचा है? हिंदू लड़कियों के लिए हिजाब उनका गर्व या प्राइड क्यूं नहीं बनता है क्या आपने सोचा है? ये सिर्फ़ रुढ़िवादी मुस्लिम परिवार में पैदा हुई लड़कियां ही क्यूं कहती हैं?

कोई भी बच्चा 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता है। ये इतनी बड़ी पीड़ादायक परंपरा है, जो आप 'नशे' में रहते हुवे सोच भी नहीं सकते। कोई भी लड़का स्वयं से कभी कोटा जा कर 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता। धर्म में तो फिर भी आप्शन है और लड़के वहां बगावती हो जाते हैं, वो नमाज़ नहीं पढ़ते हैं, पूजा नहीं करते हैं, मगर शिक्षा के मामले में आपने कोई भी आप्शन अपने बच्चों के आगे नहीं छोड़ा होता है।

यहां तक कि अगर आपका बेटा घर पर बैठकर ओपन स्कूल से स्टडी करना चाहे, जो कि सरकारी तौर पर उतना ही मान्य है. जितना रेगुलर बोर्ड, तो आप उसे वो भी आप्शन नहीं देते हैं। आपको इस तरह का नशा है, बच्चों को स्कूल भेजने का, कोटा भेजने का, कोचिंग में भेजने का कि आपके घरों में इसके आलावा कोई बात ही नहीं होती है। अब बारहवीं कर लिया तो अब आगे क्या, जाओ कोचिंग करो, ये एग्जाम निकालो, वो पास करो ये करो वो करो। बस!

कोटा, कोचिंग, स्कूल और कॉलेज आपके बनाए हैं। वयस्कों ने बनाया है। बच्चों ने नहीं बनाया है। आपने बच्चों के लिए पार्क में आठ घंटे खेलने का आप्शन बनाया होता, वो आठ घंटे खेलते। आपने उन्हें 'कोटा' का ही एक आप्शन दिया है। जीवन में तो वो बेचारे उसे न चुनें तो और क्या चुनेंगे?

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कचरे पर न्यायपालिका के निर्देश और सच्चाई

सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और पहली अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने कहा है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'अब नहीं तो कभी नहीं' और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापोरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार 'लीड फैसिलिटेटर' बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे।

सुनील कुमार महला
लेखक

लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियां सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए। अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुर्माना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना। ये सभी निर्देश, इसलिए दिए गए हैं ताकि पहली अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ताले का आविष्कार

ताला मानव सभ्यता के सबसे प्राचीन सुरक्षा साधनों में से एक है। माना जाता है कि ताले का प्रारंभ लगभग चार हजार वर्ष पूर्व हुआ। सबसे पुराने ताले प्राचीन मिस्र तथा मेसोपोटामिया में पाए गए हैं। ये ताले प्रायः लकड़ी के बने होते थे और कुंडी-खूंटी की विशेष व्यवस्था पर आधारित थे। जब चाबी भीतर डाली जाती थी, तो लकड़ी की खूंटियां ऊपर उठती थीं और द्वार खुल जाता था।

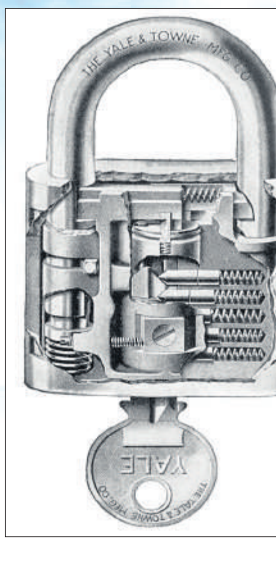

इसके पश्चात प्राचीन रोम में धातु के ताले और चाबियां बनने लगीं। रोमन शिल्पकारों ने लोहे और पीतल से छोटे, परंतु अधिक सुदृढ़ ताले बनाए। इससे सुरक्षा की व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई। मध्यकाल में यूरोप में ताले केवल सुरक्षा का साधन ही नहीं रहे, बल्कि उन पर सुंदर नक्काशी और कलात्मक आकृतियां भी बनाई जाने लगीं।

आधुनिक ताले के विकास में उन्नीसवीं शताब्दी का विशेष योगदान रहा। सन् 1861 में अमेरिकी आविष्कारक लिनस येल जूनियर ने आधुनिक पिन-टंबलर सिलिंडर लॉक का पेटेंट कराया। यह प्रणाली आज भी व्यापक रूप से प्रचलित है और "येक लॉक" के नाम से जानी जाती है। इसने ताले को अधिक सुरक्षित, छोटा और उपयोग में सरल बना दिया। इस प्रकार ताले का आविष्कार किसी एक व्यक्ति की देन नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों में विकसित हुई तकनीकों का परिणाम है। प्राचीन लकड़ी के साधारण ताले से लेकर आज के अंक-संकेत तथा अंगुली-छाप से खुलने वाले आधुनिक तालों तक, ताले ने मानव जीवन में सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैज्ञानिक के बारे में

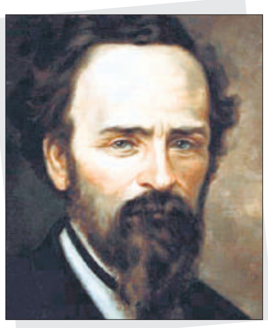

लिनस येल जूनियर का जन्म 4 जून 1821 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में हुआ था। उनके पिता लिनस येल सीनियर भी ताला निर्माण के क्षेत्र में कुशल कारीगर और आविष्कारक थे, जिससे उन्हें बचपन से ही इस कार्य का अनुभव मिला। येल जूनियर ने प्रारंभ में बैंक तिजोरियों की सुरक्षा प्रणाली पर काम किया, लेकिन बाद में छोटे और सुरक्षित सिलिंडर ताले के विकास में जुट गए। वे अत्यंत परिश्रमी और नवाचारप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। 1868 में उनका निधन हो गया, किंतु उनका आविष्कार आज भी विश्वभर में प्रचलित है।

सीपियां: जलीय दुनिया की खामोश नायिकाएं

नदी की तलहटी में आधी गड़ी हुई या समुद्र के किनारे चट्टानों से चिपकी हुई सीपें में न तो कोई चमक-दमक होती है, न कोई तेज गति। वे न दिखावटी हैं, न ही हमारी रोजमर्रा की नजरों में आती हैं। फिर भी पूरी जलीय दुनिया बहुत हद तक इन्हीं खामोश जीवों पर टिकी हुई है। अगर सीपों को एक पंक्ति में समझना हो, तो कहा जा सकता है कि वे पानी की सफाईकर्मी हैं और ऐसे सफाईकर्मी, जो बिना थके, बिना रुके अपना काम करते रहते हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

एक सीप प्रतिदिन 20-40 लीटर छान सकती है पानी

सीप अपने शरीर में लगातार पानी खींचती हैं। इस पानी में मौजूद गंदगी, सूक्ष्म कण, बैक्टीरिया, शैवाल, रसायन और यहां तक कि भारी धातुओं को भी वे छान लेती हैं और अपेक्षाकृत साफ पानी वापस पर्यावरण में छोड़ देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, सामान्य आकार की एक सीप प्रतिदिन 20 से 40 लीटर तक पानी छान सकती है। अब कल्पना कीजिए, यदि किसी नदी, झील या समुद्री तट पर हजारों या लाखों सीपें हों, तो वे कितनी विशाल मात्रा में पानी को स्वाभाविक रूप से साफ रखती होंगी। दुनियाभर में सीपों की 1200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से लगभग 1000 प्रजातियां मीठे पानी में और शेष समुद्री जल में निवास करती हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मीठे पानी की सीपों की सबसे अधिक विविधता उत्तरी अमेरिका में मिलती है, जहां अकेले लगभग 300 प्रजातियां मौजूद हैं। यूरोप में करीब 16 प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि एशिया में भी मीठे पानी और समुद्री, दोनों तरह की सीपों की संख्या काफी अधिक है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया के देश सीपों की जैव विविधता और खेती दोनों के लिए जाने जाते हैं।

जीवन चक्र और मोती बनने की प्रक्रिया

सीपों की बनावट देखने में सरल, लेकिन कार्य में अत्यंत प्रभावशाली होती है। दो मजबूत खोलों के भीतर उनका कोमल शरीर सुरक्षित रहता है। ये खोल कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं, जिसे सीपें पानी से धीरे-धीरे लेकर परत-दर-परत जमा करती रहती हैं। यही कारण है कि उनका खोल जीवनभर बढ़ता रहता है। मोती बनने की प्रक्रिया भी इसी से जुड़ी है। जब कोई बाहरी कण सीप के शरीर के भीतर फंस जाता है, तो वह उसे ढंकने के लिए कैल्शियम की परतें चढ़ती जाती हैं और समय के साथ वही कण मोती का रूप ले लेता है। सीपों का जीवन चक्र भी कम रोचक नहीं है। समुद्री सीपें अपने अंडे और शुक्राणु पानी में छोड़ती हैं, जिनसे सूक्ष्म लार्वा बनते हैं। ये लार्वा कुछ समय तक समुद्र में स्वतंत्र रूप से तैरते रहते हैं और फिर किसी ठोस सतह चट्टान, खोल या तट से चिपककर स्थायी जीवन शुरू करते हैं। मीठे पानी की कई सीपें इससे भी अनोखा तरीका अपनाती हैं। उनके लार्वा कुछ समय तक मछलियों के गलफड़ों या पंखों से चिपककर रहते हैं। इससे उन्हें सुरक्षित वातावरण मिलता है और वे दूर-दूर तक फैल पाती हैं। बाद में वे नदी की तलहटी में गिरकर स्वतंत्र जीवन शुरू करती हैं। यानी सीपें केवल पानी पर नहीं, बल्कि मछलियों पर भी निर्भर करती हैं। यदि मछलियां कम हों, तो सीपों का भविष्य भी संकट में पड़ जाता है। सीपों की एक और विशेषता उनकी लंबी उम्र है। समुद्री सीपें आमतौर पर 10 से 20 वर्ष तक जीवित रहती हैं, जबकि मीठे पानी की कई प्रजातियां 50 से 100 वर्ष तक भी जी सकती हैं।

सीपों के लिए चुनौती बनता समुद्र का अम्लीयकरण

पिछले कुछ दशकों में स्थिति चिंताजनक होती गई है। मीठे पानी की लगभग एक हजार प्रजातियों में से अधिकांश या तो संकटग्रस्त हैं या तेजी से घट रही हैं। पोलैंड, क्रोएशिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बड़े पैमाने पर सीपों की मृत्यु दर्ज की गई है। लंदन की टेम्स नदी में पिछले 60 वर्षों में मीठे पानी की लगभग सारी सीपें समाप्त हो चुकी हैं। उत्तरी अमेरिका में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे पानी की सीप प्रजातियां संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर हैं। इन संकटों के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पानी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, ग्रीष्म लहरें तीव्र हो रही हैं। जब नदी या समुद्र का पानी अचानक बहुत गर्म हो जाता है, तो सीपें उसे सहन नहीं कर पातीं और बड़े पैमाने पर मर जाती हैं। इसके साथ ही रासायनिक प्रदूषण, माइक्रोप्लास्टिक, नदियों का प्राकृतिक बहाव बदलना, बांध, खनन और शहरी सीवेज इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। महासागरों में समुद्र का अम्लीकरण भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कार्बन डाइऑक्साइड के घुलने से पानी अम्लीय हो रहा है, जिससे सीपों के खोल बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। शिशु सीपें तो कई बार खोल बना ही नहीं पातीं।

सीप की खेती

एशिया में सीपों की खेती समुद्र और इंसान के पुराने रिश्ते का विस्तार है। चीन, जापान, थाईलैंड और वियतनाम में सीपों को 'उगाया' नहीं जाता, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण दिया जाता है, जहां वे स्वाभाविक रूप से पनप सकें। समुद्र के किनारे बांस, रस्सियों और टाइलों पर लार्वा चिपक जाते हैं और फिर समुद्र अपना काम करता है। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है। दुनिया में उत्पादित समुद्री सीपों का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। यह खेती लाखों लोगों को रोजगार देती है-मछुआरों से लेकर रेस्तरां और निर्यात तक। सीपों का उपयोग केवल भोजन तक सीमित नहीं है। उनके खोलों से चूना, खाद और निर्माण सामग्री बनती है। भोजन के रूप में वे प्रोटीन, जिंक, आयरन और ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं। अगर सीपें कम होती गईं, तो पानी की गुणवत्ता गिरेगी, शैवाल विस्फोट बढ़ेंगे, मछलियां मरेंगी और तटीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ जाएगी।

समुद्र के छुपे हुए सफाईकर्मी

समुद्री सीपें तटीय इलाकों के लिए जीवन-रेखा जैसी हैं। वे पानी साफ रखती हैं, तटों को कटाव से बचाती हैं, छोटी मछलियों और केकड़ों को आश्रय देती हैं और मत्स्य उत्पादन को स्थिर बनाए रखती हैं। जहां सीपों की चट्टानें होती हैं, वहां जैव विविधता कई गुना बढ़ जाती है। एशियाई देशों विशेषकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में सीपों की गिरावट का असर प्रवाल भित्तियों और मछली जीवन पर साफ दिखने लगा है। बढ़ता तापमान, पर्यटन से फैला कचरा, प्लास्टिक और तटीय विकास इन नाजुक तंत्रों को कमजोर कर रहे हैं। फिर भी उम्मीद बाकी है। वॉशिंगटन डीसी की एनाकोस्टिया नदी में सीपों की मदद से पानी साफ किया जा रहा है। यह दिखाता है कि अगर हम पानी को साफ करें, तो सीपें लौट सकती हैं। सीपों में अनुकूलन की अद्भुत क्षमता होती है। हर सामूहिक मृत्यु के बाद कुछ सीपें बचती हैं और वही नई पीढ़ी की नींव बनती हैं। यही उम्मीद है। इन खामोश सफाईकर्मियों को बचाना, दरअसल अपने जल, अपने पर्यावरण और अपने भविष्य को बचाना है।

मरीन लाइफ

समुद्र की सतह पर धूप सेंकती रहस्यमयी मछली

समुद्र की अथाह गहराइयों में एक ऐसा जीव भी रहता है, जिसे देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता कि यह मछली है। समुद्री सनफिश या मोलामोला, दुनिया की सबसे भारी अस्थि-मछली मानी जाती है। इसका गोल, पार्श्व रूप से चपटा शरीर और विशाल पंख इसे समुद्री दुनिया का अनोखा आकर्षण बनाते हैं। वयस्क सनफिश का वजन 2,000 किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है और इसकी लंबाई 10 फीट तक पहुंच सकती है। इतनी विशाल काया के बावजूद इसका पसंदीदा भोजन है- जेलीफिश। जेलीफिश लगभग पूरी तरह पानी से बनी होती हैं और उनमें पोषक तत्व बेहद कम होते हैं। इसलिए सनफिश को अपनी

ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में जेलीफिश निगलनी पड़ती है। यही कारण है कि वे लगातार भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करती हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये मछलियां हजारों किलोमीटर की समुद्री यात्रा कर सकती हैं और 600 मीटर से अधिक गहराई तक गोता लगा सकती हैं।

इनकी वृद्धि दर आश्चर्यजनक है। नवजात सनफिश का वजन एक ग्राम से भी कम होता है, लेकिन वयस्क होने पर यह अपने जन्म वजन से लगभग 6 करोड़ गुना बड़ी हो सकती है। यह आकार परिवर्तन जीव जगत में सबसे चौंकाने वाले विकासों में से एक है। हालांकि वयस्क सनफिश का आकार उन्हें अधिकांश शिकारियों से सुरक्षित रखता है, फिर भी मध्यम आकार की सनफिश समुद्री शेर, किलर व्हेल और बड़ी शार्क का शिकार बन जाती हैं। कैलिफोर्निया के समुद्री शेरों द्वारा छोटी सनफिश के पंख काटकर उन्हें खेल की वस्तु की तरह उछालना समुद्री व्यवहार का एक विचित्र उदाहरण है। प्रजनन के विषय में अभी भी कई रहस्य बने हुए हैं। मादा सनफिश एक बार में 3 से 30 करोड़ तक अंडे दे सकती है, जो किसी भी अन्य कशेरुकी जीव से अधिक है। नर उसी समय पानी में शुक्राणु छोड़ते हैं, जिससे निषेचन की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि वैज्ञानिक अब भी यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि वे समूह में प्रजनन करती हैं या जोड़े में। समुद्री सनफिश न केवल आकार में विशाल है, बल्कि अपने रहस्यों और अद्भुत जीवनशैली के कारण समुद्री जगत की सबसे रोचक प्रजातियों में से एक है।

वैज्ञानिक फैक्ट

जीवन से भरपूर है मिट्टी

हम अक्सर मिट्टी को केवल धूल या जमीन का एक साधारण हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में मिट्टी जीवन का विशाल और अद्भुत संसार अपने भीतर समेटे हुए है। वैज्ञानिकों के अनुसार मिट्टी के केवल एक चम्मच में जितने सूक्ष्मजीव पाए जाते हैं, उनकी संख्या पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों से भी अधिक हो सकती है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि मिट्टी कितनी जीवंत और महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार मिट्टी में लाखों प्रजातियां और अरबों जीव पाए जाते हैं। इनमें बैक्टीरिया, शैवाल, कवक, सूक्ष्म कीट, केंचुए, भृंग, चींटियां, घुन और कई अन्य जीव शामिल हैं। ये सभी मिलकर पृथ्वी पर कहीं भी पाए जाने वाले जैव द्रव्यमान का सबसे बड़ा संकेंद्रण बनाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी पृथ्वी का सबसे व्यस्त और सक्रिय पारिस्थितिक तंत्र है।

मिट्टी के ये सूक्ष्मजीव केवल संख्या में अधिक नहीं होते, बल्कि अत्यंत उपयोगी भी होते हैं। बैक्टीरिया और कवक मृत पौधों और जीवों को विघटित करके उन्हें पोषक तत्वों में बदलते हैं। यही पोषक तत्व फसलों और पेड़ों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें स्वस्थ विकास में मदद करते हैं। केंचुए मिट्टी को भुरभुरी बनाकर उसमें हवा और पानी के प्रवाह को बेहतर करते हैं, जिससे पौधों की जड़ें आसानी से फैल सकें।

स्वस्थ मिट्टी केवल कृषि के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करती है। साथ ही, यह वर्षा के पानी को सोखकर भूजल स्तर को बनाए रखने में सहायक होती है। यदि मिट्टी की गुणवत्ता घटती है, तो इसका सीधा असर खाद्य उत्पादन, जल संसाधनों और जैव विविधता पर पड़ता है।

आज रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण के कारण मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है। इसलिए जरूरी है कि हम जैविक खेती, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दें। मिट्टी को बचाना दरअसल जीवन को बचाना है, क्योंकि यही धरती का वह आधार है, जिस पर हमारा पूरा अस्तित्व टिका हुआ है।

उड़न तश्तरियों का रहस्य

क्या अनंत अंतरिक्ष की गहराइयों में हम अकेले हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है कि इस सवाल ने सदियों से इंसानों को परेशान रखा है। इसके पक्ष-विपक्ष में सैकड़ों तर्क-वितर्क दिए जाते हैं। जब भी आकाश में कोई अज्ञात चमकती हुई वस्तु या अजीब आकार का यान दिखाई देता है, तो उसे 'उड़न तश्तरी' या UFO (Unidentified Flying Object) का नाम दे दिया जाता है। आधुनिक समय में, वैज्ञानिक इसे UAP (Unidentified Anomalous Phenomena) कहते हैं। उड़न तश्तरियों का रहस्य केवल कल्पना मात्र नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और दर्शन का एक जटिल मिश्रण बन चुका है।

-फीचर डेस्क

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य या कल्पना की शुरुआत

उड़न तश्तरियों का आधुनिक इतिहास 24 जून 1947 को शुरू हुआ। अमेरिकी पायलट केनेथ अर्नोल्ड ने वाशिंगटन राज्य में माउंट रेनियर के पास नौ चमकदार वस्तुओं को एक अजीब गति से उड़ते देखा। उन्होंने उनके उड़ने की शैली का वर्णन करते हुए कहा, "वे पानी पर फेंकी गई तश्तरी (Saucer) की तरह उछल रहे थे।" अखबारों ने इस वाक्यांश को 'फ्लाइंग सॉसर' (Flying Saucer) बना दिया और यहीं से इस शब्द ने वैश्विक पहचान बनाई।

उसी वर्ष न्यू मेक्सिको के रोजवेल में एक कथित दुर्घटना हुई, जिसने इस रहस्य को और गहरा कर दिया, हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे एक मौसम संबंधी गुब्बारा बताया, लेकिन साजिश के सिद्धांतों (Conspiracy Theories) ने जोर पकड़ा कि सरकार ने एलियंस के मलबे और उनके शरीर को छिपा लिया है।

प्राचीन सभ्यताओं में संकेत

दिलचस्प बात यह है कि उड़न तश्तरियों के प्रमाण केवल आधुनिक युग तक सीमित नहीं हैं। भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'विमानों' का वर्णन मिलता है, जो हवा में अविश्वसनीय गति से उड़ सकते थे। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की गुफाओं में मिले 10,000 साल पुराने शैलचित्रों में ऐसी आकृतियां देखी गई हैं, जो आधुनिक अंतरिक्ष यात्रियों और तश्तरीनुमा यानों जैसी दिखती हैं। इसी तरह प्राचीन मिस्र, सुमेरियन और माया सभ्यताओं की कलाकृतियों में भी 'आकाश से आए देवताओं' और उनके उड़ने वाले रथों का उल्लेख मिलता है, जिसे आज के 'प्राचीन अंतरिक्ष यात्री सिद्धांतवादी' (Ancient Alien Theorists) एलियंस के आगमन से जोड़कर देखते हैं।

रहस्य या रणनीति

दशकों तक UFO को केवल लोगों का भ्रम या कल्पना माना गया, लेकिन 2017 के बाद परिदृश्य बदल गया। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने आधिकारिक तौर पर तीन वीडियो जारी किए, जिन्हें नौसेना के पायलटों ने रिकॉर्ड किया था। इन वीडियो में 'टिक-टैक' (Tic-Tac) आकार की वस्तुएं भौतिकी के नियमों को धता बताते हुए समुद्र के ऊपर उड़ती दिखीं।

सरकारें अब इसे 'एलियंस' के बजाय 'राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे' के रूप में देख रही हैं। चिंता इस बात की है कि क्या चीन या रूस जैसे प्रतिस्पर्धी देशों ने ऐसी कोई 'हाइपरसोनिक' तकनीक विकसित कर ली है, जो अमेरिकी रडार को चकमा दे सके। इसी कारण से अमेरिका ने 'AARO' नामक विभाग बनाया है, जो इन घटनाओं की वैज्ञानिक जांच करता है।

भौतिक विज्ञान की चुनौतियां

UFO की सबसे रहस्यमयी बात उनकी गतिशीलता है। चश्मदीदों और रडार डेटा के अनुसार, ये वस्तुएं अचानक स्थिर अवस्था से हजारों मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती हैं। वे बिना किसी पंख (wings) या स्पष्ट प्रोपल्शन इंजन के उड़ती हैं और 'सोनिक बूम' पैदा किए बिना ध्वनि की गति को पार कर जाती हैं। भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, इतनी तीव्र गति से दिशा बदलने पर किसी भी मानव शरीर या पारंपरिक विमान के परखच्चे उड़ सकते हैं। यह संकेत देता है कि यदि ये यान वास्तविक हैं, तो इनके पास 'गुरुत्वाकर्षण-विरोधी' (Anti-gravity) तकनीक है, जो वर्तमान मानव विज्ञान की समझ से बहुत आगे है।

मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव

उड़न तश्तरियों के रहस्य का एक पहलू सामूहिक मनोविज्ञान भी है। शीत युद्ध के दौरान, आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं का डर अक्सर जासूसी विमानों का होता था। वहीं, हॉलीवुड फिल्मों (जैसे E.T., Independence Day) ने हमारे मन में एलियंस की एक खास छवि गढ़ दी है। कई बार लोग तारों, ग्रहों (विशेषकर शुक्र), उपग्रहों (जैसे एलन मस्क की स्टारलिंक सेटेलाइट) या पक्षियों के झुंड को गलती से UFO समझ लेते हैं।

उड़न तश्तरियों का रहस्य आज भी अनसुलझा है, हालांकि अब तक कोई ऐसा ठोस प्रमाण सार्वजनिक नहीं हुआ है, जो यह साबित कर सके कि ये यान किसी दूसरे ग्रह से आए हैं, लेकिन हजारों की संख्या में विश्वसनीय गवाह (पायलट, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी) इस बात की पुष्टि करते हैं कि आसमान में कुछ ऐसा है, जो हमारी समझ से परे है। ब्रह्मांड की विशालता को देखते हुए, जहां अरबों आकाशगंगाएं और अनगिनत पृथ्वी जैसे ग्रह हैं, यह मानना तर्कसंगत लगता है कि हम अकेले नहीं हैं। शायद उड़नतश्तरियां केवल यान नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के उस सत्य का द्वार हैं, जिससे हमारा सामना होना अभी बाकी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,248.61	25,496.55
गिरा/बढ़त	27.46	14.05
प्रतिशत में	0.03	0.06

सोना 1.62 लाख प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,70,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2550, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13kg 2110, जय जवान 2040, सचिन 2080, सूरज 2065, अवसर 1930, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1930, क्लासिक (kg) 2280, मोर 2260, चक्र टिन 2315, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2505

किराना–महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000–21000, धनिया 11000–12000, अजवायान 14000–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 10000–20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 800–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350–400, मखाना 950–1100

चावल –(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी – पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260

बिजीनेस ब्रीफ

बंधन बैंक में बड़ी हिस्सेदारी खरीदेगा एसबीआई

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसबीआई म्यूचुअल फंड के बंधन बैंक में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बंधन बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने 25 फरवरी, 2026 के पत्र के माध्यम से एसबीआई म्यूचुअल फंड को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में अधिकतम 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी अधिग्रहीत करने की अनुमति प्रदान की है। आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आवेदक पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रस्तावित प्रमुख हिस्सेदारी हासिल नहीं करता है, तो मंजूरी स्वत: निरस्त मानी जाएगी। साथ ही एसबीआई म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों के 9.99 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

डब्ल्यूटीओ में भारत की व्यापार नीति की समीक्षा जुलाई में होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा इस साल जुलाई में होगी। इस दौरान सदस्य देशों की तरफ से भारत की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि व्यापार नीतियों की इस समीक्षा से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में भारत के डिजिटल कस्टम सुधारों और व्यापार सुगमता समझौते के क्रियान्वयन को प्रस्तुत किया।

खेतों तक पहुंचाएं तकनीकि

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वाराणसी स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। यहां वैज्ञानिकों के साथ चर्चा में उन्होंने कहा कि सब्जी उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने उन्नत तकनीकों को शीघ्रता से खेतों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। फोटो • एजेंसी

ट्रेन के सफर में स्विगी के भोजन का स्वाद

मुंबई, एजेंसी

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाद्य एवं पेय पदार्थ की आपूर्ति करने वाली क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर अपनी 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा का विस्तार देशभर के 152 स्टेशन तक कर लिया है। कंपनी ने यह उपलब्धि एक साल में हासिल की है। यह सेवा एक वर्ष पहले 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी। स्विगी ने बृहस्पतिवार बताया कि यह विस्तार देशभर में विविध व्यंजनों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। बयान के अनुसार, कंपनी की योजना भारत के प्रमुख जंक्शन के साथ-साथ क्षेत्रीय स्टेशन जैसे इटारसी (मध्य प्रदेश), तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और

- स्विगी, आईआरसीटीसी की 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा अब 152 स्टेशन पर उपलब्ध

खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) पर अधिक ध्यान देकर विविधता लाने पर भी है। स्विगी ने बताया कि उसकी ''फूड ऑन ट्रेन'' सेवा का नेटवर्क विस्तार 117 प्रतिशत बढ़ा है। यह सेवा फरवरी, 2025 में 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी जिसका फरवरी, 2026 तक 152 स्टेशन पर विस्तार किया गया।

होली के लिए विशेष तैयारी

कंपनी ने 28 फरवरी से आठ मार्च तक यात्रियों के लिए होली से जुड़े विशेष भोजन उपलब्ध करने की भी घोषणा की। साथ ही 'ट्रेन के अनुकूल' व्यंजनों के मेन्यू का विस्तार किया गया है जिसे तेज गति एवं सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्विगी में खाद्य रणनीति, ग्राहक अनुभव एवं नई पहल के उपाध्यक्ष दीपक मालू ने कहा, 'यह देशव्यापी विस्तार होली के त्योहार के मद्देनजर एकदम सही समय पर हुआ है। हम प्रमुख जंक्शन से लेकर इटारसी, तिरुनेलवेली और खड़गपुर जैसे क्षेत्रीय स्टेशन तक 'ट्रांजिट हब' (पारगमन केंद्र) पर जोर देकर विविधता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर का उल्लेख जरूरी

सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट सम्बंधी सामग्री डालने पर सेबी के निर्देश, एक मई से होंगे लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अपने नियमन दायरे में आने वाली सभी इकाइयों और उनके एजेंट को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या का उल्लेख करें।

सेबी का यह निर्देश शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड कंपनियों, संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमएसी), निवेश सलाहकार, शोध विश्लेषक, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), पोर्टफोलियो प्रबंधकों और अन्य पर लागू होगा। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा, ''''सोशल मीडिया के इस्तेमाल और स्वीकार्यता में तेजी से बढ़ोतरी होने के साथ इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को

- होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा
- एजेंट को प्रत्येक पोस्ट में पंजीकरण ब्योरा देना अनिवार्य

सोशल मीडिया पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकरण संख्या और नाम बताया जाना चाहिए।" ये नियम एक मई 2026 से लागू हो जाएगा।

बाजार नियामक ने कहा कि इससे निवेशक यह पहचान सकेगा कि सोशल मीडिया पर डाली गई सामग्री सेबी के नियमन वाली इकाई या उसके एजेंट की तरफ से डाली गई है। इसके साथ ही सेबी ने कहा कि कई पंजीकरण रखने वाली इकाइयों को अपने होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा और हर सामग्री में जरूरी पंजीकरण ब्योरा देना होगा।

इसके अलावा, एजेंट को अपने पंजीकरण ब्योरे के साथ प्रमुख इकाई के पंजीकरण ब्योरे की भी जानकारी देनी होगी। इन नए नियमों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों का संरक्षण करना है। ये नियम एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग 'गलत बात' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान–कुंडली (निफ्टेम–के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अनवेष–2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं हैको ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है।मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं। पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की।

सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण'' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए 'सुपरसाइकल' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपये प्रति

10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 'सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सीमित खदान उत्पादन, प्रमुख बाजारों में घटते भंडार और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण वैश्विक भौतिक आपूर्ति में कमी ने भी कीमती धातुओं की कीमतों को उच्चस्तर पर बनाये रखा है। घरेलू बाजार में, रुपये के मूल्य में गिरावट और खुदरा खरीदारों की मजबूत लिवाली से मांग में वृद्धि हुई है।

कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना है। यह कदम नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव को गति प्रदान करेगा। श्री प्रसाद यहां 'इंडिया एनर्जी' शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बताया कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट (एक गीगावाट अर्थात 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसको देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। देश में बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर की धीमी गति को देखते हुए यह नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक व्यवहारिक बनाने में भी सहायक हो सकता है। प्रसाद ने कहा,

''''कार्बन ट्रेडिंग मंच सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और सितंबर तक इसके शुरू होने की पूरी संभावना है। इसके शुरू होने से नवीकरणीय ऊर्जा को गति मिलेगी। विशेष रूप से वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने वाला होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पीपीए पर हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे हैं। इसका मतलब है कि हमें इसे करने के लिए किसी अन्य संरचना की आवश्यकता है।

डीजीसीए करेगा 38 सलाहकारों की भर्ती, अंतिम तिथि 23 मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ान योग्यता, हवाई सुरक्षा और अन्य निदेशालयों के लिए 38 सलाहकारों की भर्ती करने जा रहा है। नागर विमानन नियामक कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहा है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है। एक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, उड़ान योग्यता निदेशालय में 24 और हवाई सुरक्षा निदेशालय में छह सलाहकारों के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं विधिक मामलों के निदेशालय (डीआईआरएलए) में पांच वरिष्ठ सलाहकार और दो सलाहकार नियुक्त किए जाएंगे। एक अन्य सार्वजनिक सूचना के मुताबिक, उड़ान प्रशिक्षण निदेशालय में भी एक सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी।

ट्रैफिक रूल तोड़े तो कटेंगे नम्बर निलम्बित होगा लाइसेंस

नई, दिल्ली, एजेंसी

सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए ''ग्रेड'' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ

- जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली की तैयारी

(सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, हम ड्राइविंग लाइसेंस में ''ग्रेडेड अंक प्रणाली' ला रहे हैं।' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेट का उपयोग न करने से 54,122, सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई।

चार मार्च को खुलेगा सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) चार मार्च को खुलेगा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,287-1,352 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ऊपरी सीमा पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 6,000 करोड़ रुपये आंका गया है।

यह निर्गम चार मार्च को खुलेगा और छह मार्च को बंद होगा। बड़े निवेशक दो मार्च को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम शामिल नहीं है। यह पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें प्रवर्तक मनीष शर्मा और अश्विनी अमित दीक्षित सहित अन्य निवेशक कुल 80,43,300 शेयर बेचेंगे।

जानकारी | नो कॉस्ट ईएमआई के छिपे हुए खतरे और नुकसान

'नो कॉस्ट ईएमआई' क्या एक स्कैम है! जानिए बारीकियां

कारोबार डेस्क

तकनीकी रूप से यह कोई कानूनी "स्कैम" या धोखाधड़ी नहीं है, लेकिन यह मार्केटिंग का एक ऐसा खेल है जिसमें असली कीमत बारीक अक्षरों (फाइन प्रिंट) में छिपी होती है। यहाँ बताया गया है कि यह "नो कॉस्ट" का जादू असल में कैसे काम करता है:

"नो कॉस्ट" असल में आपको कैसे महंगा पड़ता है : बैंक और कंपनियां कभी भी मुफ्त में पैसा उधार नहीं देतीं। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंक ब्याज लेंगे ही, लेकिन उसे छिपाने के दो मुख्य तरीके अपनाए जाते हैं:

छिपे हुए खतरे और नुकसान : ब्याज पर जीएसटी: भले ही मर्चेंट ने आपको ब्याज पर छूट दे दी हो, लेकिन बैंक जो ब्याज लगाता है, उस पर आपको 18% जीएसटी अलग से देना पड़ता है। यह आपकी जेब से एक्स्ट्रा जाता है।

क्रेडिट स्कोर पर असर: हर ईएमआई एक तरह का लोन है। एक साथ कई ईएमआई चलाने से आपके क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।

फिजूलखर्ची: 50,000 की चीज़ जब 4,000 महीने पर दिखने लगती है, तो हम वो चीजें भी खरीद लेते हैं जिनकी ज़रूरत नहीं होती। इसे ही 'डेब्ट ट्रैप' कहते हैं।

क्या नो कॉस्ट ईएमआई आपके लिए फायदेमंद है?

- यह आपके लिए सही हो सकता है यदि: जो समान आप नो कॉस्ट ईएमआई पर खरीद रहे हैं वो आप वैसे भी खरीदने ही वाले थे।
- नकद भुगतान करने पर कोई अलग से एक्स्ट्रा डिस्काउंट नहीं मिल रहा हो।
- आप हर महीने समय पर किस्त चुकाने का अनुशासन रखते हों।
- **प्रो टिप:** पेमेंट करने से पहले 'टोटल इफेक्टिव प्राइस' ज़रूर देखें। अगर किस्तों का कुल योग और प्रोसेसिंग फीस मिलाकर एमआरपी से ज़्यादा है, तो वह 'नो कॉस्ट' नहीं है।

- डिस्काउंट का खेल (डिस्काउंट ऑफसेट)

यह सबसे आम तरीका है। बैंक आपसे ब्याज लेता है, लेकिन रिटेलर उस ब्याज के बराबर की छूट आपको शुरू में ही दे देता है। इस तरह आपको कुछ अतिरिक्त पैसा जाता नहीं दीखता।

उदाहरण: मान लीजिए आप 30,000 का फोन खरीदते हैं और उस पर ब्याज 3,000 है।

चाल: दुकानदार फोन की कीमत 27,000 कर देगा। बैंक आपसे 27,000 लेगा और उस पर 3,000 ब्याज जोड़ेगा। आप अंत में 30,000 ही चुकाएंगे, लेकिन बैंक को उसका मुनाफा मिल गया।

- प्रोसेसिंग फीस का 'झटका'

भले ही ब्याज 'माफ' दिख रहा हो, लेकिन लगभग हर नो कॉस्ट ईएमआई पर एक प्रोसेसिंग फीस लगती है। यह 199 से लेकर 1,000 तक हो सकती है। यह पैसा बैंक की सीधी कमाई है और यह कभी "फ्री" नहीं होता।

- नकद छूट (कैश डिस्काउंट) का नुकसान

अक्सर, अगर आप नकद या डेबिट कार्ड से पूरा भुगतान करते, तो आपको 5–10% की सीधी छूट मिल सकती थी। नो कॉस्ट ईएमआई चुनकर आप उस छूट को खो देते हैं, जिसका मतलब है कि वह सुविधा आपको महंगी पड़ी।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन ''एस26'' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है। कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपये की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

दूरसंचार कंपनियों का राजस्व 34 अरब डॉलर के पार: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घरेलू दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की एक रिपोर्ट में भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि तिमाही के दौरान भारती एयरटेल का राजस्व सालाना आधार पर नौ प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया का दो प्रतिशत बढ़ा।

रिलायंस जियो के राजस्व में 11 प्रतिशत की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। देश के दूरसंचार क्षेत्र के कुल राजस्व में इन तीनों कंपनियों की युक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही। एक साल पहले के मुकाबले

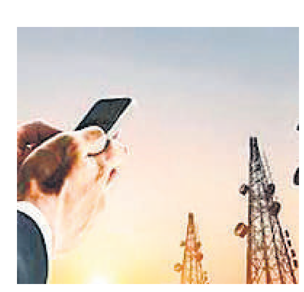

रिलायंस जियो की राजस्व हिस्सेदारी सबसे अधिक 123 आधार अंक (1.23 प्रतिशत) बढ़कर 42.5 प्रतिशत हो गयी। एयरटेल की राजस्व हिस्सेदारी (39 आधार अंक) बढ़कर 39.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि वोडाफोन आइडिया की हिस्सेदारी 83 आधार अंक घटकर 13 फीसदी रह गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस जियो और एयरटेल का वर्चस्व आने वाले समय में और बढ़ेगा।

सोना तस्करी मामला: रान्या राव के खिलाफ ईडी ने दखिल की चार्जशीट

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने सोना तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, उनके सहयोगी तरुण कोंडुरु और बल्लारी के स्वर्ण व्यापारी साहिल साकरिया जैन के खिलाफ बेंगलुरु की विशेष अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच करीब 127.28 किलोग्राम विदेशी सोना अवैध रूप से भारत लाया गया। जौहरियों और बिचौलियों के नेटवर्क के जरिए इसे घरेलू बाजार में खपाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 102.55 करोड़ है। शुरुआत 3 मार्च 2025 को हुई, जब राजस्व खुफिया निदेशालय ने दुबई से लौटीं रान्या राव को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। अभिनेत्री के पास से 14.213 किलो सोने की छड़ें बरामद हुईं, बाद में उनके घर से 2.06 करोड़ के जेवर और 2.67 करोड़ की नकदी जब्त की गई।

भारी कमीशन और बार-बार यात्राएं

ईडी की जांच के अनुसार, रान्या राव ने तस्करी के लिए कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं। रिपोर्टों के मुताबिक, वह प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये तक का कमीशन लेती थीं। इस मामले में CBI ने DRI की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। मई 2025 में ED ने कर्नाटक के 16 स्थानों पर छापेमारी कर कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और विदेशी मुद्रा भी बरामद की थी, जिन्हें अब सबूत के तौर पर चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है।

ब्रिटेन: 40 साल पुराने हिंदू मंदिर पर बंद होने का खतरा, काउंसिल के बिक्री के फैसले से आक्रोश

लंदन/पीटरबरो, एजेंसी।

● 1986 से संचालित है मंदिर, फैसले के बाद प्रमुख हिंदू संस्थाओं ने जताया रोष

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में स्थित 40 साल पुराने 'भारत हिंदू समाज मंदिर' और कम्युनिटी सेंटर पर बंद होने का काला साया मंडरा रहा है। स्थानीय पीटरबरो सिटी काउंसिल ने उस ऐतिहासिक भवन को बेचने का निर्णय लिया है, जिसमें यह मंदिर 1986 से संचालित है।

इस फैसले ने न केवल स्थानीय हिंदू समुदाय बल्कि ब्रिटेन की प्रमुख हिंदू संस्थाओं में भी भारी रोष पैदा कर दिया है। न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स स्थित इस मंदिर से कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक और लिंकनशायर के लगभग 13,000 से अधिक हिंदू जुड़े हुए हैं। मंदिर प्रशासन का आरोप है कि काउंसिल ने यह फैसला बिना किसी पारदर्शिता या समुदाय की सहमति के "बंद दरवाजों के पीछे" लिया है। समुदाय का कहना है कि यह केवल एक संपत्ति का मामला नहीं, बल्कि उनकी आस्था और दशकों पुरानी विरासत से जुड़ा सवाल है।

'टैक्सपेयर्स के पैसे' का हवाला

लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं (Taxpayers) के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य सुनिश्चित करना उनकी कानूनी जिम्मेदारी है। काउंसिल कैबिनेट की बैठक में तर्क दिया गया कि वित्तीय घाटे को कम करने के लिए सार्वजनिक संपत्तियों का उचित मूल्य पर बेचना आवश्यक है।

हिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा

वहीं, हिंदू काउंसिल यूके ने काउंसिल के इस कदम की कड़ी निंदा की है। संस्था ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने मंदिर के "सामाजिक प्रभाव" और इसके स्वामित्व को समुदाय को हस्तांतरित करने की पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। मंदिर समिति अब इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई और सार्वजनिक अभियान चलाने की तैयारी कर रही है ताकि उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बेघर होने से बचाया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

अम्मान समझौते' के तहत 86 परिवारों को मिली आजादी

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वेदा में महीनों से जारी अशांति को शांत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। सीरियाई सरकार और सशस्त्र समूहों के बीच हुए 'अम्मान समझौते' के तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। इस मानवीय पहल के जरिए कुल 86 सीरियाई परिवारों को राहत मिली है। समझौते के तहत सशस्त्र समूहों ने अपहरण किए गए 25 नागरिकों को रिहा किया, जिसके जवाब में सीरियाई अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए 61 बंदियों को छोड़ दिया। सीरियाई आंतरिक प्राधिकरण के प्रवक्ता नूरुद्दीन अल-बाबा ने इसे तनाव कम करने और शांतिपूर्ण मार्ग बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए अभी भी कई चुनौतियां बरकरार हैं।

आदिवासी महिला पर हमले के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक गर्भवती आदिवासी महिला पर हमले के विरोध में गुरुवार को जमकर बवाल हुआ। जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य सचिवालय 'उत्तरकन्या' के घेराव की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। 23 दिसंबर को फांसीदेवा में जमीन विवाद के दौरान एक गर्भवती महिला पर हमला हुआ था, जिसमें उसके अजन्मे शिशु की मौत हो गई थी। प्रदर्शनकारी मुख्य आरोपी के लिए मृत्युदंड और फरार चार अन्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अल कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान की याचिका पर सुनवाई करेगा

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट अल-क़ादिर ट्रस्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सज़ा के निलंबन की मांग को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान और बुशरा बीबी की याचिका की सुनवाई 11 मार्च को करेगा। एक जवाबदेही अदालत ने 17 जनवरी 2025 को खान और बीबी को 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में क्रमश: 14 और सात साल की सज़ा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि दोनों ने इमरान के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन से पाकिस्तान भेजे गये 50 अरब रुपए वैध बनाने के बदले अरबों रुपए और बहरिया टाउन में सैकड़ों कनाल ज़मीन रिश्वत के तौर पर ली थी। दोनों ने इसी सिलसिले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का रुख़ किया।

ट्रंप टैरिफ नहीं लगाते तो बेहतर होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था :आईएमएफ

अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत, लेकिन शुल्क और बढ़ते कर्ज से जोखिम बरकरार : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष तेजी से बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी में कमी आ सकती है। हालांकि, संघीय बजट घाटा और बढ़ता सरकारी कर्ज स्थिरता के लिए जोखिम बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह बात कही। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ यानी आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बेहतर हो सकती थी।

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का समग्र आकलन पेश किया है। 191 देशों के संगठन का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बारे में आकलन मोटे तौर पर सकारात्मक है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) यानी वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल उत्पादन 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है। यह वृद्धि 2025 में दर्ज 2.2 प्रतिशत की दर से अधिक होगी।

आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह जाएगी। वहीं, महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि फेडरल रिजर्व रेपो दर को मौजूदा 3.6 प्रतिशत से दर को घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत तक ला सकता है। इसने 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की थी। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अमेरिकी रोजगार बाजार में '''' अत्यधिक गिरावट'''' आने की स्थिति को छोड़कर, सरकार को और अधिक कटौती करने से बचना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है।

आईएमएफ ने चेताया कि संरक्षणवादी व्यापार नीतियां अपेक्षा से अधिक आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। आईएमएफ ने संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में पिछले वर्ष के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक करीब 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

ट्रंप के टैरिफ पर और भी हैं तीखीं प्रतिक्रियाएं

यूरोपीय संघ (EU): 'डील इज ए डील'

समझौते पर संकट : यूरोपीय संघ ने कहा है कि एक बार हुआ समझौता बदला नहीं जाना चाहिए। ईयू ने अगस्त 2025 में हुए उस व्यापार समझौते के भविष्य पर सवाल उठाए हैं, जिसमें शुल्क को 15% की सीमा तक सीमित रखने की बात थी। यूरोपीय संसद ने इस नई अनिश्चितता के विरोध में अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के अनुसमर्थन पर फिलहाल रोक लगा दी है।

चीन: 'व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं'

चीन ने ट्रंप के शुल्कों को आर्थिक दादागीरी" करार दिया है। इससे पहले 2025 में जब अमेरिका ने भारी शुल्क लगाए थे, तो चीन ने भी अमेरिकी कोयले, एलएनजी (LNG) और कच्चे तेल पर 10% से 15% का जवाबी शुल्क लगाकर पलटवार किया था। चीन ने दुर्लभ मृदा धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जो अमेरिकी चिप और हथियार उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

109 साल बाद ब्रिटिश सरकार से युद्ध ऋण पर करोड़ों का दावा

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शहर के प्रसिद्ध दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते विवेक रूठिया ने दावा किया है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपये का 'युद्ध ऋण' लिया था, जो आज तक नहीं लौटाया गया। अब परिवार इस राशि की वसूली के लिए ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है।

65 वर्षीय विवेक रूठिया के अनुसार, साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के समय ब्रिटिश प्रशासन ने युद्ध प्रयासों के लिए स्थानीय धनाढ्य नागरिकों से आर्थिक सहायता मांगी थी। उन्हें अपने दादा की वसीयत में कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ब्रिटिश सरकार के साथ हुए इस लेनदेन का स्पष्ट उल्लेख है। विवेक रूठिया ने 4 जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश 'पॉलिटिकल एजेंट' द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र पेश किया है। इसमें लिखा है— "सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपये दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

पश्चिम बंगाल चुनाव जीतेगी भाजपा, हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे : शाह

अररिया (बिहार), एजेंसी

● संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भाजपा आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कहा कि ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं। शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनसांख्यिकीय बदलाव का अध्ययन करने और सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जनसांख्यिकीय बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

शाह ने कहा कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत बिहार के सीमांचल क्षेत्र से होगी, जहां वे कुछ महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान चार दिन तक रुके थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आलोचना के बावजूद भाजपा ने बिहार चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। शाह ने कहा कि घुसपैठ रोकने में एसएसबी की अहम भूमिका है।

इतिहास सही पढ़ाते तो औरंगजेब नायक नहीं बनता: फडणवीस

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को नायक नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि एनसीईआरटी की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किये हैं। औरंगजेब को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।

परमाणु वार्ता: युद्ध की आहट के बीच जिनेवा में कूटनीति का अंतिम अवसर

जिनेवा, एजेंसी

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और तेहरान के बीच गुरुवार को जिनेवा में तीसरे दौर की उच्चस्तरीय वार्ता हुई। इसे कूटनीति का आखिरी मौका माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफ टेबल पर बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव बनाने के लिए पश्चिम एशिया में युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों का भारी बेड़ा तैनात कर दिया है।

पिछले साल जून के बाद से दोनों देशों के बीच यह तीसरे दौर की सीधी बातचीत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वार्ता के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त सीमाएं थोपना चाहते हैं। वाशिंगटन का मानना है कि ईरान के भीतर बढ़ता नागरिक असंतोष और हालिया विरोध प्रदर्शन तेहरान को समझौते की मेज पर झुकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार, सैन्य तैनाती का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि ईरान पर कूटनीतिक दबाव बनाना भी है।

'विनाशकारी होगा युद्ध' : ईरान

दूसरी ओर, ईरान अपने रुख पर अडिग है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह यूरेनियम संवर्धन (Uranium Enrichment) के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा। जिनेवा रवाना होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका हमला करता है, तो पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे उनके निशाने पर होंगे। कहा कि यह युद्ध किसी की जीत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए 'विनाशकारी' होगा। अराघची ने एक साक्षात्कार में कहा कि चूंकि अमेरिकी सैन्य ठिकाने पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैले हुए हैं, फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें जिनेवा वार्ता के नतीजों पर टिकी हैं, क्योंकि यहां से निकलने वाला निष्कर्ष तय करेगा कि क्षेत्र शांति की ओर बढ़ेगा या एक बड़े सैन्य संघर्ष की ओर।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आपको अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे।

तुला — आज अनावश्यक यात्रा न करें। सामाजिक कार्यों में सम्मिलित होना पड़ सकता है। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं।

वृष — आज सत्पुरुषों से संपर्क बढ़ेगा। विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। अनावश्यक विचारों से स्वयं को बचाएं। शांत और धैर्यवान होकर समस्या का समाधान खोजें।

धनु — आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कर्क — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी होगी। शरीर में थकावट व ऊर्जा की कमी महसूस करेंगे।

मकर — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारीगण आपकी विचारों को तवज्जो देंगे।

सिंह — आज व्यवसाय में धन लाभ हो सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। कोई नया काम शुरू न करें।

कन्या — आज अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

मीन — आज कारोबार में नव प्रयोग करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं पूर्ण होंगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

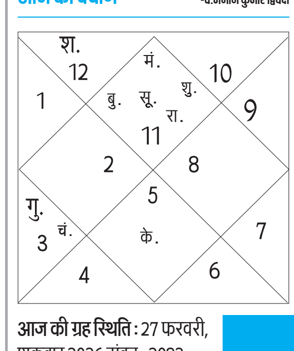

आज की ग्रह स्थिति : 27 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 22.32 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- आर्द्रा 22.48 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

सुडोकू -74

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

रेलवे में डिजिटल क्रांति

ई-आरसीटी' प्रणाली रेलवे दावा न्यायाधिकरण को पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित और पारदर्शी बनाएगी

ऑनलाइन कर सकेंगे रेल हादसों व सामान चोरी के दावों का निपटारा

नई दिल्ली | एजेंसी

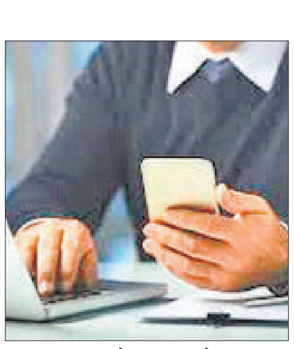

रेल यात्रियों के लिए अब ट्रेन हादसों, अनहोनी घटनाओं या सामान के नुकसान और चोरी के मामलों में क्षतिपूर्ति का दावा करना बेहद आसान होने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना '52 हफ्तों में 52 सुधार' के तहत तीसरे और चौथे बड़े सुधार के रूप में 'ई-आरसीटी' (e-RCT) और 'रेलटेक नीति' की घोषणा की।

इस नई डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कोई भी पीड़ित यात्री देश के किसी भी कोने से रेलवे दावा न्यायाधिकरण (आरसीटी) के समक्ष ऑनलाइन अपना दावा पेश कर सकेगा। अब तक यात्रियों को दावा फाइल करने के लिए सही क्षेत्राधिकार चुनने और भौतिक रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तरों के चक्कर काटने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर उन यात्रियों के लिए जो अपने गृह राज्य से दूर यात्रा कर रहे हों, लेकिन अब ई-आरसीटी प्रणाली इन बाधाओं को पूरी तरह खत्म कर देगी।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों के भीतर देश भर में मौजूद रेलवे दावा न्यायाधिकरण की सभी 23 पीठों को पूरी तरह डिजिटाइज़ कर दिया जाएगा। ई-फाइलिंग से लेकर मामले की सूचना प्रणाली तक की पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णयों की गति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

वैष्णव ने कहा कि यदि यह डिजिटल मॉडल सफल रहता है, तो इसी तरह के समाधान भविष्य में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण जैसे अन्य निकायों में भी लागू किए जा सकते हैं। अब यात्रियों और उनके वकीलों को दस्तावेज जमा करने या केस को ट्रैक करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दफ्तर जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपने स्थान की परवाह किए बिना कभी भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे और उसकी प्रगति देख सकेंगे। इसके साथ ही, रेलवे में अत्याधुनिक तकनीक को व्यवस्थित तरीके से शामिल करने के लिए 'रेलटेक नीति' को भी मंजूरी दी गई है।

यह नई नीति रक्षा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के स्टार्टअप ढांचे और टेलीकॉम नवाचार नीति जैसे सफल मॉडलों का अध्ययन करने के बाद तैयार की गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य पुराने और जटिल ठेकेदारी सिस्टम को हटाकर एक ऐसा नवाचार-संचालित ढांचा तैयार करना है, जहां स्टार्टअप्स, शोधकर्ता और इनोवेटर्स भारतीय रेलवे के साथ आसानी से जुड़ सकें।

अब कोई भी व्यक्ति जिसके पास रेलवे के लिए कोई मजबूत तकनीकी आइडिया हो, वह एक समर्पित 'रेलटेक पोर्टल' के जरिए सीधे संपर्क कर सकेगा। यह पोर्टल पूरी तरह डिजिटल होगा और नई तकनीक के परीक्षण व उसे अपनाने की प्रक्रिया को बेहद सरल बना देगा, जिससे भारतीय रेलवे को वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक से लैस करने में मदद मिलेगी।

वकीलों और दफ्तरों के चक्करों से मुक्ति

पुराने सिस्टम में यात्रियों और वकीलों को दस्तावेज जमा करने और केस की प्रगति देखने के लिए व्यक्तिगत रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तर जाना पड़ता था। नई डिजिटल व्यवस्था के तहत कहीं से भी आवेदन : यात्री अपने घर या गंतव्य स्टेशन से ही इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दावा फाइल कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णय लेने की गति तेज होगी। केस फाइलिंग से लेकर अंतिम फैसले तक की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

> कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। अब शीतकालीन खेल 15 दिन आयोजित करेंगे।
> –मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-इंग्लैंड	शाम 7 बजे

हाइलाइट

चैंपियंस लीग प्लेऑफ फुटबॉल मैच के दौरान गोल का प्रयास करते रियल मैड्रिड के अर्दा गुलर (बाएं) और बेनफिका के लिएंड्रो बैरेइरो बॉल।

चैंपियंस लीग के अगले दौर में रियल मैड्रिड

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर ने बुधवार को बेनफिका के खिलाफ फिर से विजयी गोल दागा जिससे रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहा। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) भी मोनाको को हराकर प्लेऑफ से आगे बढ़ गया जबकि अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ अंतिम क्षणों में गोल करके प्रतियोगिता में इटली की भागीदारी को बरकरार रखा। लेकिन युवेंटस दूसरे चरण में वापसी करने में नाकाम रहा और गैलाटासराय से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सिमोन बाइल्स बनीं लॉरियस की एंबेसडर

नई दिल्ली। सात बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को लॉरियस का एंबेसडर नियुक्त किया है। इस तरह से वह लॉरियस का एंबेसडर बनने वाले कई स्टार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गई हैं। इन खिलाड़ियों में भारतीय भाला फेंक के दिग्गज नीरज चोपड़ा और विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी शामिल हैं। बाइल्स के नाम पर जिम्नास्टिक के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड है।

गुकेश और नीमन का मैच रहा ड्रॉ

प्राग। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मिडिल गेम में कुछ तनावपूर्ण क्षणों से गुजरने के बाद प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के पहले दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन के साथ ड्रॉ खेला। गुकेश सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन नीमन ने बर्लिन डिफेंस अपनाया। दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले की यह अच्छी शुरुआत थी। नीमन ने आक्रामक रुख अपनाया और 13वीं चाल पर ही एक मोहरे का बलिदान कर दिया, जिससे सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद गुकेश बैकफुट पर आ गए।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारुक का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारुक मैरिकन अली का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 80 बरस के थे। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारुक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई।

लय में लौटे धुरंधर, विस्फोटक पारियां खेल जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 में भारत ने 256 रनों का बनाया सबसे बड़ा स्कोर

चेन्नई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ चार विकेट पर 256 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा और मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरा जिम्बाब्वे निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सका और 72 रनों से हार गया।

पंड्या ने 23 गेंद में चार छक्कों और दो चौकों से नाबाद 50 रन की पारी खेलने के अलावा तिलक वर्मा (नाबाद 44, 16 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 31 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। फॉर्म में वापसी करने वाले अभिषेक ने इससे पहले 30 गेंद में चार छक्कों और इतने ही चौकों से 55 रन की पारी खेलने के अलावा संजू सैमसन (24) के साथ पहले विकेट के लिए 48 और इशान किशन (38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करने भारत को ठोस मंच दिया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने भी उपयोगी पारी खेली। जिम्बाब्वे के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार ओवर में 62 रन लुटाकर एक विकेट हासिल किया। ब्रेड इवांस ने भी चार ओवर में 52 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद भारत ने पावर प्ले में एक विकेट पर 80 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की।

सैमसन ने नगारवा की मैच की दूसरी गेंद पर छक्के से खाता खोला और फिर ब्लेसिंग मुजरबानी (43 रन पर एक विकेट) पर भी छक्का जड़ा। अभिषेक ने टिनोटेंडा मपोसा (40 रन पर एक विकेट) का स्वागत दो चौकों और एक छक्के से किया जिससे तीसरे ओवर में 23 रन बने। सैमसन हालांकि मुजरबानी के अगले ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर रेयान बर्ल को कैच दे बैठे। इशान ने भी नगारवा पर दो चौकों के साथ अच्छी शुरुआत की। अभिषेक ने ब्रेड इवांस और नगारवा पर भी छक्के जड़े। इशान 10वें ओवर में 26 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब ब्रायन बेनेट की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलते हुए गेंद को हवा में लहरा गए लेकिन बाउंड्री पर ताशिंगा मुसेकिवा उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। इसी गेंद पर भारत के रनों का शतक पूरा हुआ। अभिषेक ने रजा (29 रन पर एक विकेट) की गेंद पर एक रन के साथ 26 गेंद में टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। इशान ने भी रजा की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर शॉर्ट थर्ड मैन पर नगारवा को कैच दे बैठे।

सूर्यकुमार भी भाग्यशाली रहे जब इवांस की गेंद पर बैवर्ड स्क्वायर लेग पर मुजरबानी उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। सूर्यकुमार ने दूसरे स्पैल के लिए आए मपोसा का स्वागत लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ किया लेकिन अभिषेक इसी ओवर में लॉन्ग ऑन पर रजा को कैच दे बैठे। उन्होंने 30 गेंद का सामना करते हुए चार छक्के और इतने ही चौके मारे। बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए हार्दिक पंड्या ने रेयान बर्ल पर छक्के के साथ शुरुआत की।

सूर्यकुमार ने नगारवा पर छक्का जड़ा लेकिन एक गेंद बाद मुसेकिवा को कैच दे बैठे। उन्होंने 13 गेंद की अपनी पारी में दो छक्के और तीन चौके मारे। तिलक वर्मा ने इवांस पर छक्के के साथ 17वें ओवर में भारत का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

रन लेते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

- फार्म में लौटे अभिषेक वर्मा ने 30 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेल मजबूत शुरुआत दिलाई
- हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा के बीच 31 गेंद में 84 रन की हुई अटूट साझेदारी

भारत

256/4 (20 ओवर)

संजू सैमसन का बर्ल बो मुजरबानी	24
अभिषेक शर्मा का रजा बो मपोसा	55
इशान किशन का नगारवा को रजा	38
सूर्यकुमार का मुसेकिवा बो नगारवा	33
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
तिलक वर्मा नाबाद	44

गेंदबाजी : नगारवा 4-0-62-1, मुजरबानी 4-0-43-1, मपोसा 2-0-40-1, इवांस 4-0-52-0, रजा 3-0-29-1, बेनेट 2-0-16-0, बर्ल 1-0-10-0

न्यूजीलैंड की निगाह सेमीफाइनल पर

कोलंबो, एजेंसी

- स्पिनरों के सामने होगी इंग्लैंड की परीक्षा

अपने स्पिनरों के दम पर पिछले मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने वाला न्यूजीलैंड शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका है लेकिन यह मैच उसके लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का भी फैसला होगा।

श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की बड़ी जीत से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के करीब पहुंच गया है क्योंकि इससे उसका नेट रन रेट अच्छा हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट प्लस 3.050 है और उसे अगले मैच में बस यह सुनिश्चित करना है कि अगर वह इंग्लैंड से पराजित हो भी जाता है तो हार का अंतर न्यूनतम हो। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। उसे नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए कीवी टीम की करारी हार के लिए दुआ करनी होगी और साथ ही सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना होगा। लेकिन न्यूजीलैंड ने यह साबित कर दिया है कि वह श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ खेलने में सहज था जिसके दम पर उसने बड़े अंतर से जीत हासिल की। इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसे स्पिनरों के सामने सहज प्रदर्शन किया।

टीम

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.491
2. न्यूज़ीलैंड	2	1	0	1	3	3.050
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

जीत दर्ज करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं) और रयान रिकेल्टन।

द. अफ्रीका लगभग सेमीफाइनल में

अहमदाबाद, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मार्करम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली।

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी। यह उनकी लगातार छठी जीत थी, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मार्करम के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मार्करम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे। इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

वेस्टइंडीज

176/8 (20 ओवर)

ब्रैंडन किंग का डिकॉक बो एनगिडी	21
शाई होप का डिकॉक बो रबाडा	16
हेटमायर का महाराज बो रबाडा	02
रोवमैन का ब्रेविस बो एनगिडी	09
रोस्टन चेस बो एनगिडी	02
रदरफोर्ड का डिकॉक बो बॉश	12
जेसन होल्डर रन आउट	49
मैथ्यू फोर्डे का रिकेल्टन बो बॉश	11
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	52
गुडाकेश मोती नाबाद	00

गेंदबाजी : केशव महाराज 4-0-43-0, मार्को यानसेन 4-0-50-0, कागिसो रबाडा 4-0-22-2, लुंगी एनगिडी 4-0-30-3, कॉर्बिन बॉश 4-0-31-2

- वेस्टइंडीज को 16.1 ओवर में नौ विकेट से हराया
- कैरेबियाई टीम का नेट रन रेट 5.350 से घटकर हो गया 1.791
- भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें हो गई मजबूत

दक्षिण अफ्रीका

177/1 (16.1 ओवर)

एडेन मार्करम नाबाद	82
क्विंटन डिकॉक का होल्डर बो चेस	47
रेयान रिकलटन नाबाद	45

गेंदबाजी : मैथ्यू फोर्डे 3-0-30-0, रोमारियो शेफर्ड 2-0-22-0, जेसन होल्डर 3.1-0-31-0, शमार जोसफ 2-0-24-0, गुडाकेश मोती 2-0-24-0, रोस्टन चेस 4-0-46-1

सैंटनर जैसा कप्तान महसूस कराता है अभेद्य : रचिन

कोलंबो। न्यूजीलैंड के आलराउंडर रचिन रविंद्र ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में अपनी टीम की श्रीलंका पर 61 रन से जीत के बाद अपने कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं और उन्हें दमदार महसूस कराने का तरीका ढूंढ लेते हैं।

रविंद्र ने इस मैच में 32 रन बनाए और 19 रन देकर चार विकेट भी लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कप्तान सैंटनर की 26 गेंदों पर खेली गई 47 रन की पारी से न्यूजीलैंड 84 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद सात विकेट पर 168 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में श्रीलंका आठ विकेट पर 107 रन ही बना सका। रविंद्र ने कहा हम सभी जानते हैं कि सैंटनर कितने शांत स्वभाव के हैं, लेकिन उनका सोचने का तरीका भी कमाल का है, जैसे कि किस छोर से कौन सी गेंद फेंकनी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि वह अच्छा प्रदर्शन के साथ नेतृत्व करते हैं।

सीरीज जीवंत रखने के लिए भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

महिला वनडे सीरीज

होबार्ट, एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है।

इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज सुबह 9:20 बजे से

रणजी ट्रॉफी फाइनल

कर्नाटक को फॉलोआन के खतरे में डाला, औकिब नबी ने तीन विकेट चटकाए

जम्मू-कश्मीर फिर इतिहास रचने को तैयार

खेल डेस्क

अमृत विचार। राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी में पहली बार फाइनल खेलने का अधिकार पाने के साथ ही इतिहास सृजित कर चुका जम्मू-कश्मीर एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि बल्लेबाजों के पराक्रम के बाद शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से मेहमानों ने खिताबी मुकाबले में पूर्व चैम्पियन व मेजबान कर्नाटक को फॉलोऑन के खतरे में धकेल दिया है।

इस क्रम में यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन का खेल समाप्त हुआ तो जम्मू-कश्मीर के विशाल स्कोर (584 रन) के जवाब में पेसर ऑकिब नबी (3-32) के सामने कर्नाटक का शीर्षक्रम ध्वस्त हो गया और टीम 69 ओवरों में 220 रनों पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी।

कर्नाटक पहली पारी के आधार पर 364 रन पीछे है और उसे फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 165 रनों की दरकार है। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि चौथे दिन कर्नाटक के बचे बल्लेबाज फॉलोऑन बचा पाने में सफल हो पाते हैं अथवा नहीं। उल्लेखनीय है कि रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में पहुंची है।

ऑकिब नबी की बात करें तो उन्होंने लगातार नौ ओवर फेंककर भारतीय क्रिकेट के कुछ बड़े नामों को परेशानी में डाला। उन्होंने 12वें ओवर में 27 के योग पर लोकेश राहुल (13 रन) को आउट किया और फिर 18वें ओवर में लगातार गेंदों पर करुण नायर (0) व स्मरण रविचंद्रन (0) खाता खोलने तक नहीं दिया (4-57)। इसके पिछले ओवर में कप्तान देवदत्त पडिक्कल (11 रन) सुनील कुमार (1-45) के शिकार बन चुके थे।

पैवेलियन लौटते जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा (बाएं) और अन्य खिलाड़ी। शतक लगाने के बाद जश्न मनाते मयंक अग्रवाल।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584/10
यश जम्मू-कश्मीर	220/5

नबी मौजूदा सत्र में ले चुके हैं 58 विकेट

गौरतलब है कि नबी ने पूरे सत्र में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और मौजदा सत्र में उनके विकेटों की संख्या 58 हो गई है, जो उत्तराखंड के स्पिनर मयंक मिश्रा के 59 विकेट से सिर्फ एक कम है। गनीमत रही कि अनुभवी ओपनर मयंक अग्रवाल (नाबाद 130 रन, 207 गेंद, 17 चौके) ने मजबूत रक्षात्मक तकनीक का नजारा पेश करते हुए एक छोर संभाले रखा। उन्हें 124 रनों के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। मयंक ने श्रेयस गोपाल (27 रन) संग पांचवें विकेट पर 105 रनों की साझेदारी की थी, तभी युद्धवीर सिंह (1-32) ने गोपाल को लौटाकर यह भागीदारी तोड़ी। इसके बाद मयंक, कृतिक के साथ क्रीज पर हैं।